वर्ष-07 - अंक 323
पृष्ट-12 मूल्य : 03 रुपया

लखनऊ
सोमवार, 31 अगस्त 2026

RNI.No. UPHIN/2019/79073

केंद्रीय सुचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार CBC (DAVP) द्वारा जारी दर पर विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अख़बार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

swatantraprabhat.com

स्वतंत्र प्रभात

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

एआई वाइस बॉट से मरीजों का फीडबैक लेगी 3
प्रदेश के सहकारिता क्षेत्र से कृषकों की जरूरत के अनुरूप मिल 4
नैनी में 273 करोड़ के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में धीमी प्रगति पर मंडलायुक्त 11

पीएम मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान, 36 देशों ने नवाजा

ताशकंद(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च राजकीय सम्मान 'ओली दराजाली दोस्तलिक' से सम्मानित किया गया। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने ताशकंद में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री मोदी को यह सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान भारत और उज्बेकिस्तान के बीच संबंधों को मजबूत करने तथा दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में प्रधानमंत्री मोदी के योगदान के लिए दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी को मिले इस सम्मान के साथ ही उन्हें विभिन्न देशों की ओर से प्रदान किए गए प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की संख्या 36 हो गई है। इससे पहले जुलाई 2026 में इंडोनेशिया ने प्रधानमंत्री को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' से सम्मानित किया था। लगातार विभिन्न देशों की ओर से मिले इन सम्मानों को भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मजबूत होते कूटनीतिक संबंधों से जोड़कर देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 और 30 अगस्त को उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं। राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के निमंत्रण पर हो रही इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा हुई। ताशकंद पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। वार्ता के दौरान दोनों देशों ने व्यापार और निवेश, डिजिटल संपर्क, रक्षा, ऊर्जा, शिक्षा तथा लोगों के बीच संपर्क सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने मौजूदा सहयोग की समीक्षा करने के साथ भविष्य में साझेदारी को और व्यापक बनाने के उपायों पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने भारत और उज्बेकिस्तान के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा साझा विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मिलकर काम करने पर जोर दिया। दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को भी इस साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार माना गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पिछले वर्षों में दुनिया के विभिन्न देशों की ओर से कई प्रतिष्ठित सम्मान दिए गए हैं। उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च राजकीय सम्मान भी इसी कड़ी का हिस्सा है। इससे पहले इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान के अलावा कई अन्य देशों ने भी प्रधानमंत्री मोदी को अपने सर्वोच्च या प्रमुख राष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा है। इन सम्मानों को भारत के साथ मजबूत होते द्विपक्षीय संबंधों और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की बढ़ती सक्रियता के प्रतीक के तौर पर देखा जाता है। विदेशों से मिलने वाले ये सम्मान व्यक्तिगत स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी के योगदान के साथ-साथ भारत की वैश्विक पहचान और कूटनीतिक प्रभाव को भी रेखांकित करते हैं। उज्बेकिस्तान के साथ भारत के संबंधों में व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों का महत्व लगातार बढ़ रहा है। मध्य एशिया में उज्बेकिस्तान को भारत के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार माना जाता है। दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ने से क्षेत्रीय संपर्क और आर्थिक संबंधों को भी गति मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान दोनों देशों ने आपसी सहयोग को नई दिशा देने और भविष्य की प्राथमिकताएं तय करने पर जोर दिया। डिजिटल संपर्क और ऊर्जा सहयोग के साथ रक्षा क्षेत्र में साझेदारी को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब भारत मध्य एशियाई देशों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करने पर विशेष जोर दे रहा है।

जेपीएनआईसी सपा के भ्रष्टाचार का जीवंत स्मारक : योगी

लखनऊ(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) को लेकर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जेपीएनआईसी सपा के भ्रष्टाचार का जीवंत स्मारक बन गया था। सपा सरकार ने लोकतंत्र सेनानी जयप्रकाश नारायण के नाम पर बने इस केंद्र को अपनी राजनीतिक गतिविधियों का अड्डा बना दिया था। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अपराध और अपराधियों के साथ ही भ्रष्टाचार तथा बेईमानी के खिलाफ भी जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री रविवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के साथ वीरांगना अवंतीबाई लोधी की भव्य प्रतिमा के लोकार्पण समारोह के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जेपीएनआईसी का निर्माण करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से किया जाना था, लेकिन परियोजना पर 864 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद यह अधूरा रह गया। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस परियोजना को 18 महीने में पूरा किया जाना था, वह लंबे समय तक पूरी क्यों नहीं हो सकी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेपीएनआईसी पर खर्च हुए 864 करोड़ रुपये किसी राजनीतिक दल के नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की जनता के हैं। जनता के धन के दुरुपयोग की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि सरकार ने जेपीएनआईसी से संबंधित पूर्व की व्यवस्था को समाप्त कर केंद्र को अपने नियंत्रण में लिया है। उन्होंने बताया कि अब लखनऊ विकास प्राधिकरण के मार्गदर्शन में जेपीएनआईसी को संचालित किया जाएगा। इसका उद्देश्य जयप्रकाश नारायण की स्मृतियों को जीवंत रखना है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि परियोजना पर सरकारी खजाने से खर्च हुई धनराशि की वसूली के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर जातीय राजनीति के जरिए समाज को बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पीडीए के नाम पर राजनीति करने वाली सपा ने महापुरुषों का सम्मान नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा शासनकाल में दंगे, कर्फ्यू और सरकारी खजाने के दुरुपयोग जैसी घटनाएं उसकी पहचान बन गई थीं। योगी ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान जमीनों पर अवैध कब्जे और महिलाओं तथा बेटियों में भय का माहौल रहा। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार ने कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री ने वीरांगना अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा को भारतीय नारी के शौर्य, गरिमा और तेजस्विता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि लखनऊ का राष्ट्र प्रेरणा स्थल देश के महान नेताओं की स्मृतियों को समर्पित है। यहां डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाएं देशवासियों को अखंडता, अंत्योदय और सुशासन की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि वीरांगना अवंतीबाई लोधी की भव्य अश्वारोही प्रतिमा भी आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति, साहस और नारी शक्ति की प्रेरणा देती रहेगी। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के महान नायकों और वीरांगनाओं की विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

मार्च 2027 से देशभर में लागू होगा भारतीय मानक समय

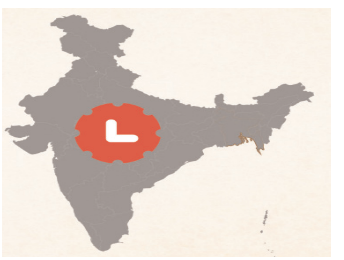

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देशभर में समय के इस्तेमाल में एकरूपता लाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने भारतीय मानक समय (आईएसटी) को देश का आधिकारिक समय मानक बनाने के लिए नए नियम अधिसूचित किए हैं। इसके तहत कानूनी, प्रशासनिक, कारोबारी, डिजिटल और अन्य आधिकारिक कार्यों में भारतीय मानक समय का इस्तेमाल अनिवार्य किया जाएगा। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने 27 अगस्त 2026 को 'लीगल मेट्रोलॉजी (इंडियन स्टैंडर्ड टाइम) रूल्स, 2026' अधिसूचित किए हैं। ये नियम राजपत्र में प्रकाशित होने के 180 दिन बाद लागू होंगे। ऐसे में मार्च 2027 के आसपास से देशभर में इन नियमों का पालन अनिवार्य होने की संभावना है। नए नियमों के मुताबिक, जब तक सरकार किसी विशेष मामले में छूट नहीं देती, कानूनी, प्रशासनिक और अन्य आधिकारिक दस्तावेजों में समय के संदर्भ के लिए भारतीय मानक समय का ही इस्तेमाल करना होगा। सरकार का उद्देश्य देशभर में समय के इस्तेमाल में एकरूपता स्थापित करना और अलग-अलग समय स्रोतों के कारण पैदा होने वाले भ्रम को खत्म करना है। नए नियम लागू होने के बाद सरकारी विभागों के साथ-साथ कंपनियों और अन्य संबंधित संस्थानों को भी अपने डिजिटल सिस्टम, रिकॉर्ड और प्रक्रियाओं में आवश्यक बदलाव करने होंगे। नियमों का उल्लंघन होने पर लीगल मेट्रोलॉजी एक्ट के तहत कार्रवाई और जुर्माने का प्रावधान है। सरकार के अनुसार वर्तमान समय में बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, दूरसंचार, रेलवे, बिजली आपूर्ति और कंप्यूटर नेटवर्क जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं सटीक समय पर निर्भर हैं। इन सेवाओं में अलग-अलग समय स्रोतों के इस्तेमाल से टाइम स्टांप में अंतर की स्थिति पैदा हो सकती है। समय के रिकॉर्ड में मामूली अंतर भी वित्तीय लेन-देन, डिजिटल भुगतान, रिकॉर्ड प्रबंधन और विभिन्न प्रणालियों के बीच तालमेल में परेशानी पैदा कर सकता है। एक समान समय मानक लागू होने से इन सेवाओं में समय की गणना और रिकॉर्डिंग अधिक सटीक और एक जैसी हो सकेगी। सरकार ने नए नियम लागू करने से पहले संबंधित विभागों, कंपनियों और संस्थानों को अपने सिस्टम और प्रक्रियाओं को भारतीय मानक समय के अनुरूप तैयार करने का पर्याप्त समय दिया है। इसके तहत कंप्यूटर सिस्टम, डिजिटल प्लेटफॉर्म, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और अन्य समय आधारित प्रणालियों में जरूरी बदलाव किए जाएंगे।

आईएसआईएस साजिश में दोषी सैयद फासिउर को सात साल की सजा,

बेंगलुरु। आईएसआईएस से जुड़ी आतंकी साजिश के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए सैयद फासिउर रहमान उर्फ सैयद फसीह उर रहमान को सात साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर कुल 48 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। एनआईए के अनुसार, यह मामला प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस की विचारधारा और एजेंडे को आगे बढ़ाने की साजिश से जुड़ा है। जांच एजेंसी का आरोप था कि साजिश के तहत लक्षित हत्याओं को अंजाम देकर सांप्रदायिक तनाव और दंगे भड़काने की योजना बनाई गई थी। एनआईए की जांच के मुताबिक, मामले के मुख्य आरोपी मेहबूब पाशा ने बेंगलुरु के गुरप्पनपाल्या स्थित अपने घर पर कई बैठकें आयोजित की थीं। इन बैठकों में कथित तौर पर लक्षित हत्याओं की योजना तैयार की गई थी।

मातम में बदला सफर: साइप्रस से तुर्किये जा रही यात्री नाव डूबी, छह की मौत

कायरानिया(एजेंसी)। उत्तरी साइप्रस के कायरानिया बंदरगाह से तुर्किये के ताशुकू जा रही एक यात्री नाव समुद्र में हादसे का शिकार हो गई। कायरानिया तट से करीब दो किलोमीटर दूर पहुंचते ही नाव में अचानक पानी भरने लगा और देखते ही देखते वह पलट गई। हादसे के समय नाव पर करीब 270 लोग सवार थे। दुर्घटना में छह लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 172 यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया। कई लोगों के अब भी लापता होने की सूचना है। हादसे की सूचना मिलते ही तुर्किये और साइप्रस के तटरक्षक बल की टीमें मौके पर पहुंचीं और बड़े पैमाने पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। स्थिति को देखते हुए एक बचाव हेलीकॉप्टर भी तैनात किया गया। कायरानिया बंदरगाह के आसपास मौजूद निजी और व्यापारिक नौकाओं ने भी बचाव अभियान में हिस्सा लिया और समुद्र में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने में मदद की। उत्तरी साइप्रस के परिवहन मंत्री एरहान अरिकली ने बताया कि नाव के तट से कुछ दूर जाने के बाद उसमें अचानक पानी भरने लगा। इसके बाद नाव असंतुलित होकर समुद्र में पलट गई। उनके अनुसार नाव में 262 यात्री और चालक दल के आठ सदस्य समेत कुल 270 लोग सवार थे। कायरानिया के मेयर मूरत सेनकुल ने बताया कि बचाव दल ने बड़ी संख्या में लोगों को समुद्र से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। हादसे के बाद समुद्र में फंसे अन्य लोगों की तलाश और बचाव अभियान लगातार जारी रहा। अधिकारियों के मुताबिक, राहत और बचाव दल लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। हादसे के कारणों की जांच भी शुरू कर दी गई है। समुद्र में नाव के डूबने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और बंदरगाह क्षेत्र में बड़ी संख्या में बचाव दल तैनात किए गए।

चुनावी मोड में बसपा, मायावती आज करेंगी प्रदेश स्तरीय बैठक

लखनऊ(एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती सोमवार को पार्टी के प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगी। बैठक सुबह 11 बजे लखनऊ स्थित बसपा के उत्तर प्रदेश राज्य कार्यालय, माल एवेन्यू में आयोजित होगी। इसमें प्रदेश के विभिन्न स्तरों के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ सभी 75 जिलों के जिलाध्यक्ष भी शामिल होंगे। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर संगठन की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। मायावती पदाधिकारियों से पार्टी के संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, सर्वसमाज में जनाधार बढ़ाने और संगठन की आर्थिक मजबूती से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगी। इसके साथ ही पिछले दिनों पार्टी नेतृत्व की ओर से दिए गए दिशा-निर्देशों पर हुई प्रगति की भी जानकारी ली जाएगी। बैठक में विधानसभा चुनाव के लिए संभावित प्रत्याशियों के चयन को लेकर भी पदाधिकारियों से फीडबैक लिया जा सकता है। मायावती जिलावार संगठन की सक्रियता और जमीनी तैयारियों की समीक्षा करते हुए चुनावी रणनीति को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश देंगी। बसपा सूत्रों के अनुसार, आगामी चुनाव को देखते हुए पार्टी संगठन को अधिक सक्रिय करने और कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक चुनावी तैयारियों में जुटाने पर विशेष जोर दे रही है। बैठक के बाद पदाधिकारियों को जनसंपर्क बढ़ाने और पार्टी की नीतियों को आम जनता तक पहुंचाने के लिए नई जिम्मेदारियां भी दी जा सकती हैं।

ग्लेशियर झीलों की होगी रियल टाइम निगरानी, विभाग 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहें : मदन कौशिक

देहरादून(एजेंसी)। प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और ग्लेशियर झीलों से संभावित खतरे को देखते हुए आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने सभी संबंधित विभागों को 24म7 अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ग्लेशियर झीलों की निगरानी और जोखिम को कम करने के लिए आधुनिक तकनीकों का अधिकतम उपयोग करने पर जोर दिया। मदन कौशिक ने कहा कि उत्तराखंड भौगोलिक रूप से बेहद संवेदनशील राज्य है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बीच ग्लेशियरों और ग्लेशियर झीलों में होने वाले बदलावों की वैज्ञानिक एवं निरंतर निगरानी जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्लेशियर झीलों की रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए सैटेलाइट इमेजरी, रिमोट सेंसिंग, ड्रोन, सेंसर आधारित निगरानी सहित अन्य अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्लेशियर झीलों के जलस्तर, आकार, जलभराव और संभावित बदलावों पर लगातार नजर रखी जाए। इसके साथ ही संबंधित विभागों, विशेषज्ञ संस्थानों और तकनीकी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुसार पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित करने के भी निर्देश दिए गए, ताकि किसी भी असामान्य स्थिति की समय रहते जानकारी मिल सके और प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को पहले से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके। मंत्री ने प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से उत्पन्न परिस्थितियों की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी संभावित आपदा से निपटने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ 24 घंटे सक्रिय रहें। बैठक में प्रदेशभर में वर्षा की स्थिति, नदियों के जलस्तर, बंद सड़कों, भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों, राहत एवं बचाव कार्यों, विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति तथा संचार व्यवस्था की जानकारी ली गई। अधिकारियों को मौसम पूर्वानुमान और संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए गए। मदन कौशिक ने बंद सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द खोलने और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में पर्याप्त मशीनरी पहले से तैनात रखने को कहा।

भारत और उज्बेकिस्तान के रिश्ते अब 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर पर: पीएम मोदी

ताशकंद(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को घोषणा की कि भारत और उज्बेकिस्तान के रिश्तों को अब व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ा दिया गया है। उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च सम्मान 'ओली दराजली दोस्तलिक' ऑर्डर से सम्मानित किए जाने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, 'आपके दूरदर्शी नेतृत्व और भारत के प्रति आपकी मित्रता की भावना की बदौलत हमारे संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। हमारे रिश्ते नई ऊंचाइयों तक पहुंच रहे हैं और इसी का परिणाम है कि अब हमारे संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ा दिया गया है।' प्रधानमंत्री मोदी ने यह सम्मान भारत और उज्बेकिस्तान के बीच सदियों पुरानी दोस्ती और साझा विरासत को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। उन्होंने कहा, 'उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान पाकर मुझे बेहद गर्व महसूस हो रहा है। आपने 'दोस्तलिक' शब्द का इस्तेमाल किया, जिससे भारत के लोग भी बहुत अच्छी तरह परिचित हैं। हमारे देश में शायद ही कोई ऐसा परिवार होगा जहां 'दोस्त' शब्द दिन में कई बार इस्तेमाल न होता हो। और आज आपने सचमुच 'दोस्तलिक' की भावना को जीवंत कर दिया है। 'दोस्तलिक' का मतलब है दोस्ती। यही शब्द भारत और उज्बेकिस्तान के रिश्तों की असली भावना को सबसे बेहतर तरीके से बयान करता है।' उन्होंने कहा, 'यह सम्मान किसी एक व्यक्ति का नहीं है, बल्कि भारत के 140 करोड़ लोगों का सम्मान है। मैं अपने सभी देशवासियों की ओर से उज्बेकिस्तान की जनता, यहां की सरकार और मेरे मित्र, माननीय राष्ट्रपति का दिल से धन्यवाद करता हूं। मैं इस सम्मान को पूरी विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं और इसे हमारे दोनों देशों के बीच सदियों पुरानी दोस्ती और साझा विरासत को समर्पित करता हूं।' उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में उनके योगदान के लिए यह सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत, उज्बेकिस्तान के साथ अपनी मित्रता को हमेशा मजबूत बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान मिलकर ग्लोबल साउथ की एकजुट आवाज बनेंगे। उन्होंने कहा, 'कोई भी सम्मान, सम्मान और गर्व तो देता ही है, लेकिन उसके साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी आती है। आज यह सम्मान स्वीकार करते हुए मैं उस जिम्मेदारी को गहराई से महसूस कर रहा हूं। उज्बेकिस्तान की इस ऐतिहासिक धरती से मैं यहां के लोगों को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि भारत अपनी जिम्मेदारियों से कभी पीछे नहीं हटेगा और इस दोस्ती को हमेशा मजबूती से निभाएगा।' उन्होंने कहा, 'हमारे दोनों देश पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ ग्लोबल साउथ की एकजुट आवाज बनेंगे। हम ग्लोबल साउथ के लोगों के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास करेंगे और पूरी मानवता के बेहतर भविष्य के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।'

धौलपुर में दर्दनाक हादसा: भाई को बचाने कुंड में कूदीं तीन बहनें, चारों की मौत

धौलपुर(एजेंसी)। राजस्थान के धौलपुर जिले के सरमथुरा उपखंड क्षेत्र में रविवार तड़के दर्दनाक हादसे में चार भाई-बहनों की डूबने से मौत हो गई। आंगई थाना क्षेत्र के बिरजा गांव के पास स्थित कुंड में एक युवक नहाते समय गहरे पानी में चला गया। उसे डूबता देख उसकी तीन बहनें बचाने के लिए कुंड में उतर गईं, लेकिन तेज गहराई के कारण चारों पानी में डूब गए। जानकारी के अनुसार, धौलपुर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के नथुआपुरा मोरोली निवासी रवि उर्फ भोलू शनिवार रात परिवार के अन्य सदस्यों के साथ आंगई थाना क्षेत्र के बिरजा गांव के पास स्थित हीरामन बाबा धाम पर आयोजित मेले में शामिल होने गया था। रविवार सुबह करीब छह बजे रवि परिवार के लोगों के साथ पास के कुंड में नहाने गया। इसी दौरान नहाते समय रवि अचानक कुंड के गहरे हिस्से में चला गया और डूबने लगा। भाई को डूबता देख उसकी दो सगी बहनें मनोरमा और बोटो तथा चचेरी बहन कल्लो उसे बचाने के लिए पानी में उतर गईं। हालांकि, तीनों बहनें भी गहरे पानी में फंस गईं और देखते ही देखते चारों डूब गए। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर आंगई थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों की मदद से काफी प्रयास के बाद चारों को कुंड से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। एक साथ चार भाई-बहनों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। हादसे के बाद मेले में भी मातम छा गया। पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसों की दो घटनाओं में पांच लोग घायल

ग्रामीणों ने पकड़ी टक्कर मारने वाली प्राइवेट एंबुलेंस

कोंच (जालौन)– क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसों में दंपत्ति समेत पांच लोग घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम कवारी थाना नदीगांव निवासी रवि यादव अपने साथी सचिन पाल के साथ शनिवार की शाम साइकिल पर सवार होकर खेत पर जा रहे थे। कोंच-नदीगांव सड़क मार्ग पर मोतीलाल के घर के सामने जैसे ही दोनों पहुंचे तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार एक प्राइवेट एंबुलेंस ने दोनों को कुचलकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। हादसे के बाद चालक एंबुलेंस लेकर भागने लगा जिसे ग्रामीणों ने पीछा कर पकड़ लिया। दोनों घायलों को उपचार के लिए कोंच के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि पुलिस ने एम्बुलेंस अपने कब्जे में ले ली। थानाध्यक्ष राजकुमार चौधरी का कहना है कि तहरीर मिलने पर चालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। वहीं दूसरी घटना में मालवीय नगर कोंच निवासी अंजनी अहिरवार ((48) अपनी पत्नि शशि (45) और बुआ रमा देवी (65) के साथ बाइक से शनिवार की रात करीब 9 बजे उरई से वापस कोंच लौट रहे थे। हुल्का देवी मंदिर के निकट पेट्रोल पंप के सामने पीछे से आ रही एक कार ने टक्कर मारकर तीनों को गंभीर रूप से घायल कर दिया।

23 घंटे बाद कुआनो नदी से निकला आदर्श का शव, परिजनों के आरोपों ने बढ़ाई जांच की गंभीरता

सर्च ऑपरेशन में 30 वीं वाहिनी पीएसी के गोताखोरों को मिली सफलता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केगौर थाना क्षेत्र के केकरहवा घाट पर कुआनो नदी में डूबे वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के सुकरौली गांव निवासी 22 वर्षीय आदर्श यादव का शव करीब 23 घंटे बाद शुक्रवार को सर्च ऑपरेशन के दौरान बरामद कर लिया गया। 30वीं वाहिनी पीएसी के गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद नदी से शव को बाहर निकाला। शव मिलने की सूचना पर मौके पर मौजूद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही आदर्श की मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

सुबह लाइब्रेरी जाने के लिए निकला था आदर्श परिजनों के मुताबिक आदर्श यादव गुरुवार की सुबह घर से गणेशपुर स्थित लक्ष्य लाइब्रेरी जाने के लिए निकला था। सुबह करीब 11 बजे उसकी अपने पिता राम विलास यादव से फोन पर बातचीत भी हुई थी। बातचीत के दौरान आदर्श ने पिता को बताया था कि वह लक्ष्य लाइब्रेरी पहुंच गया है। इसके बाद दोपहर में परिजनों को सूचना मिली कि आदर्श कुआनो नदी में डूब गया है।बताया जा रहा है कि इससे पहले आदर्श को वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के सिकटा के पास एक चाय की दुकान पर दो युवकों और एक युवती के साथ देखा गया था। इसके बाद वह वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों के निवासी विकास और विशाल के साथ नदी किनारे पहुंचा था।

नदी किनारे मिला मोबाइल, कपड़ा और जूता आदर्श के नदी में डूबने की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे लोगों को नदी किनारे उसका मोबाइल फोन, कपड़े और जूते मिले। बताया गया कि घटना के बाद विकास और विशाल मौके से चले गए। इसको लेकर मामले में कई सवाल खड़े हो रहे हैं। आदर्श के पिता राम विलास यादव ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर विकास और विशाल पर साजिश के तहत आदर्श को नदी में धक्का देने का आरोप लगाया है। हालांकि, इन आरोपों की पुलिस जांच कर रही है और अभी इनकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

स्थानीय गोताखोरों से लेकर पीएसी तक चला अभियान घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय गोताखोरों और फायर विभाग की टीम ने नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। लगातार तलाश के बावजूद पहले दिन आदर्श का पता नहीं चल सका। शुक्रवार को 30वीं वाहिनी पीएसी के गोताखोरों ने अभियान को आगे बढ़ाया और करीब 23 घंटे बाद नदी से आदर्श का शव बरामद कर लिया। हादसे के बाद से गौर थानाध्यक्ष अतुल कुमार अंजान लगातार घटनास्थल पर मौजूद रहे और सर्च ऑपरेशन की निगरानी करते रहे।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी जांच आदर्श की मौत हादसा है या इसके पीछे कोई साजिश है, यह अब जांच का अहम सवाल बन गया है। परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों के बाद पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह भी स्पष्ट होने में मदद मिलेगी कि आदर्श की मौत डूबने से हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण था। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही घटना की पूरी तस्वीर सामने आने की उम्मीद है।

नाली जाम होने पर बाजार में भरा पानी जन प्रतिनिधि लापरवाह लोगों की बढ़ी मुश्किल

नाली की सफाई न होने से सर्विस रोड पर जलभराव, राहगीरों की बढ़ी परेशानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में अधिकारी एवं जन प्रति निधि की लापरवाही देखने को मिल रहा कप्तानगंज विकासखंड अंतर्गत महराजगंज ओवरब्रिज के बगल स्थित सर्विस रोड पर नाली की नियमित सफाई न होने से बारिश का पानी सड़क पर जमा हो गया है। जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण सर्विस रोड पर जगह-जगह पानी भर गया है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, नालियों में गंदगी और कचरा जमा होने के कारण बारिश का पानी आसानी से बाहर नहीं निकल पा रहा है। ऐसे में थोड़ी सी बारिश के बाद ही सर्विस रोड पर जलभराव की स्थिति बन जा रही है। सड़क पर पानी जमा होने से पैदल गुजरने वाले लोगों को काफी दिक्कत हो रही है, वहीं दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी फिसलन का खतरा बना हुआ है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि सड़क किनारे बनी नालियों की समय से सफाई नहीं होने के कारण जलनिकासी बाधित हो रही है। यदि नालियों की नियमित सफाई कराकर जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त कर दी जाए तो बारिश के दौरान होने वाले जलभराव से काफी हद तक राहत मिल सकती है। महराजगंज ओवरब्रिज के समीप सर्विस रोड पर जलभराव की यह तस्वीर जलनिकासी व्यवस्था की बदहाली को साफ तौर पर बयां कर रही है। जिम्मेदार विभाग की ओर से नालियों की सफाई और जलनिकासी व्यवस्था को लेकर प्रभावी कदम उठाए जाने की जरूरत है, ताकि राहगीरों को आवागमन में परेशानी न उठानी पड़े।

दादा तेजभान सिंह की जन्मजयंती पर गूंजी 'दादा के राम' कथा की भक्तिमय ध्वनि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जामों (अमेठी)। स्वर्गीय दादा तेजभान सिंह, पूर्व विधायक गौरीगंज, की जन्मजयंती के अवसर पर ग्राम अचलपुर, जामों में आयोजित 'दादा के राम' कथा में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा में भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला एवं राज्य मंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने सम्मिलित होकर व्यास पीठ पर विराजमान पूज्य मुकेश आनंद जी महाराज का आशीर्वचन प्राप्त किया। कार्यक्रम में राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, जे. पी. एस. राठौर सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्यजन, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धापूर्वक कथा का श्रवण किया और भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया।कथा के दौरान व्यास पीठ से भगवान श्रीराम के चरित्र, उनके आदर्श, मर्यादा, त्याग, सत्य और लोककल्याण के संदेशों पर प्रकाश डाला गया। भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालु रामभक्ति में लीन नजर आए। आयोजन स्थल पर धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।इस अवसर पर वक्ताओं ने स्वर्गीय दादा तेजभान सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि समाज और क्षेत्र के प्रति उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनकी जन्मजयंती पर आयोजित यह रामकथा उनके विचारों, संस्कारों और जनसेवा की भावना को आगे बढ़ाने का सार्थक प्रयास है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि 'दादा के राम' कथा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा और संस्कारों से जोड़ने का माध्यम है। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का समापन 'सबके राम-हे राम' के भावपूर्ण उद्घोष के साथ हुआ। आयोजन ने क्षेत्र में धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और रामभक्ति का संदेश प्रसारित किया।

नहर में तैरती मिली अर्धनग्न लाश, हत्या कर फेंके जाने की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के रुधौली थाना क्षेत्र के विशुन पुर के पास गुजर रही सरयू नहर खंड-4 में शव मिलने का सिलसिला थमने का नहीं ले रहा नाम रुदौली पुलिस की गश्ती की पोल खुल रही हैं पुलिस सूचना देने पर काफी समय बाद पहुँची आसपास के लोगों में काफी विरोधाभास झेलना पड़ा लापरवाही के कारण घटनाएं आम हो गई हैं पुलिस व्यवस्था पर उठ रहा सवाल लेकिन अभी तक शिनाख्त नही हुआ ताजा मामला रुधौली के पैड़ा गांव के पास नहर में तैरता मिला 30 वर्षीय युवक का शव। स्थानीय लोगों के मुताबिक शव कई दिन पुराना, हालत देखकर हड़कंप बताया जा रहा है कि शव सोनहा क्षेत्र से बहकर रुधौली तक पहुंचा।

बरसात में इसी नहर में पहले भी कई बार मिल चुके हैं संदिग्ध शव।सूचना पुलिस को कई घंटे पहले, फिर भी मौके पर नहीं पहुंची पुलिस। पुलिस की देरी को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश, उठने लगे गंभीर सवाल उठ रहा है पुलिस सिस्टम लापरवाह हो गई जनता कैसे होगा बेड़ा पार पुलिस विभाग रास्ते से भटक गया अर्धनग्न अवस्था में शव मिलने से हत्या की आशंका को देखते हुए। नहर बना अपराधियों का सुरक्षित ठिकाना या हादसों का खामोश गवाह। शव की पहचान और मौत की असली वजह अब पुलिस जांच से होगी साफ। बिशुनपुरवा पुलिस चौकी से नजदीक है जहां तैर रही युवक की लाश। रुधौली पुलिस की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल क्यों नहीं पहुंची पुलिस।

वाल्टरगंज थानाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह को पुलिस लाइन में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के तेज तरार उप नि, सूर्य प्रकाश क्षेत्र के लोगों के दिलों मे अपनी जगह है चुके थे इनकी कार्य शैली की लो ग प्रशंसा करते थे उनका आकस्मिक चले जाना क्षेत्रीय जनता को अपार कष्ट हुआ। लोगों के दिल में बसे हुए थे दिनांक 29.08.2026 को समय करीब 13:00 बजे थानाध्यक्ष वाल्टरगंज, उ0नि0 श्री सूर्य प्रकाश सिंह मय हमराही पानी टंकी के पास आने के उपरांत अपने हमराही व चालक को सिविल लाइन चौकी पर जाकर वहीं रुकने की बात कह कर कचहरी के पास स्थित अपने आवास पर आराम करने की बात कर चले गये। शाम को हमराही और थाने के द्वारा बार-बार फोन करने पर काल नहीं उठाया जा रहा था जिसके संबंध में उनके हमराही द्वारा प्रभारी चौकी सीविल लाइन को बताया गया, जिस पर प्रभारी चौकी सीविल लाइन द्वारा थानाध्यक्ष वाल्टरगंज के साथ रह रहे उ0 नि0 बलराम से बात करके पूछा गया तो उनके द्वारा बताया गया कि वह अभी ड्यूटी से वापस आए तो दरवाजा अंदर से बंद पाए। जिस पर आवाज देकर दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया गया। दरवाजा ना खुलने पर दरवाजा तोड़ा गया तो देखा कि थानाध्यक्ष वाल्टरगंज श्री सूर्य प्रकाश सिंह पीएनओ 882060072 पुत्र स्व0 उमाशंकर सिंह निवासी भीलमपुर छपरा थाना अतरौलिया जनपद आजमगढ़ जी पंखे से फंदा लगाकर लटके हुए हैं। वह दिनांक 15.02.1988 को आरक्षी के पद पर नियुक्त हुए थे, दिनांक 07.09.2008 को हे0 का0 के पद पर एवं दिनांक 11.11.2016 को वरिष्ठ सूचि से उ0नि0 पद पर प्रोन्नत होकर अपनी सेवा दे रहे थे। पुलिस अधीक्षक बस्ती, अपर पुलिस अधीक्षक बस्ती व अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण की उपस्थिति में पुलिस लाइन में दिवंगत उ0नि0 के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इसके उपरांत शोक धुन के बीच उपस्थित अधिकारियों व जवानों द्वारा 'शोक सलामी' दी गई तथा वहाँ मौजूद शोक संतप्त परिजनों से मिलकर उन्हें ढाँढस बँधाया गया और सांत्वना दी गई तथा उनके पार्थिव शरीर को कंधा देकर विदा किया गया।

मिशन शक्ति के तहत बहू-बेटी सम्मेलन आयोजित, महिलाओं को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में व समस्त क्षेत्राधिकारीगण के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण एवं उनकी सुरक्षा एवं जागरूकता हेतु चलाये जा रहे बहू-बेटी सम्मेलन कार्यक्रम के तहत महिला थाना पुलिस द्वारा थाना मुंशीगंज अन्तर्गत ग्राम सरायखेमा में, थाना मुंशीगंज पुलिस द्वारा ग्राम सनहा में, थाना फुरसतगंज पुलिस द्वारा ग्राम सरवन में, थाना कमरौली पुलिस द्वारा ग्राम सोना में, थाना मोहनगंज पुलिस द्वारा ग्राम तिलोई में, थाना रामगंज पुलिस द्वारा ग्राम भागीपुर में थाना गौरीगंज पुलिस द्वारा ग्राम ऐंधी में चौपाल का आयोजन किया गया। सम्मेलन में प्रतिभाग करने वाली महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न प्रकार के महिला संबंधी अपराध, साइबर अपराध तथा उनसे बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। विभिन्न हेल्पलाइन नंबरो जैसे- 1930-साइबर हेल्पलाइन, 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 102 व 108-एम्बुलेंस सेवा,1076- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइन आदि तथा थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र के विषय में विस्तार से जानकारी दी गयी तथा महिला सशक्तिकरण से संबंधित शासन की विभिन्न योजनाओं के विषय में जानकारी देकर जागरूक किया गया। चर्चा के दौरान गुड टच-बैड टच, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध जैसे विषयों पर भी विस्तृत जानकारी देकर उपस्थित महिलाओं/बालिकाओं को पैम्फ्लेट वितरित किये गए।

कार की टक्कर से दंपत्ति समेत नातिन घायल

कोंच (जालौन)– कस्बे में पंचानन के समीप कैलिया बाईपास मोड़ पर रविवार की दोपहर एक सड़क हादसा हो गया। हादसे में बाइक सवार दंपति और उनकी नातिन गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई जिसके बाद घायलों को उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया जहां से दंपत्ति को रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, बड़ी कैलिया निवासी वसीर खां (72) पुत्र गोपाल खां अपनी पत्नी आशा बेगम (66) और नातिन शिफा के साथ बाइक से कोंच आ रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक पंचानन के समीप कैलिया बाईपास मोड़ पर पहुंची, तभी सामने से आ रही एक कार से बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर होने से बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़ी और उस पर सवार उक्त तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा होते ही आसपास मौजूद राहगीरों ने घायलों की मदद की और घटना की सूचना उनके परिजनों को दी। जिसके बाद तीनों घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। गंभीर हालत होने पर दंपत्ति को मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया।

35 जगह मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों में 1705 मरीजों का हुआ उपचार

पीएचसी कौवापुर में सीएमओ ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जिले में रविवार को आयोजित 35 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों में बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित मेलों में कुल 1705 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। इनमें 696 पुरुष, 695 महिलाएं तथा 314 बच्चे शामिल रहे। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले के माध्यम से ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों के लोगों को उनके नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ही जांच, उपचार, दवा एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। स्वास्थ्य मेलों में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने मरीजों की जांच कर आवश्यक उपचार एवं परामर्श दिया।

पीएचसी कौवापुर का सीएमओ ने किया निरीक्षण

इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कौवापुर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, दवा वितरण, जांच व्यवस्था एवं साफ-सफाई का निरीक्षण किया। सीएमओ ने स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देशित किया कि केंद्र पर आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले सरकार की मंशा के अनुरूप लोगों को घर के नजदीक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों से मरीजों के साथ संवेदनशील एवं सहयोगात्मक व्यवहार करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। पीएचसी कौवापुर में स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारु रूप से संचालित कराने में डॉ. पंकज कुमार पाल (मेडिकल ऑफिसर), मायादेवी (स्टाफ नर्स), शीतला प्रसाद (वार्ड बॉय), प्रदीप सोनी (लैब टेक्नीशियन), हिमांशु (वार्ड बॉय), गीता देवी (एएनएम) एवं दिलीप कुमार सहित स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका रही। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

क्षेत्रीय दबंग लेखपाल पर गलत रिपोर्ट लगाकर उच्चाधिकारियों को गुमराह करने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। ताजा मामला भानपुर तहसील के ग्राम सभा तेनुआ असनहरा से सामने आया है, जहां हल्का लेखपाल राम बहादुर यादव पर गलत एवं भ्रामक रिपोर्ट लगाकर उच्चाधिकारियों को गुमराह करने और जनहित से जुड़े मामले में विधि-विरुद्ध कार्रवाई कराने का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित लेखपाल द्वारा पूर्व में किए गए कार्यों की निष्पक्ष जांच नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। मामला ग्राम सभा तेनुआ असनहरा स्थित खलिहान की गाटा संख्या 134 से जुड़ा है। अभिलेखों में करीब 80 एयर भूमि गांव समाज के खाते में दर्ज बताई जा रही है। आरोप है कि उक्त भूमि पर करीब 25 वर्षों से कुछ लोगों का अवैध कब्जा है। कब्जा हटाने के लिए उपजिलाधिकारी भानपुर और जिलाधिकारी बस्ती को 1 जून 2019 को शपथ पत्र के साथ प्रार्थना पत्र दिया गया था। इसके बाद खलिहान की भूमि को खाली कराने का आदेश हुआ। शिकायतकर्ता पक्ष का आरोप है कि कार्रवाई के दौरान तत्कालीन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि वीरेंद्र पुत्र कालीदीन की भूमिका को लेकर भी सवाल उठे। आरोप है कि खलिहान में बने छप्पर और मकान को लेकर विवाद के बाद आगजनी का मुकदमा दर्ज कराया गया, जिसमें तिलकराम निषाद को जेल जाना पड़ा। बाद में एक अन्य मामले में भी विवाद बढ़ा।

ग्रामीणों का आरोप है कि खलिहान की भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में लेखपाल राम बहादुर यादव द्वारा एक कब्जेदार महिला इंद्रावती पत्नी हीरालाल निषाद को अनुसूचित जाति एवं भूमिहीन बताते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसी रिपोर्ट के आधार पर उच्चाधिकारियों से आदेश कराए जाने का आरोप है। ग्रामीणों का कहना है कि इसी प्रक्रिया के तहत अन्य कब्जेदारों के मकानों को हटाया गया, जबकि संबंधित महिला के कब्जे को लेकर अलग रुख अपनाया गया। इस पूरे मामले में लेखपाल की रिपोर्ट और उसके आधार पर हुई प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि रिपोर्ट में तथ्य गलत पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारी और कर्मचारी की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जानी चाहिए।

ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि लेखपाल राम बहादुर यादव के प्रभाव के चलते अब तक मामले में कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। उनका कहना है कि राजस्व अभिलेखों, मौके की स्थिति, पूर्व में दी गई रिपोर्ट और प्रशासनिक आदेशों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके। हालांकि, खबर लिखे जाने तक संबंधित लेखपाल और अन्य आरोपित पक्ष का पक्ष सामने नहीं आ सका है। उनका पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी एवं संबंधित उच्चाधिकारियों से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

अमेठी के सभी बूथों पर कार्यकर्ताओं ने सुनी पीएम मोदी की 'मन की बात'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 137वीं कड़ी का रविवार को अमेठी जनपद के सभी बूथों पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से श्रवण किया। जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला के नेतृत्व में जिले के विभिन्न बूथों पर कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना और उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।जिला महामंत्री विषुभ मिश्रा, जिला मंत्री आशा बाजपेई, जिला प्रवक्ता चंद्र मौली सिंह, जिला उपाध्यक्ष हिंदेश सिंह एवं जिला उपाध्यक्ष प्रभात शुक्ला सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'मन की बात' कार्यक्रम में सहभागिता की। वहीं पूर्व जिला अध्यक्ष दुर्गेश त्रिपाठी एवं दयाशंकर यादव ने भी कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सुना।कार्यक्रम की 137वीं कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नशा मुक्त भारत और महिला सशक्तिकरण सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों को संबोधित किया। उन्होंने युवाओं से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से सकारात्मक और प्रेरणादायी संदेश साझा करने का आह्वान किया।प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तिकरण का उल्लेख करते हुए बताया कि विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से रेहड़ी-पटरी व्यवसाय से जुड़ी महिला उद्यमियों द्वारा अपने कारोबार को आगे बढ़ाने और आय में वृद्धि करने के प्रयासों की सराहना की।'मन की बात' में भारतीय इतिहास को तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी के लिए रोचक एवं आकर्षक बनाने के प्रयासों का भी उल्लेख किया गया। प्रधानमंत्री ने देशवासियों के अभिनव विचारों, नवाचार और सामूहिक सहभागिता को राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति बताया।अगस्त माह में देशभर में चले 'हर घर तिरंगा' अभियान और तिरंगे के प्रति जनभागीदारी का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने देशवासियों के उत्साह की सराहना की। 'सूर्यपथ तिरंगा' की अनोखी यात्रा तथा 8 करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी के माध्यम से सामने आए जन-उत्साह को उन्होंने राष्ट्रप्रेम और एकजुटता का प्रेरक उदाहरण बताया भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों को समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराने के साथ-साथ सकारात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम के पश्चात कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को बूथ स्तर तक पहुंचाने तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े अभियानों में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

एआई वाइस बॉट से मरीजों का फीडबैक लेगी योगी सरकार, स्वास्थ्य सेवाओं में होगा सुधार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए योगी सरकार तकनीक और नवाचार का इस्तेमाल बढ़ा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नोडल स्टेट हेल्थ एजेंसी 'साचीज' द्वारा एआई आधारित वाइस बॉट विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से आयुष्मान कार्डधारक मरीजों और उनके तीमारदारों से फोन पर सीधे इलाज और अस्पताल में मिले अनुभव का फीडबैक लिया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि एआई वाइस बॉट का उद्देश्य केवल मरीजों की राय लेना नहीं, बल्कि प्राप्त प्रतिक्रियाओं का तकनीकी विश्लेषण कर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए जरूरी कदम उठाना है। इसके जरिए अस्पतालों की निगरानी, शिकायतों के निस्तारण, ऑडिट और उपचार की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। वाइस बॉट के माध्यम से इलाज करा चुके मरीजों से फोन पर पूछा जाएगा कि उन्हें आयुष्मान योजना के तहत उपचार मिला या नहीं। इलाज के दौरान किसी प्रकार की परेशानी हुई या नहीं, अस्पताल में उपलब्ध सुविधाएं कैसी थीं और चिकित्सकों व कर्मचारियों का व्यवहार कैसा रहा, इसकी भी जानकारी ली जाएगी इसके अलावा मरीजों से यह भी पूछा जाएगा कि आयुष्मान योजना के तहत उपचार के बदले उनसे या उनके परिवार से कोई अनधिकृत शुल्क तो नहीं लिया गया। उपचार के बाद मरीज कितना संतुष्ट है, इसकी जानकारी भी फीडबैक के माध्यम से जुटाई जाएगी। इससे मरीजों की समस्याएं और उनका वास्तविक अनुभव सीधे स्वास्थ्य विभाग तक पहुंच सकेगा। साचीज की मुख्य कार्यकारी अधिकारी अर्चना वर्मा ने बताया कि एआई आधारित व्यवस्था के जरिए बड़ी संख्या में मरीजों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं का व्यवस्थित विश्लेषण किया जा सकेगा। यदि किसी मरीज द्वारा इलाज न मिलने, अनधिकृत शुल्क वसूले जाने, खराब व्यवहार या अन्य किसी समस्या की जानकारी दी जाती है, तो ऐसे मामलों को संबंधित टीमों तक पहुंचाकर आवश्यक कार्रवाई की जा सकेगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल सीमित संख्या में मरीजों से मैनुअल फोन कॉल के जरिए फीडबैक लिया जाता है, जिसमें अधिक समय और मानव संसाधन की आवश्यकता होती है। एआई वाइस बॉट के जरिए बड़ी संख्या में मरीजों तक पहुंचकर कम समय में अधिक फीडबैक जुटाया जा सकेगा। प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से अस्पतालों की कमियों की पहचान कर स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार किए जा सकेंगे।

उपमुयमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि एआई वाइस बॉट का उद्देश्य केवल मरीजों की राय लेना नहीं, बल्कि प्राप्त प्रतिक्रियाओं का तकनीकी विश्लेषण कर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए जरूरी कदम उठाना है। इसके जरिए अस्पतालों की निगरानी, शिकायतों के निस्तारण, ऑडिट और उपचार की गुणवाा को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। वाइस बॉट के माध्यम से इलाज करा चुके मरीजों से फोन पर पूछा जाएगा कि उन्हें आयुष्मान योजना के तहत उपचार मिला या नहीं। इलाज के दौरान किसी प्रकार की परेशानी हुई या नहीं, अस्पताल में उपलध सुविधाएं कैसी थीं और चिकित्सकों व कर्मचारियों का व्यवहार कैसा रहा, इसकी भी जानकारी ली जाएगी इसके अलावा मरीजों से यह भी पूछा जाएगा कि आयुष्मान योजना के तहत उपचार के बदले उनसे या उनके परिवार से कोई अनधिकृत शुल्क तो नहीं लिया गया। उपचार के बाद मरीज कितना संतुष्ट है, इसकी जानकारी भी फीडबैक के माध्यम से जुटाई जाएगी।

12 सितंबर को होगी राष्ट्रीय लोक अदालत, सुलह-समझौते से निस्तारित होंगे वाद

लहरपुर सीतापुर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर के अध्यक्ष/जनपद न्यायाधीश आशीष जैन के आदेशानुसार एवं सचिव अलोक यादव के निर्देशन मे 12 सितंबर 2026, शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में कोतवाली लहरपुर में पीएलवी रहमत अंसारी ने उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के उद्देश्य एवं लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय परिसर के साथ-साथ जनपद के समस्त बाह्य न्यायालयों एवं तहसील स्तर पर भी किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के मामले, बैंक वसूली, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, पारिवारिक एवं श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, विद्युत एवं जल बिल, राजस्व, किराया, सुखाधिकार, विशिष्ट अनुतोष तथा बैंकों के प्री-लिटिगेशन मामलों सहित विभिन्न सुलह योग्य मामलों का निस्तारण आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर किया जाएगा। पीएलवी रहमत अंसारी ने आम जनमानस एवं वादकारियों से अपील की कि वे अपने सुलह योग्य मामलों को संबंधित न्यायालय में प्रार्थना पत्र के माध्यम से प्रस्तुत कर राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाएं।

ज्वेलर्स से लाइसेंसी रिवाल्वर, चेन व मोबाइल लूट में नाबालिग गिरफ्तार

.........मामले में चार आरोपी पहले ही जा चुके हैं जेल, तकनीकी व मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने पकड़ा 17 वर्षीय किशोर।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कस्बे में एक होटल में आयोजित समारोह में शामिल होने गए ज्वेलर्स से लाइसेंसी रिवाल्वर, मोबाइल फोन और गले की चेन लूटने के मामले में फरार चल रहे 17 वर्षीय नाबालिग को मोहनलालगंज पुलिस ने रविवार को पकड़ लिया। पुलिस ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के साथ स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से नाबालिग को हिरासत में लिया है। मामले में पुलिस पहले ही चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज चुकी है। पुलिस के मुताबिक, बीते सात अप्रैल को ज्वेलर्स हेमंत कुमार सोनी ने मोहनलालगंज थाने में तहरीर देकर बताया था कि एक समारोह में शामिल होने के दौरान उनकी लाइसेंसी रिवाल्वर, मोबाइल फोन और गले की चेन लूट ली गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने रवि सिंह उर्फ विक्की सिंह, आर्यन सिंह, विशेष त्रिवेदी उर्फ राज पंडित और निखिल सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया था। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में रविवार को मोहनलालगंज पुलिस टीम ने तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से फरार चल रहे 17 वर्षीय नाबालिग को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, नाबालिग के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

क्राइम

घर से निकलीं युवतियां अचानक गायब, पुलिस महकमे में हड़कंप

- रहस्य के साये में लापता हुई चार किशोरियां
- दो सगी बहनों समेत चार लड़कियों के संदिग्ध हालात में लापता होने से मचा कोहराम
- सीसीटीवी और सर्विलांस के सहारे तलाश में जुटी पुलिस की कई टीमें

लापता किशोरियों की तलाश के लिए पुलिस की कई विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं। आसपास के क्षेत्रों व तकनीकी साक्ष्यों की मदद से लगातार छानबीन की जा रही है, और जल्द ही सभी युवतियों को सकुशल बरामद कर लिया जाएगा। वेद प्रकाश श्रीवास्तव, सीओ महमूदाबाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। कोतवाली इलाके के रेवान गांव से दो सगी बहनों सहित चार किशोरियों और युवतियों के संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक लापता हो जाने का मामला सामने आया है। लापता होने वाली लड़कियों में शन्नो (22), सीमा (14), राबिया (15) और सईमा (16) शामिल हैं। शुरुआती छानबीन और सीसीटीवी फुटेजों को खंगालने पर पता चला है कि ये सभी बस में सवार होकर कहीं बाहर निकली हैं और इस दौरान रामपुर मथुरा इलाके का एक युवक भी पुलिस के रडार पर आया है। परिवारों द्वारा घंटों की गई मश्क्कत के बाद जब उनका कोई सुराग नहीं लगा, तो परिजनों ने स्थानीय कोतवाली में तहरीर दी जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। आर्थिक तंगी के चलते काम की तलाश या अन्य किसी एंगल को ध्यान में रखते हुए पुलिस की टीमें पड़ोसी जनपदों के साथ-साथ गैर प्रांतों में भी दबिश दे रही हैं और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से उनकी तलाश में जुटी हैं। हलांकि सूत्रों के मुताबिक 4 में से दो बच्चियां वापस आ गयी है, बच्चियां वापस कैसे आई, समाचार लिखे जाने तक जानकारी नही मिल पाई है।

दरगाह बड़े मखदूम साहब में दूसरे दिन हुए कार्यक्रम

बड़े मखदूम साहब के जीवन को समझने के लिए दिल कीट आंखों को खोलना होगा:- मुफ़्ती किताबुद्दीन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर। स्थानीय दरगाह आलिया सादिया हजरत बड़े मखदूम साहब में तीन दिवसीय 526 वें उर्स के दूसरे दिन रात में एक जलसे को संबोधित करते हुए मदरसा जामिया आरिफिया सैय्यद सरावा इलाहाबाद से आए मौलाना मुफ़्ती किताबुद्दीन ने अपने संबोधन में कहा कि हमें अपने बुजुर्गों की तालीमात पर अमल करना चाहिए हजरत बड़े मखदूम साहब की जिंदगी को देखें और पढ़ें कि अल्लाह और उसके रसूल को किस दर्जे तक चाहा था जो आज उन्हें यह स्थान प्राप्त है। श्री किताबुद्दीन ने आगे कहा कि बड़े मखदूम साहब की जिंदगी को समझने के लिए दिल की आंखों को खोलना होगा और उनसे जुड़े हुए लोगों से सच्ची मोहब्बत करके उनके हालात को जानना होगा अल्लाह ने नबियों और रसूलों को दुनिया में भेजा कि मेरे पैगाम को आम करो, नबियों के बाद औलिया अल्लाह ने इस काम को अंजाम देने के लिए अपनी पूरी जिंदगी उसी में लगा दी। जलसे की अध्यक्षता सज्जादा नशीन शोएब मियां ने की तथा विशेष रूप से जामिया आरिफिया के सरपरस्त मौलाना शेख अबू मोहम्मद एहसान उल्लाह सफ़वी मौजूद थे, संचालन का कार्य कारी हसन साकिब उस्मानी ने किया तथा जलसे का शुभारंभ सज्जादा नशीन के छोटे सुपुत्र हाफिज अरसलान हसनी ने तिलावत कुरान पाक से किया।इसके बाद दरगाह हजरत छोटे मखदूम साहब से गागर शरीफ सज्जादा नशीन शोएब मियां,सैय्यद मदनी मियां, सैय्यद शोएब बकाई की मौजूदगी में उठाया गया, गागर का रास्ते में कई जगहों पर स्वागत भी किया गया इसी क्रम में हजरत मखदूम बंदगी शाह के आस्ताने पर चादर पोशी दरगाह मतवल्ली इकराम हुसैन की सरपरस्ती में की गई। इसके बाद पूरी रात कव्वाली हुई।इस मौक़े पर सज्जादा नशीन शोएब मियां, सैय्यद तरीक अहमद किरमानी, मौलाना हुसैन सईदी,मौलाना हसन सईदी सैय्यद सरावां इलाहाबाद,सैय्यद लईक अहमद किरमानी, सैय्यद मोईन अलवी सैय्यद हिलाल मुजीबी, सैय्यद लारैब अलवी, डॉक्टर कामिल सिद्दीकी, जावेद मुस्तफ़ा टीटू खान,हाजी सैय्यद इश्तियाक अली वारसीआदि मौजूद रहे।

गरीबी और संघर्षों को पीछे छोड़ बसन्त कुमार कनौजिया ने हासिल की डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) की उपाधि

हरदोई के छोटे से गांव से निकलकर बाबासाहेब भीमराव अबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय तक का सफर, परिवार की पहली पीढ़ी ने हासिल की उच्च शिक्षा की यह उपलधि।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

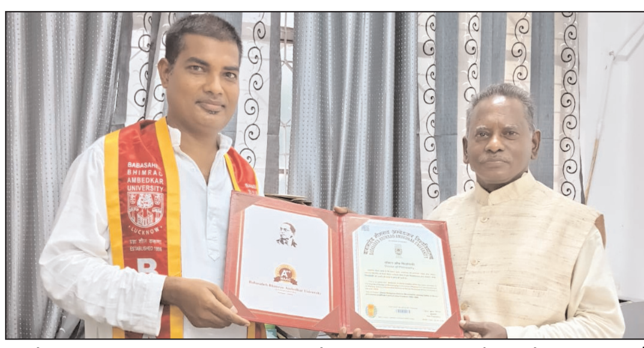

हरदोई। कठिन आर्थिक परिस्थितियों, संघर्ष और सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ते हुए हरदोई जिले के मूल निवासी बसन्त कुमार कनौजिया ने बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (Ph.D.) की उपाधि प्राप्त कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बसन्त कुमार कनौजिया मूल रूप से ग्राम करवा, पोस्ट मल्लावां, जनपद हरदोई के निवासी हैं। अत्यंत साधारण और आर्थिक रूप से कमजोर पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाले बसन्त ने शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ अपने अध्ययन का खर्च निकालने के लिए कम उम्र से ही संघर्ष किया। उन्होंने कक्षा 10 से ही ट्यूशन पढ़ाना शुरू कर दिया था और अध्यापन के माध्यम से अपनी पढ़ाई जारी रखी। लगातार मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से इतिहास विषय में परास्नातक (रू.), बी.एड. तथा इतिहास में एम.फिल. की शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद इसी विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग से पीएच.डी. का शोध कार्य पूरा किया। उनका शोध विषय '1900-1980' रहा, जिसमें उत्तर प्रदेश में दलित समाज के सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों के ऐतिहासिक विकास का अध्ययन किया गया है। 29 अगस्त 2026 को बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में उन्हें इतिहास विषय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (Ph.D.) की उपाधि प्रदान की गई। बसन्त कुमार कनौजिया के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि वे अपने परिवार की पहली पीढ़ी के ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने उच्च शिक्षा के इस मुकाम तक पहुंचकर पीएच.डी. की उपाधि हासिल की है। उनका कहना है कि यह सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उन विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा है जो सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन को बेहतर बनाने का सपना देखते हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, शिक्षकों, शोध निर्देशक प्रो. वी.एम. रवि कुमार, विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों तथा उन सभी मित्रों, वरिष्ठजनों और शुभचिंतकों को दिया, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में उनका मनोबल बढ़ाया और निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बसन्त कुमार कनौजिया का कहना है कि, 'संघर्षों ने मुझे रोकने के बजाय और मजबूत बनाया। शिक्षा मेरे लिए केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को समझने और सामाजिक न्याय के लिए कार्य करने का माध्यम है।' पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त करने के बाद उन्होंने बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों, सामाजिक न्याय, शिक्षा और वंचित समाज के इतिहास के अध्ययन एवं लेखन को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया है।

आरएसएस प्रमुख के बयान पर भारतीय जन समाज पार्टी का हमला, श्वेत पत्र की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजमोहन सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के न्यूयॉर्क में दिए गए बयान को लेकर केंद्र सरकार और आरएसएस पर निशाना साधा है। रविवार को जारी बयान में उन्होंने आरोप लगाया कि विदेश में संविधान की भाषा बोलना और देश में हिंदू राष्ट्र की विचारधारा को आगे बढ़ाना आरएसएस का दोहरा चरित्र दर्शाता है। बृजमोहन सिंह ने कहा कि भारतीय जन समाज पार्टी संविधान को देश की सर्वोच्च व्यवस्था मानती है। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों से है तथा किसी भी संगठन की विचारधारा को संविधान से ऊपर नहीं रखा जा सकता। उन्होंने आरएसएस से संविधान में निहित धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी स्पष्ट प्रतिबद्धता सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्म के नाम पर समाज को बांटने की राजनीति देश के हित में नहीं है। सिंह ने कहा कि देश संविधान के अनुसार चलेगा और सभी नागरिकों के अधिकारों एवं समानता की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

आरएसएस की संपत्ति और फंडिंग पर श्वेत पत्र की मांग

भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आरएसएस की वैधानिक स्थिति, संपत्तियों और वित्तीय स्रोतों को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने केंद्र सरकार से आरएसएस की संपत्ति और फंडिंग से संबंधित जानकारी सार्वजनिक करने के लिए श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि संगठन की वित्तीय गतिविधियों और संपत्तियों को लेकर पारदर्शिता होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) से जांच कराने की मांग भी रखी।

देशभर में आंदोलन की चेतावनी

बृजमोहन सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी आरएसएस प्रमुख के बयान के विरोध में देशभर में अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी सड़क से लेकर संसद तक अपनी आवाज उठाएगी और राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराएगी।

उन्होंने कहा कि भारत किसी एक संगठन की जागीर नहीं, बल्कि देश के सभी नागरिकों का है। भारतीय जन समाज पार्टी ने संविधान की सर्वोच्चता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखने की बात कही।

बहू-बेटियों को सुरक्षा और अधिकारों के प्रति किया जागरूक, हिंसा पर चुप्पी न साधने की दी सीख

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देशन में रविवार को मिशन शक्ति केंद्र मोहनलालगंज की टीम ने 'बहू-बेटी सम्मेलन' अभियान के तहत थाना क्षेत्र के दीवानगंज गांव में चौपाल लगाकर महिलाओं और बहू-बेटियों को उनकी सुरक्षा, अधिकारों एवं महिला अपराधों की रोकथाम के प्रति जागरूक किया। चौपाल के दौरान महिलाओं को घरेलू हिंसा, शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना तथा दहेज उत्पीड़न जैसी परिस्थितियों में आत्महत्या जैसा कदम न उठाने की सीख दी गई। विपरीत परिस्थितियों में मानसिक रूप से मजबूत रहते हुए कानून का सहारा लेने और समय रहते पुलिस से मदद लेने के लिए प्रेरित किया गया । वहीं अविवाहित युवतियों और पढ़ने वाली छात्राओं से संवाद स्थापित कर उन्हें जल्दबाजी में कोई निर्णय न लेने तथा अपने भविष्य को लेकर सोच-समझकर कदम उठाने के लिए जागरूक किया गया। मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को बताया कि किसी भी प्रकार की हिंसा या प्रताड़ना को सहन करने के बजाय तत्काल पुलिस एवं संबंधित हेल्पलाइन की मदद लें। टीम ने महिला अपराधों की रोकथाम और आपात स्थिति में सहायता के लिए संचालित हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 1076, 112, 1930, 101, 102 एवं 108 की जानकारी दी। इस दौरान महिलाओं को जागरूकता संबंधी पंपलेट भी वितरित किए गए। साथ ही मिशन शक्ति केंद्र के सीयूजी नंबर की जानकारी देकर जरूरत पड़ने पर पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। चौपाल के माध्यम से महिलाओं और बेटियों में सुरक्षा के प्रति विश्वास पैदा करने के साथ ही उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी विपरीत परिस्थिति में बिना डर कानून व पुलिस की मदद लेने का संदेश दिया गया।

पुरहिया की बेटी शांभवी दीक्षित ने बढ़ाया गांव का मान, बीबीएयू से मिला गोल्ड मेडल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां /लखनऊ। निगोहां क्षेत्र के पुरहिया गांव की होनहार बेटी शांभवी दीक्षित ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर पूरे गांव और क्षेत्र का मान बढ़ाया है। समाजशास्त्र विभाग में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए शांभवी को वर्ष 2026 का गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। शनिवार को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। पुरहिया गांव निवासी पंकज दीक्षित 'अरविंद' की बेटी शांभवी शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं। उनकी माता रीता दीक्षित गृहिणी हैं। साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाली शांभवी ने सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षा के प्रति अपनी लगन और निरंतर मेहनत को सफलता का आधार बनाया। शांभवी ने इंटरमीडिएट की परीक्षा में भी 82 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। इसके बाद उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए समाजशास्त्र विषय का चयन किया और विश्वविद्यालय में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया। समाजशास्त्र विभाग में उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के आधार पर विश्वविद्यालय की ओर से उनका चयन वर्ष 2026 के गोल्ड मेडल के लिए किया गया। शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में जब शांभवी को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया तो परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। माता-पिता ने बेटी की इस उपलब्धि को अपने जीवन का गौरवपूर्ण क्षण बताया। परिजनों का कहना है कि शांभवी ने अपनी मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति से साबित कर दिया कि लगन के साथ कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। शांभवी को गोल्ड मेडल मिलने की खबर जैसे ही पुरहिया गांव और आसपास के क्षेत्र में पहुंची, लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने शांभवी व उनके परिवार को बधाई दी। लोगों ने कहा कि गांव की बेटी ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शानदार उपलब्धि हासिल कर पुरहिया गांव और पूरे निगोहां क्षेत्र का नाम रोशन किया है। ग्रामीणों का कहना है कि शांभवी की सफलता क्षेत्र की अन्य बेटियों और विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है। उन्होंने यह संदेश दिया है कि ग्रामीण परिवेश और सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत, अनुशासन और शिक्षा के प्रति समर्पण से बड़ी से बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। शांभवी की इस सफलता से जहां पुरहिया गांव गौरवान्वित है, वहीं परिवार में जश्न का माहौल बना हुआ है।

संपादकीय

असली घटनाओं पर पर्दा और फर्जी मुकदमों की बाढ़: थाने कब बनेंगे न्याय के केंद्र?

राजीव शुक्ला -(संपादक)

कानून-व्यवस्था किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद होती है। आम नागरिक जब किसी अपराध, विवाद या अन्याय का शिकार होता है तो उसकी पहली उम्मीद पुलिस और थाने से होती है। थाना उसके लिए न्याय की पहली चौखट होना चाहिए। लेकिन जब इसी चौखट पर शिकायत दर्ज कराने से लेकर कार्रवाई तक सवाल खड़े होने लगें, तो आम आदमी के मन में व्यवस्था के प्रति भरोसा कमजोर पड़ने लगता है। आज सबसे गंभीर सवाल यह है कि क्या वास्तविक घटनाओं की निष्पक्ष जांच के बजाय कई बार मुकदमों की संख्या और कागजी कार्रवाई को ही सफलता का पैमाना माना जाने लगा है? यदि किसी निर्दोष व्यक्ति को दबाव, विवाद, राजनीतिक प्रभाव या निजी रंजिश के चलते मुकदमे में घसीट दिया जाए और दूसरी ओर वास्तविक घटना पर प्रभावी कार्रवाई न हो, तो यह केवल एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं, बल्कि कानून के शासन की मूल भावना पर चोट है। कई मामलों में शिकायतकर्ता की सबसे बड़ी परेशानी यह होती है कि उसकी बात सुनी ही नहीं जाती या उसकी शिकायत को गंभीरता से लेने में टालमटोल होती है। दूसरी ओर प्रभावशाली व्यक्ति अपनी पहुंच और दबाव के माध्यम से घटनाक्रम को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश करता है। यदि पुलिस की प्रारंभिक जांच निष्पक्ष न हो तो वास्तविक घटना धीरे-धीरे पीछे छूट जाती है और कागजों में एक दूसरी कहानी तैयार हो जाती है। यही स्थिति आगे चलकर विवाद को और जटिल बनाती है। पुलिस के पास जांच, साक्ष्य जुटाने और दोनों पक्षों को सुनने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसलिए किसी भी मामले में केवल शिकायत के आधार पर व्यक्ति को दोषी मान लेना या प्रभावशाली पक्ष के दबाव में कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं हो सकता। किसी निर्दोष व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज होना अपने आप में एक बड़ी परेशानी है। अदालतों के चक्कर, तारीखें, वकील की फीस, सामाजिक बदनामी और मानसिक तनाव–इन सबका बोझ उस व्यक्ति और उसके परिवार को उठाना पड़ता है। मुकदमा अंततः झूठा साबित हो जाए, तब भी वर्षों का समय वापस नहीं आता। यही कारण है कि झूठे और दुर्भावनापूर्ण मुकदमों की समस्या को केवल कानूनी विवाद मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। किसी पर मुकदमा लगाना आसान और उसे झेलना कठिन हो जाए, तो व्यवस्था में संतुलन की आवश्यकता स्पष्ट दिखाई देती है। थाने में भ्रष्टाचार की शिकायतें क्यों उठती हैं? पुलिस व्यवस्था में भ्रष्टाचार का सवाल नया नहीं है। रिश्वत, सिफारिश, राजनीतिक दबाव और प्रभावशाली लोगों के हस्तक्षेप जैसी शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। हालांकि हर पुलिसकर्मी को भ्रष्ट कहना भी उचित नहीं होगा। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी कठिन परिस्थितियों में ईमानदारी से काम करते हैं। लेकिन जहां शिकायतों पर कार्रवाई पैसे या पहुंच से प्रभावित होने लगे, वहां जनता का भरोसा टूटता है। थाने को किसी व्यक्ति की आर्थिक या राजनीतिक हैसियत देखकर नहीं, बल्कि कानून और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर काम करना चाहिए। कानून की नजर में गरीब और प्रभावशाली के बीच अंतर दिखाई देने लगे तो कानून का राज कमजोर पड़ता है। किसी मामले में एफआईआर दर्ज होना ही न्याय नहीं है और न ही किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी जांच की अंतिम सफलता। असली परीक्षा निष्पक्ष जांच की है। घटना के साक्ष्य जुटाना, गवाहों के बयान दर्ज करना, सीसीटीवी और डिजिटल प्रमाणों की जांच करना, दोनों पक्षों की बात सुनना और तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष तक पहुंचना–यही पुलिस जांच की वास्तविक कसौटी होनी चाहिए। यदि जांच मजबूत होगी तो झूठे मुकदमों की गुंजाइश कम होगी और वास्तविक अपराधियों तक पहुंचना आसान होगा। राजनीतिक और सामाजिक दबाव से मुक्त पुलिस जरूरी है। पुलिस पर राजनीतिक या सामाजिक दबाव की चर्चा अक्सर होती है। लोकतंत्र में निर्वाचित सरकार और प्रशासन के बीच समन्वय जरूरी है, लेकिन कानून लागू करने वाली संस्था की निष्पक्षता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि पुलिसकर्मी को यह डर हो कि किसी प्रभावशाली व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई करने पर उसका तबादला या विभागीय परेशानी हो सकती है, तो स्वतंत्र जांच प्रभावित हो सकती है। इसलिए पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और पेशेवर स्वतंत्रता को मजबूत करना समय की मांग है। सुधार की शुरुआत थाने से होनी चाहिए थाने में शिकायत की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी हो। शिकायतकर्ता को उसकी शिकायत की स्थिति की जानकारी मिले। जांच की निगरानी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की प्रभावी व्यवस्था हो। झूठी शिकायत या दुर्भावनापूर्ण मुकदमे के मामलों में भी कानून के अनुसार जिम्मेदारी तय हो। साथ ही पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण में कानूनी अधिकारों, मानवाधिकारों, डिजिटल साक्ष्यों और निष्पक्ष जांच पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए। तकनीक का इस्तेमाल भी पारदर्शिता बढ़ाने में किया जा सकता है। शिकायतों और जांच की डिजिटल ट्रैकिंग, सीसीटीवी की निगरानी और रिकॉर्ड की सुरक्षित व्यवस्था भ्रष्टाचार तथा मनमानी की संभावनाओं को कम कर सकती है। जनता का भरोसा ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है पुलिस और जनता के बीच संबंध केवल कानून लागू करने वाले और कानून मानने वाले का नहीं होना चाहिए। पुलिस जनता की सुरक्षा के लिए है और जनता का विश्वास उसकी सबसे बड़ी ताकत है। जब कोई पीड़ित थाने पहुंचे तो उसे यह भरोसा होना चाहिए कि उसकी बात सुनी जाएगी। उसे यह डर नहीं होना चाहिए कि उसकी शिकायत के बजाय उसी के खिलाफ कोई मामला खड़ा कर दिया जाएगा। लोकतंत्र में कानून का अर्थ केवल अपराधी को सजा देना नहीं, बल्कि निर्दोष की रक्षा करना भी है।

मेष राशि: आज कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी से बचना आपके लिए बेहतर रहेगा। किसी पुराने काम को पूरा करने का अवसर मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

वृषभ राशि: आज मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारी बढ़ सकती है। व्यापारियों को रुका हुआ भुगतान मिलने से राहत मिल सकती है। निवेश से जुड़े फैसलों में धैर्य रखें।

मिथुन राशि: आज आपके लिए सक्रियता और सकारात्मक सोच का दिन है। कार्यस्थल पर नए विचारों को महत्व मिल सकता है। किसी वरिष्ठ व्यक्ति की सलाह आपके काम आ सकती है।

कर्क राशि: आर्थिक दृष्टि से दिन आपके पक्ष में रह सकता है। नौकरी या व्यापार में कोई अच्छा अवसर मिल सकता है। पुराने निवेश से लाभ की संभावना है। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और घर का वातावरण सुखद रहेगा।

सिंह राशि: आज आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करने का अवसर मिल सकता है। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। अधिकारियों के सामने अपनी बात स्पष्ट रूप से रखें।

कन्या राशि: आज आपको अपने काम की प्राथमिकताएं तय करके आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्षेत्र में पुराने कामों को पूरा करने पर जोर रहेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी जरूरी है और गैरजरूरी खरीदारी से बचें।

तुला राशि: आज पुराने लंबित कार्यों में प्रगति हो सकती है। नौकरी में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार में किसी नए ग्राहक या संपर्क से लाभ हो सकता है।

वृश्चिक राशि: आज व्यावहारिक सोच के साथ लिए गए निर्णय लाभकारी रहेंगे। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी से बचें। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में लाभ के साथ कुछ अतिरिक्त खर्च भी सामने आ सकते हैं।

धनु राशि: आज भावनाओं में बहकर कोई बड़ा निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में मेहनत का परिणाम धीरे-धीरे मिलेगा। व्यापारियों को किसी पुराने सौदे से लाभ हो सकता है। आर्थिक मामलों में जोखिम लेने से बचें।

मकर राशि: आज आर्थिक रूप से दिन मजबूत रह सकता है। नौकरी और व्यापार में सफलता के अवसर मिलेंगे। रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। अधिकारियों से संबंध अच्छे होंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कुंभ राशि: आज आपके सामने कई अवसर आ सकते हैं, लेकिन सभी को एक साथ अपनाने के बजाय प्राथमिकता तय करें। नौकरी में बदलाव या नई जिम्मेदारी को लेकर विचार हो सकता है। व्यापार में लाभ के लिए नई रणनीति बनानी पड़ेगी।

मीन राशि: आज चंद्रमा की स्थिति के कारण भावनात्मक संवेदनशीलता बढ़ सकती है। कार्यक्षेत्र में पुराने अधूरे काम पूरे करने पर ध्यान दें। नौकरी में धैर्य से काम लेने पर सफलता मिलेगी।

प्रदेश के सहकारिता क्षेत्र से कृषकों की जरूरत के अनुरूप मिल रहा है उर्वरक

लखनऊ: उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का आधार कृषि है। प्रदेश के करोड़ों किसान अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर हैं और कृषि उत्पादन को बेहतर बनाने में समय पर गुणवत्तापूर्ण कृषि निवेश की उपलब्धता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बीज, सिंचाई और कृषि यंत्रों के साथ रासायनिक उर्वरक भी फसल उत्पादन की आवश्यक जरूरतें है। ऐसे में किसानों को उनकी आवश्यकता के समय पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराना कृषि व्यवस्था की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल है। विशेष रूप से बुवाई और फसल की विभिन्न अवस्थाओं में उर्वरक की मांग बढ़ जाती है। यदि उस समय पर्याप्त उपलब्धता न हो तो किसानों को कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सहकारिता क्षेत्र के माध्यम से रासायनिक उर्वरकों के अग्रिम भण्डारण और समयबद्ध वितरण की व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में वर्ष 2026-27 में सहकारिता क्षेत्र में रासायनिक उर्वरकों की अग्रिम भण्डारण योजना के लिए 15,000 लाख रुपये का बजट प्राविधान किया गया है। प्रदेश सरकार किसानों को कृषि सीजन के दौरान उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अग्रिम स्तर पर तैयारी को महत्व दे रही है। अग्रिम भण्डारण का मूल उद्देश्य यही है कि किसान को उर्वरक की आवश्यकता उस समय हो, जब वह खेत में फसल की तैयारी और उत्पादन से जुड़े कार्य कर रहा हो, और उसी समय सहकारी व्यवस्था के माध्यम से आवश्यक उर्वरक उपलब्ध कराया जा सके।

कृषि में समय का विशेष महत्व होता है। किसान के लिए बुवाई का समय निकल जाने के बाद उपलब्ध संसाधन भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाते। इसी प्रकार फसल की वृद्धि के विभिन्न चरणों में भी उर्वरक की आवश्यकता होती है। इसलिए उर्वरक की उपलब्धता केवल कुल मात्रा से नहीं, बल्कि उसके सही समय और सही स्थान पर उपलब्ध होने से जुड़ी है। सहकारी क्षेत्र में अग्रिम भण्डारण की व्यवस्था इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर कृषि इनपुट की आपूर्ति को पहले से व्यवस्थित करने का माध्यम बनती है।

वर्ष 2026 में निर्धारित 20.45 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य के सापेक्ष 30 जून 2026 तक 14.20 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जा चुकी

है। यह उपलब्धता निर्धारित लक्ष्य की दिशा में हुई प्रगति को दर्शाती है। कृषि सीजन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पहले से उर्वरक की व्यवस्था किए जाने से सहकारी वितरण तंत्र को भी आवश्यक सामग्री उपलब्ध रहती है। इससे किसानों तक उर्वरक पहुंचाने की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने में सहायता मिलती है।

> **रासायनिक उर्वरकों की अग्रिम भण्डारण योजना**
>
> **प्रदेश के मुयमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में वर्ष 2026-27 में सहकारिता क्षेत्र में रासायनिक उर्वरकों की अग्रिम भण्डारण योजना के लिए 15,000 लाख रुपये का बजट प्राविधान किया गया है। प्रदेश सरकार किसानों को कृषि सीजन के दौरान उर्वरक की उपलधता सुनिश्चित करने के लिए अग्रिम स्तर पर तैयारी को महत्व दे रही है।**

सहकारिता क्षेत्र की विशेषता यह है कि इसकी संस्थाएं ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के निकट कार्य करती हैं। यही स्थानीय पहुंच उर्वरक वितरण व्यवस्था को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब उर्वरक का अग्रिम भण्डारण किया जाता है, तो उसे आवश्यकता के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचाने की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित ढंग से संचालित की जा सकती है। इससे किसान को अपने क्षेत्र में ही कृषि कार्य के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध होने की संभावना बढ़ती है। उर्वरक भण्डारण की व्यवस्था कृषि आपूर्ति श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उत्पादन केंद्रों और किसानों के बीच कई स्तरों पर सामग्री के परिवहन, भण्डारण और वितरण की आवश्यकता होती है। इस पूरी प्रक्रिया में यदि किसी स्तर पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध न हो तो इसका असर अंतिम रूप से किसान पर पड़ सकता है। इसलिए सहकारी क्षेत्र में अग्रिम भण्डारण का उद्देश्य आपूर्ति व्यवस्था में निरंतरता बनाए रखना भी है।

किसानों की जरूरत के अनुरूप उर्वरक उपलब्ध कराने में भण्डारण के साथ-साथ वितरण व्यवस्था भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भण्डार में उपलब्ध उर्वरक तभी उपयोगी है, जब वह समय पर किसानों तक पहुंच सके। सहकारी संस्थाओं के माध्यम से वितरण व्यवस्था को कृषि आवश्यकताओं के अनुरूप संचालित करने से स्थानीय स्तर पर किसानों को सुविधा मिलती है। इस प्रकार भण्डारण और वितरण एक-दूसरे के पूरक हैं और दोनों को मजबूत किए बिना कृषि इनपुट की प्रभावी उपलब्धता सुनिश्चित करना कठिन है।

वर्ष 2026-27 के लिए 15,000 लाख रुपये का बजट प्राविधान इसी व्यापक व्यवस्था को वित्तीय आधार प्रदान करता है। बजट का प्राविधान सहकारी क्षेत्र को उर्वरक की अग्रिम व्यवस्था करने के लिए संसाधन उपलब्ध कराने में सहायक है। इससे कृषि सीजन शुरू होने से पहले आवश्यक तैयारी करने और उपलब्धता को बनाए रखने की क्षमता मजबूत होती है। किसान के लिए इसका महत्व इसलिए अधिक है क्योंकि कृषि उत्पादन की प्रक्रिया में किसी भी आवश्यक इनपुट की कमी सीधे खेती की लागत और उत्पादन व्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। प्रदेश की कृषि व्यवस्था में छोटे और सीमांत किसानों की संख्या एवं भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। ऐसे किसानों के लिए बाजार से कृषि सामग्री की समय पर उपलब्धता अत्यंत आवश्यक होती है। सहकारी संस्थाओं की ग्रामीण पहुंच उन्हें स्थानीय स्तर पर कृषि इनपुट उपलब्ध कराने का अवसर देती है। उर्वरक की अग्रिम व्यवस्था इसी ग्रामीण पहुंच को प्रभावी सेवा में बदलने का माध्यम है। इससे किसानों को कृषि कार्य के दौरान आवश्यक सामग्री के लिए दूर-दराज के बाजारों पर निर्भरता कम करने में सहायता मिल सकती है।

अग्रिम भण्डारण व्यवस्था का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इससे कृषि सीजन के दौरान अचानक बढ़ने वाली मांग का सामना करने की तैयारी पहले से की जा सकती है। सामान्य परिस्थितियों में उर्वरक की आवश्यकता पूरे वर्ष एक समान नहीं रहती। बुवाई और फसल की विशेष अवस्थाओं में मांग बढ़ सकती है। इसलिए पहले से पर्याप्त मात्रा में स्टॉक रखना वितरण तंत्र पर अचानक पड़ने वाले दबाव को कम करने में सहायक होता है।

सहकारिता के माध्यम से उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने का व्यापक उद्देश्य किसानों को कृषि उत्पादन के लिए आवश्यक संसाधनों की निर्बाध आपूर्ति उपलब्ध कराना है। कृषि में उत्पादन बढ़ाने के लिए किसान की मेहनत के साथ-साथ उचित समय पर उचित कृषि निवेश भी जरूरी है। उर्वरक की अग्रिम उपलब्धता इसी कृषि निवेश व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस पूरी व्यवस्था में सहकारी संस्थाएं केवल उर्वरक के भण्डारण और वितरण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था और आपूर्ति तंत्र के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी मौजूदगी के कारण कृषि संबंधी आवश्यकताओं को स्थानीय स्तर पर समझने और उसके अनुरूप सामग्री उपलब्ध कराने की संभावना बढ़ती है। यही सहकारी व्यवस्था की वह विशेषता है, जो उसे किसानों के लिए उपयोगी बनाती है।

उर्वरक की अग्रिम भण्डारण व्यवस्था का महत्व केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, इसका वास्तविक उद्देश्य किसान की खेती को समय पर आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादन की प्रक्रिया को सुचारु बनाए रखना है। जब उर्वरक पहले से उपलब्ध हो, वितरण तंत्र सक्रिय हो और ग्रामीण स्तर पर सहकारी संस्थाएं किसानों तक सेवाएं पहुंचा रही हों, तो कृषि व्यवस्था अधिक व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ती है। इसी दृष्टि से रासायनिक उर्वरकों की अग्रिम भण्डारण योजना प्रदेश के किसानों को समयबद्ध कृषि निवेश उपलब्ध कराने और सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण कृषि व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

संजय कुमार, सहायक निदेशक

ऊर्जा के उजास से आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ता प्रदेश

(आदर अदीब पावेल बन्धु)
जिला सूचना अधिकारी

ऊर्जा किसी भी प्रदेश के विकास की वह आधारशिला है जिसके मजबूत होने पर उद्योगों को गति मिलती है खेतों को सिंचाई का संबल मिलता है घरों में रोशनी पहुंचती है और युवाओं के सपनों को उड़ान मिलती है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और विविधतापूर्ण प्रदेश के लिए विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करना अनिवार्य शर्त है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में व्यापक सुधारों और दूरगामी नीतिगत निर्णयों के माध्यम से विद्युत उत्पादन पारेषण वितरण उपभोक्ता सुविधाओं और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इन प्रयासों का मूल उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक निर्बाध गुणवत्तापूर्ण और सुलभ विद्युत पहुंचाना तथा ऊर्जा क्षेत्र को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र को केवल बिजली उत्पादन तक सीमित न रखते हुए इसे आर्थिक विकास और जनसुविधाओं के व्यापक अभियान के रूप में आगे बढ़ाया है। विद्युत उपकेंद्रों पर तैनात संविदा कार्मिकों और अधिकारियों को राजस्व वसूली के लिए प्रोत्साहित करने हेतु प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। इसका उद्देश्य विद्युत उपकेंद्रों की राजस्व प्राप्ति बढ़ाने के साथ उपभोक्ता सेवाओं को बेहतर बनाना है। इसके परिणामस्वरूप राजस्व वसूली में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई।

वित्तीय वर्ष 2021-22 में लगभग 70,531.26 करोड़ रुपये की राजस्व वसूली हुई थी, जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 83,564.35 करोड़ रुपये तथा वर्ष 2023-24 में 1,03,600.48 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी 96,138.68 करोड़ रुपये की राजस्व वसूली हुई। निश्चित तौर पर यह आंकड़े ऊर्जा क्षेत्र के वित्तीय प्रबंधन और राजस्व संग्रहण को सुदृढ़ बनाने की दिशा में किए गए प्रयासों को दर्शाते हैं।

विद्युत वितरण व्यवस्था में तकनीकी आधुनिकीकरण को विशेष प्राथमिकता दी गई है। आरडीएसएस योजना के अंतर्गत 30 जून 2026 तक 92,90,143 उपभोक्ताओं के संयोजन पर स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। ब्लॉक स्तर तक सभी सरकारी संयोजनों पर स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। लगभग 3,78,690 मीटर वितरण परिवर्तकों तथा सभी 11 केवी पोषकों में 26,984 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। स्मार्ट मीटर व्यवस्था से उपभोक्ताओं को अपनी ऊर्जा खपत पर बेहतर नियंत्रण मिल रहा है। यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप के माध्यम से उपभोक्ता अपनी बिजली खपत की निगरानी करने के साथ रिचार्ज और भुगतान भी कर सकते हैं। मीटर रीडर की आवश्यकता कम होने तथा बिलिंग में मानवीय हस्तक्षेप घटने से त्रुटिरहित बिल उपलब्ध कराने में भी सहायता मिली है।

स्मार्ट मीटर को अधिक उपभोक्ता अनुकूल बनाने के लिए डिस्कनेक्शन और री-कनेक्शन पर लागू 50 रुपये का शुल्क समाप्त कर दिया गया है। यह निर्णय उपभोक्ताओं के आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

इसी प्रकार प्री-पेड स्मार्ट मीटरों को पोस्ट-पेड मोड में परिवर्तित करने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उपभोक्ताओं को बिल जमा करने के लिए 15 दिन का समय दिया जाएगा और निर्धारित अवधि में भुगतान न होने पर सात दिन बाद संयोजन डिस्कनेक्शन के लिए अर्ह होगा। नए संयोजनों को भी पोस्ट-पेड मोड में उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इससे विद्युत उपभोक्ताओं को अधिक सुविधा और विकल्प प्राप्त हो रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बुंदेलखंड क्षेत्र के ग्रामीण निजी नलकूप विद्युत उपभोक्ताओं को एकल फसल की सिंचाई के लिए सीजनल टैरिफ का लाभ तथा अस्थायी विद्युत संयोजन की सुविधा प्रदान की गई है। यह पहल विशेष रूप से किसानों के लिए उपयोगी है, क्योंकि कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में समय पर और किफायती विद्युत आपूर्ति उत्पादन क्षमता को सीधे प्रभावित करती है। इसी क्रम में लगातार बढ़ती विद्युत दरों के बीच प्रदेश के उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2019-20 के बाद विद्युत दरों में वृद्धि नहीं की गई है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं तथा छोटे व्यवसायों को आर्थिक राहत मिली है।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने नई दिशा निर्धारित की है। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए ग्रीन एनर्जी टैरिफ को उपभोक्ताओं के लिए अधिक आकर्षक बनाया गया है। एचटी उपभोक्ताओं के लिए अतिरिक्त ग्रीन एनर्जी टैरिफ को 0.36 रुपये प्रति यूनिट से घटाकर 0.34 रुपये प्रति यूनिट तथा एलटी उपभोक्ताओं के लिए 0.17 रुपये प्रति यूनिट निर्धारित किया गया है। इससे हरित ऊर्जा के प्रति उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ने की संभावना है और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में प्रदेश को नई शक्ति मिलेगी। इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों पर लागू वर्तमान टैरिफ को राज्य परिवहन के लिए भी अनुमन्य कर दिया गया है। इससे इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा मिलेगा और सार्वजनिक परिवहन को पर्यावरण अनुकूल बनाने में सहायता प्राप्त होगी। इसी तरह रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के लिए विद्युत दरों को मेट्रो रेल सेवाओं की दरों को समान किया गया है। इससे सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों के लिए किफायती और सुगम ऊर्जा व्यवस्था सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था के विस्तार को देखते हुए सूचना प्रौद्योगिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं को राज्य सरकार द्वारा उद्योग का दर्जा दिया गया है तथा नीति के अनुरूप इन उद्योगों को औद्योगिक क्षेत्र में अनुमन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे उत्तर प्रदेश में तकनीकी निवेश को आकर्षित करने, रोजगार के नए अवसर सृजित करने तथा प्रदेश को प्रौद्योगिकी आधारित विकास का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है।

उपभोक्ता सेवाओं में पारदर्शिता और त्वरित समाधान के लिए भी अनेक कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2025 तक 35 जोन और 75 मंडलों में सीजीआरएफ का गठन किया गया है, जिसके माध्यम से उपभोक्ताओं की शिकायतों का शीघ्र निस्तारण किया जा रहा है। 17 अक्टूबर 2025 से ऑनलाइन सीजीआरएफ पोर्टल शुरू किया गया है। इससे उपभोक्ताओं को शिकायत दर्ज कराने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम हुई है। विद्युत बिलों को सरल बनाते हुए हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई है। डिजिटल बिलिंग के लिए ई-मेल व्हाट्सऐप अथवा अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का विकल्प देकर भौतिक बिल वितरण पर निर्भरता घटाई जा रही है। विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं।

वर्ष 2016-17 में 5,784 मेगावाट ताप विद्युत उत्पादन क्षमता के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2026-27 के जून 2026 तक 9,120 मेगावाट ताप विद्युत उत्पादन क्षमता प्राप्त की गई। पीएलएफ अर्थात प्लांट लोड फैक्टर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्ष 2016-17 में 68.42 प्रतिशत पीएलएफ के मुकाबले वर्ष 2025-26 में 80.68 प्रतिशत तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 के जून 2026 तक 83.34 प्रतिशत पीएलएफ प्राप्त किया गया। विद्युत उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वर्ष 2016-17 में 33,556 मिलियन यूनिट ताप विद्युत उत्पादन के मुकाबले वर्ष 2025-26 के मार्च 2026 तक 62,896.143 मिलियन यूनिट तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 के जून 2026 तक 16,699.608 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन प्राप्त हुआ।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड ने 25 मई 2025 को अधिकतम 192.1049 मिलियन यूनिट अर्थात 8004 मेगावाट का रिकॉर्ड विद्युत उत्पादन किया जो 94.61 प्रतिशत पीएलएफ के बराबर रहा। यह उपलब्धि प्रदेश की उत्पादन क्षमता और ऊर्जा संयंत्रों के बेहतर संचालन का प्रमाण है।

जल विद्युत के क्षेत्र में भी उपलब्धियों की एक नई इबारत लिखी गई है। वर्ष 2018 से 524.9 मेगावाट क्षमता के जल विद्युत गृहों के संचालन और रखरखाव के साथ नई जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं। रिहंद जल विद्युत गृह पिपरी की क्षमता को 230 मेगावाट से बढ़ाकर 300 मेगावाट किया गया। सितंबर 2024 में रिहंद जल विद्युत गृह पिपरी तथा ओबरा जल विद्युत गृह द्वारा पिछले 25 वर्षों के विद्युत उत्पादन का रिकॉर्ड भी तोड़ा गया। नई विद्युत परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश की ऊर्जा जरूरतों को भविष्य के लिए सुरक्षित किया जा रहा है। 1×660 मेगावाट हरदुआगंज तापीय विस्तार परियोजना की इकाई का लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 4 जनवरी 2022 को किया गया और फरवरी 2022 से इसका वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ हुआ। जवाहरपुर तापीय परियोजना की दोनों इकाइयों से क्रमशः फरवरी और दिसंबर 2024 से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हुआ। ओबरा सी तापीय परियोजना की दोनों इकाइयों से भी उत्पादन प्रारंभ हो चुका है। पनकी तापीय परियोजना की द्वितीय इकाई से अप्रैल 2025 से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हुआ।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में बुंदेलखंड ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर एक महत्वाकांक्षी पहल है। बुंदेलखंड क्षेत्र में 4,000 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क से उत्पादित ऊर्जा की निकासी के लिए 21 पारेषण उपकेंद्रों का निर्माण किया जा रहा है। कुल 21 उपकेंद्रों का निर्माण 28 पैकेजों में किया जा रहा है जिनमें से नौ का ऊर्जीकरण हो चुका है और शेष पर कार्य प्रगति पर है। यह परियोजना उत्तर प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान देने के साथ बुंदेलखंड के आर्थिक विकास को भी गति प्रदान कर सकती है।

विद्युत वितरण व्यवस्था को अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए आरडीएसएस के अंतर्गत पूर्वांचल वाराणसी मध्यांचल लखनऊ और दक्षिणांचल आगरा वितरण निगमों में छूटे हुए आवासों के विद्युतीकरण हेतु 917.28 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इस योजना के अंतर्गत 19,503 मजरे और 2,51,487 घरों को लाभान्वित किया जाना है। इसी प्रकार, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत जनजातीय बहुल ग्रामों में विद्युतीकरण के लिए 31.86 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं जिससे 6,867 घरों एवं सार्वजनिक संस्थानों को विद्युत सुविधा से जोड़ने का लक्ष्य है।

वास्तव में, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का ऊर्जा क्षेत्र एक व्यापक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। एक ओर विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो रही है, तो दूसरी ओर पारेषण और वितरण तंत्र को आधुनिक बनाया जा रहा है। स्मार्ट मीटर, डिजिटल बिलिंग, ऑनलाइन शिकायत निस्तारण, ग्रीन एनर्जी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग और सौर ऊर्जा जैसी पहलें ऊर्जा व्यवस्था को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप आकार दे रही हैं। किसानों, गरीब परिवारों, छोटे व्यवसायियों जनजातीय समुदायों और दूरदराज के क्षेत्रों तक विद्युत सुविधाओं का विस्तार सामाजिक न्याय की भावना को भी साकार करता है। ऊर्जा क्षेत्र में किए जा रहे ये प्रयास बदलते उत्तर प्रदेश की उस विकास यात्रा का प्रतीक हैं जिसमें गांवों से लेकर महानगरों तक विकास की रोशनी पहुंचाने का संकल्प दिखाई देता है। उत्पादन से वितरण तक और परंपरागत ऊर्जा से हरित ऊर्जा तक उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भरता की नई राह पर अग्रसर है। ऊर्जा के क्षेत्र में मजबूत होती यह आधारशिला आने वाले वर्षों में औद्योगिक विकास रोजगार सृजन कृषि उन्नति और नागरिक सुविधाओं को नई गति प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ऊर्जा के उजास से विकसित आत्मनिर्भर और सशक्त उत्तर प्रदेश के संकल्प को निरंतर मजबूती मिल रही है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस द्वारा आत्महत्या के लिए उकसाने के अभियोग से सम्बन्धित नामजद अभियुक्त (पति) गिरफ्तार

मीरजापुर थाना अहरौरा, जनपद मीरजापुर पर दिनांक:28.08.2026 को वादी दीनानाथ पाल पुत्र स्व0बेचन पाल निवासी ग्राम चकलिया थाना अहरौरा जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्त के विरुद्ध वादिनी की पुत्री को आत्महत्या के लिये प्रेरित करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अहरौरा पर मु0अ0सं0-176/2026 धारा 108 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन के नेतृत्व में अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु थानाध्यक्ष अहरौरा को निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना अहरौरा पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए दिनांक:30.08.2026 को उपनिरीक्षक संजय सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर महुली तिराहा नहर पुलिया के पास से नामजद अभियुक्त सुशील पाल पुत्र रामसुभग पाल निवासी सरिया एकली थाना अहरौरा जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

लेहड़िया में किशोर से मारपीट का आरोप, पुलिस से कार्रवाई की मांग

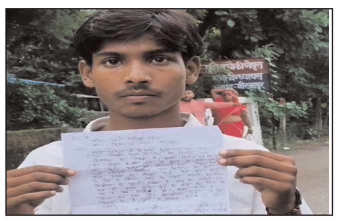

मीरजापुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र के लेहड़िया गांव निवासी 17 वर्षीय सुभाष पाल पुत्र उमाशंकर पाल ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर गांव के तीन लोगों पर रास्ते में रोककर गाली-गलौज करने और लाठी-डंडे से मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया है।पीड़ित के अनुसार, 28 अगस्त 2026 की शाम करीब चार बजे वह अपने घर की दुकान की ओर जा रहा था। आरोप है कि रास्ते में गांव के सुनील पाल पुत्र सीताराम, अवधेश पाल पुत्र सीताराम तथा नेबुला देवी पत्नी सीताराम पाल ने उसे अपने दरवाजे के पास रोक लिया। इसके बाद गाली-गलौज करते हुए उसे पास के खेत में खींच ले गए और लाठी-डंडे से मारपीट की, जिससे वह घायल हो गया। सुभाष पाल ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में विपक्षी पक्ष से पुरानी रंजिश होने का भी आरोप लगाया है। उसने बताया कि पूर्व में उसके छोटे भाई की हत्या कर शव कुएं में फेंक दिया गया था। इसी रंजिश के चलते उसे भी जान का खतरा होने की आशंका जताई है।घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना देकर मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच और उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं चौकी प्रभारी सुरेश चंद्र द्विवेदी ने बताया कि मामले की तहरीर प्राप्त हो गई है। पुलिस द्वारा जांच-पड़ताल की जा रही है। जांच में दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मुस्कुराते हुए चेहरे की तस्वीर, फिर आई मौत की खबर...

एसओ सूर्य प्रकाश सिंह की संदिग्ध मौत से पुलिस महकमे में मातम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में शनिवार की शाम पुलिस विभाग को झकझोर देने वाली खबर सामने आई। वाल्टरगंज थाना प्रभारी सूर्य प्रकाश सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव कलेक्ट्रेट के पास स्थित कर्मचारी आवास में मिला। सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। शुरुआती जानकारी में मौत को लेकर आशंका जताई जा रही है, लेकिन मौत की वास्तविक वजह की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इस बीच सूर्य प्रकाश सिंह की रक्षाबंधन कार्यक्रम की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई है। तस्वीर में वह एक बच्चे से राखी बंधवाते हुए मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। चेहरे पर सुकून और अपनापन साफ दिखाई दे रहा है। आज वही मुस्कुराता चेहरा जब लोगों के सामने उनकी मौत की खबर के साथ आया तो हर कोई स्तब्ध रह गया।

कुछ तस्वीरें सिर्फ तस्वीर नहीं होतीं... वे किसी इंसान की याद बन जाती हैं।

रक्षाबंधन के मौके पर बच्चों के बीच मुस्कुराते हुए सूर्य प्रकाश सिंह की यह तस्वीर अब उनकी यादों का हिस्सा बन गई है। पुलिस महकमे में उनके साथ काम करने वाले साथी भी इस घटना से गहरे सदमे में हैं। सबसे दुखद बात यह है कि सुबह ही पुलिस विभाग एक महिला कांस्टेबल की मौत के सदमे से गुजर रहा था और शाम को एसओ सूर्य प्रकाश सिंह की संदिग्ध मौत ने दुख को और गहरा कर दिया। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है और सभी पहलुओं को सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है। कल तक जो चेहरा लोगों के बीच मुस्कुरा रहा था, आज उसकी तस्वीर देखकर आंखें नम हैं। बस्ती पुलिस महकमे के लिए शनिवार का दिन बेहद भारी रहा।

आगरा में पावरलिफ्टिंग की नेशनल खिलाड़ी पर पति ने किया जानलेवा हमला

आगरा। पावर लिफ्टिंग की राष्ट्रीय खिलाड़ी को पति ने होटल में बुलाकर चाकू से हमला बोल दिया। घुटने में चाकू मारकर घायल कर दिया। सदर क्षेत्र की रहने वाली 41 वर्ष की पावर लिफ्टिंग की राष्ट्रीय स्तर की खिलाडी ने एक दर्जन से अधिक ने प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है। 21 वर्ष पहले चेन्नई में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेंच प्रेस में उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। वर्तमान में प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका हैं। उनकी शादी वर्ष 2011 में हुई थी। विवाद के चलते पति से अलग रह रही थीं। खिलाड़ी का आरोप है कि 26 जुलाई को बातचीत के बहाने होटल के कमरे में बुलाकर पति ने उन चाकू से हमला किया। पति करीब ढाई वर्ष से उनके साथ मारपीट कर रहा है। पति द्वारा खिलाड़ी की पिटाई का वीडियो इंटरनेट मीडिया में प्रसारित हो रहा है। रविवार को खिलाड़ी ने एकता थाना क्षेत्र में तहरीर दी है।

दिव्या मित्तल का इस्तीफा, यूपी के कई जिलों में छोड़ी कार्यशैली की छाप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। 2013 बैच की चर्चित आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने करीब 13 वर्षों की प्रशासनिक सेवा के बाद अपनी नौकरी को अलविदा कह दिया है। अपनी सख्त कार्यशैली, नवाचार और जनसरोकारों से जुड़े कामों के लिए पहचान बनाने वाली दिव्या मित्तल ने उत्तर प्रदेश के कई महत्वपूर्ण जिलों में सेवाएं दीं। दिव्या मित्तल ने संत कबीर नगर, मिर्जापुर, बस्ती और देवरिया में विभिन्न प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभालीं। इसके बाद उन्हें राजस्व विभाग में विशेष सचिव के पद पर तैनाती दी गई थी।

अलग-अलग जिलों में अपने कार्यकाल के दौरान वह प्रशासनिक सक्रियता और जनहित से जुड़े फैसलों को लेकर चर्चा में रहीं।

आईआईटी-आईआईएम से लंदन तक, फिर चुनी आईएएस की राह

दिव्या मित्तल की शैक्षणिक और पेशेवर यात्रा भी खास रही है। उन्होंने आईआईटी दिल्ली से पढ़ाई पूरी करने के बाद आईआईएम से प्रबंधन की शिक्षा हासिल की। इसके बाद उन्हें लंदन में नौकरी मिली, लेकिन विदेश में शानदार करियर का विकल्प छोड़कर उन्होंने यूपीएससी की तैयारी करने का फैसला लिया। मेहनत और दृढ़ संकल्प के दम पर उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास की और 2013 बैच की आईएएस अधिकारी बनीं। प्रशासनिक सेवा में करीब 13 वर्षों के दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में अपनी अलग कार्यशैली की पहचान बनाई। अब उनके इस्तीफे की खबर के बाद प्रशासनिक और सामाजिक क्षेत्रों में उनके अगले कदम को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

टैंकर में बना रखा था चोरी का गुप्त हौज, 210 लीटर डीजल बरामद; चालक-खलासी पर केस दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जनपद के रुद्रपुर क्षेत्र के पिंडरा स्थित पेट्रोल पंप पर डीजल की मात्रा में अंतर मिलने के बाद जांच में टैंकर से तेल चोरी करने के खेल का खुलासा हुआ। पेट्रोल पंप मालिक की शिकायत पर पुलिस और बैतालपुर डिपो के सेल्स अफसरों ने जांच की तो टैंकर के कंटेनर में चोरी की नीयत से बनाए गए कथित हौज से करीब 210 लीटर डीजल बरामद हुआ। मामले में चालक और उसके सहयोगी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 29 अगस्त को थाना रुद्रपुर क्षेत्र के ग्राम पिंडरा स्थित श्री मार्कंडेय जी किसान सेवा केंद्र के संचालक उपेंद्रनाथ सिंह ने पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया था। शिकायत में पेट्रोल पंप पर डीजल लेकर पहुंचे टैंकर संख्या यू पी 52 सी टी 0543 की तेल मात्रा में गड़बड़ी की आशंका जताई गई।

शिकायत के बाद रुद्रपुर पुलिस और बैतालपुर डिपो के सेल्स अफसर मौके पर पहुंचे और टैंकर की जांच की। जांच के दौरान टैंकर के कंटेनर में चोरी के लिए बनाए गए कथित हौज से करीब 210 लीटर डीजल बरामद हुआ। पुलिस की जांच में टैंकर चालक अमरेन्द्र प्रताप राव, निवासी वृंदावन, थाना तरकुलवा और उसके सहयोगी विवेक सिंह, निवासी बरवा, थाना तरकुलवा की भूमिका सामने आने की बात कही गई है।

पुलिस के मुताबिक दोनों बैतालपुर डिपो से पेट्रोल पंपों तक डीजल पहुंचाने का काम करते थे। डिपो से लोड की गई और पेट्रोल पंप पर उतारी गई डीजल की मात्रा में अंतर सामने आने पर जांच आगे बढ़ी। पेट्रोल पंप संचालक की तहरीर के आधार पर थाना रुद्रपुर में दोनों आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर राजेश चतुर्वेदी ने बताया कि टैंकर से चोरी का डीजल बरामद किया गया है और प्रकरण में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

लोकतंत्र और सामाजिक न्याय पर हो रहा लगातार हमला: आर एस कुशवाहा

पीडीए चौपाल में भाजपा पर तंज, बोले- महंगाई-बेरोजगारी से जनता परेशान, सामाजिक न्याय के लिए एकजुट हो पीडीए समाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। समाजवादी पार्टी रामपुर कारखाना विधानसभा के तत्वावधान में रविवार को महुआनी चौराहा स्थित एक मैरेज हॉल में कुशवाहा समाज एवं पीडीए चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सपा नेताओं ने भाजपा सरकार पर लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और जनहित के मुद्दों को लेकर जमकर निशाना साधा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष परमहंस यादव ने की, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष श्याम बहादुर भारती ने किया। चौपाल को संबोधित करते हुए सपा के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक आर.एस. कुशवाहा ने कहा कि भाजपा सरकार में लोकतंत्र और सामाजिक न्याय पर लगातार हमला हो रहा है। देश में तानाशाही, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है। जनता की मूलभूत समस्याओं का समाधान करने के बजाय जाति और धर्म के नाम पर समाज को बांटने

की राजनीति की जा रही है।

उन्होंने कहा कि संविधान और सामाजिक न्याय की व्यवस्था को कमजोर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आरक्षण जैसे संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए पीडीए समाज को अपने अधिकार, सम्मान और हिस्सेदारी के लिए एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि पीडीए के हित और सम्मान की सबसे मजबूत लड़ाई समाजवादी पार्टी लड़ रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, वंचित और कमजोर वर्गों को सम्मान और अधिकार दिलाने की लड़ाई को मजबूती मिल रही है। सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान उचित मूल्य, नौजवान रोजगार और आम आदमी महंगाई से राहत के लिए परेशान है। सरकार जनता की वास्तविक समस्याओं का समाधान करने के बजाय मुद्दों को भटकाने में लगी है। उन्होंने कहा कि पीडीए महज राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, बराबरी, सम्मान और हिस्सेदारी की लड़ाई है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत कर रही है। कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर पार्टी की नीतियों और पीडीए की विचारधारा को जनता तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर जनता के बीच जाने और भाजपा सरकार की नीतियों से लोगों को अवगत कराने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक गजाला लारी, दीनानाथ कुशवाहा, अशोक सिंह कुशवाहा, डॉ. दिलीप यादव, ऋषिकेश कुशवाहा गेनू, राजेंद्र मौर्य, शम्भू शरण कुशवाहा, उद्धव कुशवाहा, शिवशंकर मौर्य, दशरथ मौर्य, राहुल कुशवाहा, गोविंद कुशवाहा, राजेश कुशवाहा, वीरेंद्र कुशवाहा, रामनाथ चौहान, राजवंशी राजभर, रामखेदू यादव, उमेश नारायण शाही, ईस्माइल अंसारी, रणवीर यादव, खुर्शीद आलम अंसारी समेत बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

86 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ, 80 हिंदू विवाह व छह मुस्लिम जोड़ों का संपन्न हुआ निकाह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शनिवार को राजकीय आईटीआई, देवरिया परिसर में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में 86 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इनमें 80 हिंदू जोड़ों का विधि-विधान से विवाह कराया गया, जबकि छह मुस्लिम जोड़ों का निकाह संपन्न हुआ। एक ही मंच पर अलग-अलग रीति-रिवाजों से हुए विवाह ने सामाजिक समरसता और सौहार्द की मिसाल पेश की। समारोह में मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सहित प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए सुखी एवं सफल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी देवरिया, जिला विकास अधिकारी सुशील सिंह, तहसीलदार सदर अलका सिंह, ब्लॉक प्रमुख सदर पवन गुप्ता, सांसद सलेमपुर के प्रतिनिधि रामप्रकाश

यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी कुशीनगर, जिला समाज कल्याण अधिकारी, अनुसूचित मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजन सोनकर तथा नायब तहसीलदार देवरिया समेत अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। शहर के पत्रकारों और गणमान्य नागरिकों ने भी समारोह में सहभागिता की।

एक लाख रुपये की सहायता का प्रावधान

जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर पाण्डेय ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रत्येक जोड़े पर एक लाख रुपये व्यय किए जाने का प्रावधान है। इसमें 64 हजार रुपये वधू के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजे जाते हैं, जबकि 21 हजार रुपये की उपहार सामग्री और 15 हजार रुपये आयोजन पर खर्च किए जाते हैं। समारोह में विवाह बंधन में बंधे जोड़ों और उनके परिजनों में खासा उत्साह देखने को मिला। प्रशासन की ओर से नवदंपतियों को नए जीवन की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

फर्जी लेटरहेड-ईमेल से 35.72 लाख का साइबर फ्रॉड, तीन गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। साइबर ठगी के विरुद्ध देवरिया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। साइबर थाना पुलिस ने फर्जी कंपनी लेटरहेड, कूटरचित हस्ताक्षर और फर्जी ई-मेल के जरिए 35.72 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। फ्रॉड की रकम में से 34.50 लाख रुपये तनिष्क ज्वेलर्स के खाते में सुरक्षित हैं, जिन्हें विधिक प्रक्रिया के तहत पीड़ित को वापस कराया जाएगा। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर के निर्देशन में साइबर थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर देवरिया-सलेमपुर रोड स्थित सोन्दा के पास से आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन और बिना नंबर प्लेट की बजाज पल्सर ह-160 मोटरसाइकिल बरामद हुई। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने ए आर इंफ्राहाइट्स प्राइवेट लिमिटेड मेरठ के नाम से फर्जी ई-मेल आईडी बनाकर कंपनी के फर्जी लेटरहेड और हस्ताक्षर के जरिए बैंक को मेल भेजा। इसके बाद बैंक को भ्रमित कर 35,72,801 रुपये विकास कुमार के खाते में ट्रांसफर करा लिए गए। इसमें से 34.50 लाख रुपये तनिष्क ज्वेलर्स के खाते में भेजे गए थे, जहां शादी के लिए आभूषण खरीदने का प्रयास किया गया। पुलिस जांच में आरोपियों के मोबाइल से अलग-अलग तारीखों में 25.10 लाख और 21.85 लाख रुपये के अन्य संदिग्ध लेन-देन के साक्ष्य भी मिले हैं, जिनकी जांच जारी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास कुमार निवासी सलेमपुर देवरिया, शशांक कुमार साहिल निवासी गुठनी, सिवान और अंकुश मिश्रा निवासी तरयासुजान, कुशीनगर के रूप में हुई है। तीनों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

मकान में आग लगने से जिंदा जला कोचिंग संचालक, धुआं निकलता देखकर पड़ोसियों ने बुलाई पुलिस

आगरा। सिकंदरा आवास विकास कॉलोनी के सेक्टर 10 में मकान में आग लगने से कोचिंग संचालक की मौत हो गई। रविवार सुबह दस बजे घर से धुंआ निकलता देखकर कॉलोनी के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मरने वाले कोचिंग संचालक की पहचान विनय बोस पुत्र मनोरंजन बोस निवासी छत्तीसगढ़ जगतपुर के रूप में हुई है। विनय और उनके भाई सुनील बोस फरवरी 2026 से किराए पर मकान लेकर रह रहे थे। दोनों मकान में इंग्लिश स्पीकिंग समेत अन्य विषयों की कोचिंग चला रहे थे। दोनों भाई न्यू साई एजुकेशन ट्यूशन एकेडमी के नाम से कोचिंग चला रहे थे। रक्षाबंधन पर सुनील बोस आगरा से बाहर गए हुए हैं। विनय बोस अकेले रह रहे थे। कॉलोनी में आसपास के लोगों से दोनो की बातचीत कम थी। सुबह लोगों को घर के अंदर से धुंआ निकलता देखकर आशंका हुई। उन्होंने आवाज दी लेकिन अन्दर से कोई जवाब नहीं मिला तो 112 नंबर पर सूचना दी।

पार्कों से गांव की चौपाल तक पुलिस की दस्तक

गुड मॉर्निंग देवरिया और बहू-बेटी अभियान से सुरक्षा का दिया संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जिले में रविवार को पुलिस का अभियान दो मोर्चों पर नजर आया। सुबह जहां 'गुड मॉर्निंग देवरिया' अभियान के तहत पार्कों, स्टेडियमों, मंदिरों और स्कूलों के आसपास पुलिस ने निगरानी बढ़ाई, वहीं मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत गांव-कस्बों में चौपाल लगाकर महिलाओं और बालिकाओं को अधिकारों, सुरक्षा और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर के निर्देशन में चले 'गुड मॉर्निंग देवरिया' अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने मॉर्निंग वॉक करने वाले लोगों से सीधा संवाद किया। बुजुर्गों से उनकी समस्याएं पूछीं और उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग भी की गई। वहीं एंटी रोमियो टीमों ने विद्यालय और कोचिंग जाने वाली बालिकाओं से संवाद कर उन्हें महिला हेल्पलाइन 1090,

आपातकालीन सेवा 112 सहित अन्य हेल्पलाइन की जानकारी दी।

चौपाल में महिलाओं को अधिकार और कानून की जानकारी

इसी क्रम में मिशन शक्ति फेज-5.0 के द्वितीय चरण के तहत 'बहू-बेटी अभियान' चलाया गया। थानों की मिशन शक्ति टीमों ने गांवों और कस्बों में चौपाल व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर परित्यक्ता, तलाकशुदा, निराश्रित, दहेज उत्पीड़न की शिकार महिलाओं और बालिकाओं को स्वावलंबन एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। सुरौली, मदनपुर, भाटपाररानी, रुद्रपुर, खामपार, एकौना, गौरीबाजार और बरहज समेत विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्यक्रम हुए। महिलाओं को घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, साइबर अपराध और सामाजिक कुरीतियों से बचाव के साथ कानूनी प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

पुलिस टीमों ने 112, 181, 1090, 1076, 1098 और 1930 समेत विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। साथ ही निराश्रित महिला पेंशन, उज्ज्वला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह और कन्या सुमंगला योजना जैसी सरकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। महिलाओं को भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी देते हुए पंपलेट भी वितरित किए गए। पुलिस के अनुसार दोनों अभियान केवल जागरूकता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पुलिस-जन संवाद मजबूत करने और सुरक्षित वातावरण का भरोसा कायम करने की निरंतर पहल हैं।

अभिनेत्री शबाना आजमी पहुंचीं पैतृक गांव मेजवां, फैशन शो की तैयारियों के लिए पहुंची टीम

आजमगढ़। फिल्म अभिनेत्री एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य शबाना आजमी शनिवार की दोपहर बारिश के बीच अपने पैतृक गांव मेजवां पहुंचीं। उनके घर फतेह मंजिल में महिलाओं ने तिलक लगाकर और माला पहनाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान शबाना आजमी ने महिलाओं से सावन के गीत सुने और गांव की महिलाओं व युवतियों से बातचीत कर उनकी गतिविधियों की जानकारी ली। शबाना आजमी वाराणसी एयरपोर्ट से कार से दोपहर करीब 2.15 बजे मेजवां पहुंचीं। संयोगिता के नेतृत्व में महिलाओं ने उनका स्वागत किया। उन्होंने गांव की लड़कियों को पास बुलाकर उनके बारे में जानकारी ली। भारत मंडपम् में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने वाली मेजवां की खुशी प्रजापति का शबाना आजमी ने महिलाओं से परिचय कराया।

सियासत: मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में बसों की ड्यूटी पर सपा के लोहिया वाहिनी ने दागा सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के देवरिया आगमन के बाद अब कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जारी एक नगर पालिका परिषद के पत्र ने सियासी बहस छेड़ दी है। समाजवादी पार्टी के लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष दिव्यांश श्रीवास्तव ने पत्र को लेकर जिला प्रशासन पर तंज कसते हुए व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े किए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे नगर पालिका परिषद देवरिया के 27 अगस्त के कार्यालय आदेश में मुख्यमंत्री के सलेमपुर-मझौलीराज आगमन के दृष्टिगत टाउनहाल पर खड़ी चार बसों पर नगर पालिका कर्मचारियों की ड्यूटी लगाए जाने का उल्लेख है। आदेश में कर्मचारियों को कार्यक्रम में पहुंचने वाले लोगों को बसों के माध्यम से गंतव्य स्थल तक पहुंचाने और वापस लाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

सपा नेता दिव्यांश श्रीवास्तव ने इसी पत्र

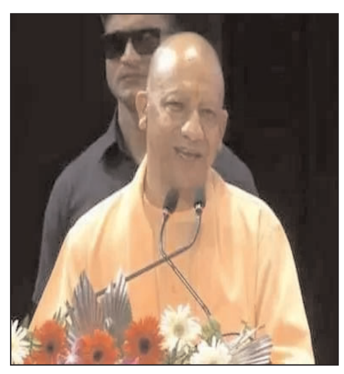

को आधार बनाते हुए जिला प्रशासन पर कटाक्ष किया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों के नाम पर नगर पालिका के कर्मचारियों को भी बसों की व्यवस्था और संचालन की जिम्मेदारी में लगाया गया। उनका कहना है कि प्रशासन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि सरकारी कर्मचारियों की मूल जिम्मेदारियों के अलावा उन्हें कार्यक्रम संबंधी व्यवस्थाओं में किस आधार पर लगाया गया। वायरल पत्र के मुताबिक चार बसों के लिए नगर पालिका के आठ कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की गई थी और उन्हें 29 अगस्त की सुबह छह बजे टाउनहाल पर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे। आदेश में ड्यूटी पास बनवाने और निर्देशों का कड़ाई से पालन करने की बात भी कही गई है।

सपा नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों के नाम पर सरकारी मशीनरी को जिस तरह झोंका गया, वह प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि क्या अब नगर पालिका के कर्मचारियों का काम भीड़ जुटाने और बसों की व्यवस्था कराने तक सीमित कर दिया गया है। हालांकि, नगर पालिका के आदेश में बसों की व्यवस्था को कार्यक्रम में आने वाले लोगों के आवागमन को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से बताया गया है। सपा नेता के आरोपों पर प्रशासन की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

संक्षिप्त खबरें

सड़क पर विशाल अजगर देख मचा हड़कंप

कोंच(जालौन)- कोंच- नदी गांव सड़क मार्ग पर शनिवार की देर रात उस समय वाहन चालकों में हड़कंप मच गया, जब पंचानन चौराहे से ठीक आगे सड़क के बीचों-बीच एक विशाल अजगर रेंगता हुआ दिखाई दिया। विशालकाय अजगर को सड़क पर रेंगता देख राहगीरों ने कुछ देर के लिए अपने वाहन रोक लिए और फिर सुरक्षित दूरी बनाकर उसे देखने में लगे रहे।

बताया गया कि विशाल अजगर सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक वाहन चालक की नजर रेंगते हुए अजगर पर पड़ गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को कुछ दूरी पर रोक दिया और मोबाइल फोन से उस अजगर का वीडियो बना लिया। देखते ही देखते अजगर का वह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वायरल वीडियो में विशाल अजगर सड़क पर धीरे-धीरे रेंगता हुआ दिखाई दे रहा है। उसकी लंबाई मोटाई को देखकर लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। गनीमत रही कि अजगर किसी वाहन की चपेट में नहीं आया और न ही किसी व्यक्ति को उससे क्षति पहुंची। लोगों का कहना है कि सड़क मार्ग के आसपास खेत, झाड़ियां और खाली क्षेत्र होने के कारण अक्सर जंगली जीव सड़क पर आ जाते हैं।

पनघैली नदी में तीन बच्चे डूबे, दो बच्चों को बचाया, तीसरे की तलाश में गोताखोरों की टीमें जुटीं

दो बच्चों को ग्रामीणों ने बचाया, 13 वर्षीय शिवांशु की तलाश में गोताखोर जुटे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

क्यो लड़िया पनघैली नदी किनारे शनिवार को उस समय चीख-पुकार मच गई, जब एक बच्चे को डूबता देखकर उसे बचाने के लिए दो अन्य बच्चे नदी में कूद पड़े। देखते ही देखते तीनों बच्चे गहरे पानी में समा गए। ग्रामीणों ने जान जोखिम में डालकर दो बच्चों को बाहर निकाल लिया, लेकिन 13 वर्षीय शिवांशु नदी की लहरों में लापता हो गया। देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं मिलने से परिवार में कोहराम मचा रहा। सूचना पर एसडीएम पुलिस और एनडीआरफ की टीमों ने तीसरे बच्चे की तलाश में सर्च अभियान शुरू कर दिया है। देर शाम तक एसडीएम सचिन यादव और पुलिस ग्रामीणों और गोताखोरों के साथ सर्च अभियान चला रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार मुड़िया जगरूप निवासी रामबीर 10 वर्ष, गांव निरंदापुर निवासी शिवांशु 13 वर्ष, गांव सुन्नौर निवासी सुभाष 14 वर्ष दोपहर पनघैली नदी किनारे गए थे। बताया जा रहा है अचानक सुभाष का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जाने लगा। उसे बचाने के लिए शिवांशु और रामबीर भी नदी में कूद पड़े।

कुछ ही पलों में तीनों बच्चे डूबने लगे। नदी किनारे मौजूद ग्रामीणों ने बच्चों को

पानी में छटपटाते देखा तो चीख-पुकार मच गई। इसी दौरान वहां पर पशु चरा रहे ग्रामीणों ने नदी में छलांग लगा दी और रामबीर व सुभाष को बाहर निकाल लिया, लेकिन ग्रामीण शिवांशु का नदी के गहरे पानी में नहीं ढूंढ सके। उसका पता नहीं चल सका। शिवांशु के लापता होने की सूचना मिलते ही उसके स्वजन बदहवास होकर नदी किनारे पहुंच गए। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ भी जमा हो गई। पुलिस भी पहुंची और ग्रामीणों के साथ लापता बच्चे की तलाश शुरू कराई। ग्रामीणों ने मामले की सूचना ग्राम प्रधान पति भोले राम कश्यप और विधायक डॉ एम पी आर्य को दी तो विधायक ने एडीआरएफ की टीमों को मौके पर बुला लिया। कुछ समय बाद एडीआरएफ की टीमों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर नदी में सर्च अभियान शुरू कर दिया। लेकिन देर शाम तक शिवांशु के नहीं मिलने से नदी किनारे चीख पुकार मची हुई है। बच्चों के नदी में नहाने जाने की जबकि कुछ लोग शौच करने जाने की बात कह रहे हैं।

थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि नदी में तीन बच्चे डूबे थे। रामबीर, सुभाष को ग्रामीणों ने बचा लिया। जबकि शिवांशु लापता है। उसकी नदी में तलाश जारी है। फोटो क्योलड़िया के सुन्नौर गांव के पास बहने वाली पनघैली नदी में बच्चों की तलाश करते ग्रामीणमरीपनघैली नदी में तीन बच्चे डूबे, दो बच्चों को बचाया, तीसरे की तलाश में गोताखोरों की टीमें जुटीं। क्योलड़िया पनघैली नदी किनारे शनिवार को उस समय चीख-पुकार मच गई, जब एक बच्चे को डूबता देखकर उसे बचाने के लिए दो अन्य बच्चे नदी में कूद पड़े। देखते ही देखते तीनों बच्चे गहरे पानी में समा गए। ग्रामीणों ने जान जोखिम में डालकर दो बच्चों को बाहर निकाल लिया, लेकिन 13 वर्षीय शिवांशु नदी की लहरों में लापता हो गया। देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं मिलने से परिवार में कोहराम मचा रहा। सूचना पर एसडीएम पुलिस और एनडीआरफ की टीमों ने तीसरे बच्चे की तलाश में सर्च अभियान शुरू कर दिया है। देर शाम तक एसडीएम सचिन यादव और पुलिस ग्रामीणों और गोताखोरों के साथ सर्च अभियान चला रहे थे।

ग्रामीणों के अनुसार मुड़िया जगरूप निवासी रामबीर 10 वर्ष, गांव निरंदापुर निवासी शिवांशु 13 वर्ष, गांव सुन्नौर निवासी सुभाष 14 वर्ष दोपहर पनघैली नदी किनारे गए थे। बताया जा रहा है अचानक सुभाष का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जाने लगा। उसे बचाने के लिए शिवांशु और रामबीर भी नदी में कूद पड़े। कुछ ही पलों में तीनों बच्चे डूबने लगे। नदी किनारे मौजूद ग्रामीणों ने बच्चों को पानी में छटपटाते देखा तो चीख-पुकार मच गई। इसी दौरान वहां पर पशु चरा रहे ग्रामीणों ने नदी में छलांग लगा दी और रामबीर व सुभाष को बाहर निकाल लिया, लेकिन ग्रामीण शिवांशु का नदी के गहरे पानी में नहीं ढूंढ सके। उसका पता नहीं चल सका।

शिवांशु के लापता होने की सूचना मिलते ही उसके स्वजन बदहवास होकर नदी किनारे पहुंच गए। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ भी जमा हो गई। पुलिस भी पहुंची और ग्रामीणों के साथ लापता बच्चे की तलाश शुरू कराई। ग्रामीणों ने मामले की सूचना ग्राम प्रधान पति भोले राम कश्यप और विधायक डॉ एम पी आर्य को दी तो विधायक ने एडीआरएफ की टीमों को मौके पर बुला लिया। कुछ समय बाद एडीआरएफ की टीमों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर नदी में सर्च अभियान शुरू कर दिया।

राष्ट्रीय एकता क्लब के फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

खेल से युवाओं में बढ़ती है एकता और अनुशासन की भावना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही प्रखंड अंतर्गत खुटवाटांड (यादव टोला, विजैया) में राष्ट्रीय एकता क्लब के तत्वावधान में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का रविवार को विधिवत एवं भव्य शुभारंभ हुआ। बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव मौजूद रहे। इसके अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में जेएलकेएम केंद्रीय सचिव सह बरही विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी कृष्णा यादव, जेएलकेएम नेता महेंद्र मण्डल सहित अन्य अतिथियों ने फीता काटकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव ने कहा कि खेल आयोजनों से युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, आपसी भाईचारे एवं एकता की भावना विकसित होती है। खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करता है। वहीं जेएलकेएम नेता कृष्णा यादव ने कहा कि इस तरह के प्रतियोगिताओं के आयोजन से गांव के युवाओं को अपने हुनर दिखाने का अवसर मिलता है। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमों के लिए पंजीकरण शुल्क 1111 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता के विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में फ्रिज तथा उपविजेता टीम को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 32 इंच की एलईडी टीवी प्रदान की जाएगी। सभी मुकाबले नॉकआउट आधार पर खेले जाएंगे। मौके पर राष्ट्रीय एकता क्लब के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि, खेल प्रेमी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

घाटमपुर में पेयजल संकट से जनता परेशान, ज्ञापन सौंपने की चेतावनी

कानपुर ग्रामीण। घाटमपुर क़स्बे में पेयजल की समस्या गंभीर होती जा रही है,, पानी की समुचित आपूर्ति नहीं होने के कारण आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क़स्बे के लोगों ने नगरपालिका प्रशासन से पेयजल व्यवस्था को तत्काल दुरस्त कराने की मांग की हैं, आपको बताते चलें कि घाटमपुर क़स्बे में भीम आर्मी, आजाद समाज पार्टी, कांशीराम,की घाटमपुर टीम ने कहा कि क़स्बे की पेयजल समस्या को लेकर नगरपालिका एवं संबंधित अधिकारियों को जल्द ज्ञापन सौंपा जाएगा, टीम ने चेतावनी दी है कि यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तों जनता की आवाज को लेकर आन्दोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे घाटमपुर शेर अरविंद कुमार बौद्ध ने कहा कि जनता की समस्याएंओ को उठाना उनकी जिम्मेदारी है, पेयजल संकट के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

व्यापारी वर्ग चुनाव में भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकेगा- अनिल वैद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी ने व्यापारियों के बीच अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। रविवार को कस्बे के जयप्रकाश नगर स्थित आदित्य भवन में समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश सचिव अनिल वैद ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मौजूदा सरकार में जीएसटी की जटिलताओं से व्यापारी बुरी तरह त्रस्त है। हर कदम पर अपने हो रहे उत्पीड़न और अत्याचार से आहत व्यापारी वर्ग अब भाजपा से मुक्ति पाने के लिए चुनाव का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। सपा संगठन ने 3 सितंबर को ललितपुर में मंडल स्तरीय व्यापारी महासम्मेलन आयोजित करने का भी ऐलान किया है जिसमें हजारों की संख्या में व्यापारी सहभागिता करेंगे।

सपा व्यापार सभा के प्रदेश सचिव ने कहा कि व्यापारी अब अपने अधिकारों और समस्याओं को लेकर जागरूक हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि महा सम्मेलन में पूरे मंडल से हजारों व्यापारी शामिल होंगे और अपनी मांगों को मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। सम्मेलन में व्यापारियों पर कथित अत्याचार, जीएसटी की जटिलताओं और व्यापारी सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही सपा शासनकाल में व्यापारियों के लिए किए गए कार्यों को भी प्रमुखता से रखा जाएगा। उन्होंने कहा, व्यापारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी समस्याओं का समाधान जरूरी है। उन्होंने प्रदेश भर के व्यापारियों से सम्मेलन में बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की। वार्ता के दौरान वैद ने पूर्व की सपा सरकारों में जिले के भीतर हुए तमाम कार्यों को भी गिनाया।

यूपी टी-20 क्रिकेट मैच में शामिल होकर खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

कानपुर। आज दिनांक 30 अगस्त 2026 को ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम, कानपुर में लखनऊ फाल्कंस और गोरखपुर लायंस के बीच आयोजित यूपी टी-20 क्रिकेट मैच में अनुपम कुलश्रेष्ठ, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन, समर्पण एवं खेल भावना की सराहना की और उज्ज्वल भविष्य एवं सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक ने कहा कि खेल युवाओं में ऊर्जा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का संचार करता है तथा उन्हें उत्कृष्टता की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने यूपी टी-20 लीग के अध्यक्ष संजय कपूर, उनकी पूरी टीम और सभी टीमों के प्रशिक्षकों को भी शुभकामनाएं दीं।

आकाशीय बिजली का कहर, चार महिलाएं झुलसीं; कई घरों के विद्युत उपकरण फुंके

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/क्योलड़िया। धीमरी गांव में रविवार शाम करीब चार बजे आकाशीय बिजली गिरने से तेज धमाके के साथ अफरातफरी मच गई। हादसे में चार महिलाएं झुलस गई, जबकि कई घरों के विद्युत उपकरण और मीटर फुंक गए। घायलों को उपचार के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों के अनुसार वीरपाल के घर के सामने चौराहे के पास तेज धमाके के साथ आकाशीय बिजली गिरी। बिजली गिरने से मौके पर गड्ढा हो गया। उस समय विद्युत आपूर्ति चालू होने के कारण आसपास के कई घरों में करंट के झटके महसूस हुए और पंखे, मोबाइल समेत विद्युत उपकरण जल गए। गांव निवासी राजेश्वरी देवी घर में खाना

खा रही थीं। बिजली गिरने के झटके से वह बेहोश होकर गिर पड़ीं। दीवार का कुछ हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। परिजन उन्हें नवाबगंज के निजी अस्पताल ले गए, जहां उनकी हालत गंभीर बताई गई।

साक्षी तोमर पशुओं के लिए चारा डालने गई थीं। इसी दौरान चारा मशीन में करंट उतरने से उन्हें जोरदार झटका लगा और वह बेहोश हो गईं। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने उन्हें बरेली रेफर कर दिया। इसी तरह प्रेमवती की झोपड़ी में बिजली गिरने

से धुआं उठने लगा और विद्युत मीटर जल गया। वह भी झटका लगने से बेहोश हो गईं। मधु देवी भी बिजली का झटका लगने से गिरकर घायल हो गईं। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने गांव पहुंचकर स्थिति की जानकारी ली। गन्ना समिति उपाध्यक्ष सर्वेश कुमार ने प्रशासन से घायलों को दैवीय आपदा राहत के तहत सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। घटना के बाद गांव में देर शाम तक दहशत का माहौल रहा।

सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति पटना रोड की बैठक में पूजा को भव्य बनाने पर बनी रणनीति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- आगामी दुर्गा पूजा को भव्य एवं हर्षोल्लास के साथ मनाने को लेकर सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, पटना रोड बरही की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भुवनेश्वर साहू ने की, जबकि संचालन सामाजिक कार्यकर्ता सह सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी ने किया। बैठक में आगामी दुर्गा पूजा को पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी पूरे उत्साह, श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पूजा के सफल आयोजन, श्रद्धालुओं की सुविधा, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था सहित विभिन्न तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान पूजा आयोजन को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए नई

समिति का गठन भी किया गया। सर्वसम्मति से राजेश कुमार साव उर्फ पांडे जी को समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। वहीं सुनील कुमार साहू को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा दीपेश कुमार साहू, दीपक कुमार साहू एवं गोविंद यादव को उपाध्यक्ष बनाया गया। विशेश्वर प्रसाद को सचिव, राहुल पांडे को सह सचिव, शीतल साहू को कोषाध्यक्ष तथा रंजन कुमार को उप कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। वहीं सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी, भुनेश्वर साहू, अमित साहू, गोविंद साहू, मुखिया सिकंदर राणा, पूर्व मुखिया दिनेश साहू, नागेंद्र साव को समिति का संरक्षक मनोनीत किया गया। समिति की कार्यकारिणी में सुनील साहू, देवीलाल साहू, संतोष केशरी, सुरेश साह, प्यारे लाल साहू, विकास साहू, नितेश साहू एवं रामकुमार साहू को सदस्य के रूप में नामित किया गया।बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि दुर्गा पूजा बरही के प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में से एक है। इसे सफल बनाने के लिए समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने आगामी दुर्गा पूजा को भव्य, आकर्षक एवं हर्षोल्लासपूर्ण बनाने के लिए पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

मियागंज रेलवे साइडिंग किनारे के लोगों ने विधायक को बताई अपनी समस्या

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन ने रविवार को मियांगंज रेलवे साइडिंग के आसपास रहने वाले लोगों और वहां दुकानों का संचालन करने वाले दुकानदारों व व्यापारियों के साथ मुलाकात कर उनकी समस्या सुनी जिसमें लोगों ने रेलवे स्टेशन से मियांगंज की साइडिंग पर विभाग द्वारा दीवार बनाने की बात बताई, कहा कि अगर दीवार बनी तो दर्जनों घरों और दुकानों के दरवाजे बंद हो जाएंगे।

रेल विभाग, कोंच रेलवे स्टेशन से मियांगंज की ओर जाने वाली रेलवे की साइडिंग के किनारे फेंसिंग करने की योजना बना रहा है जिससे वहां के घरों और दुकानों की बर्बादी तय मानी जा रही है। भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल और पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता के साथ पीएम के मन की बात कार्यक्रम सुनने जवाहर नगर स्थित ज्ञानेंद्र सेठ के प्रतिष्ठान पर पहुंचे विधायक को इलाकाई लोगों व दुकानदारों ने ज्ञापन देकर बताया कि रेलवे स्टेशन से

मियागंज/रामगंज की ओर पूरब से पश्चिम दिशा में आबादी होने के कारण करीब 50 फीट चौड़ी सड़क पिछले छह दशक से सार्वजनिक रूप में प्रयोग हो रही है। इस रास्ते को रेल विभाग दीवार बनाकर अवरूद्ध करने की योजना बना रहा है। जबकि संदर्भित रास्ते के पास आबादी व व्यवसायिक क्षेत्र बड़ी अच्छी स्थिति में मौके पर है और दीवार बनाकर रास्ता अवरूद्ध करने से हजारों परिवार व व्यवसायिक दुकानें प्रभावित होंगी तथा आवागमन पूरी तरह से अवरुद्ध हो जाएगा। वहां रास्ते का और कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने विधायक से मांग की है कि व्यापक जनहित में रेल विभाग/मंत्रालय में संपर्क कर रास्ता अवरुद्ध होने से बचाया जाए। इस दौरान सेठ नासिर, अनवार अहमद, नितिन अग्रवाल, मकसूद अहमद, मोहन गुप्ता, कुलदीप, प्रमोद अग्रवाल, अर्जुन चौरसिया, अहमद कार, रवींद्र चौरसिया, गफ्फार, किशोरी लाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे। हालांकि विधायक को व्यापारियों और मियांगंज की साइडिंग के आसपास रहने वाले लोगों की समस्या की जानकारी पहले से ही थी, लिहाजा वह 30 अगस्त को ही केंद्रीय मंत्री रेल, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को इस आशय की चिट्ठी लिख चुके थे जिसमें उन्होंने मोहल्ला मियांगंज के बाशिंदों एवं व्यापारियों की समस्या से अवगत कराते हुए कहा है कि रेलवे विभाग द्वारा रास्ता अवरुद्ध कर बाउंड्रीवॉल बनाने की योजना बनाई जा रही है जिससे सैकड़ों परिवार एवं व्यापारी बर्बाद हो जाएंगे एवं भुखमरी की कगार पर पहुंच जाएंगे। विधायक ने रेलमंत्री से अनुरोध किया है कि नगरवासियों एवं व्यापारियों के हित में निर्णय लेते हुए संबंधित को निर्देश देने की कृपा करें। उन्होंने मंडल रेल प्रबंधक झांसी को भी इसकी प्रतिलिपि भेजी है।

कोंच(जालौन)- रेलवे स्टेशन पर गुड्स शेड निर्माण के बीच रेलवे अपनी जमीन के चारों ओर बाउंड्रीवॉल बनाने जा रही है। रेलवे विभाग द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार, करीब 1.17 करोड़ रुपये की लागत से 2.8 किलोमीटर लंबी और छह फीट ऊंची बाउंड्रीवॉल बनाई जाएगी। जमीन खाली कराने के लिए रेलवे की ओर से चेतावनी और नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस मिलने के बाद रेलवे की जमीन के किनारे रहने वाले कई लोगों ने अपना कब्जा हटाना शुरू भी कर दिया है। बाउंड्रीवॉल बनने की खबर के बाद आसपास रहने वाले तमाम लोगों में हड़कंप है।

पहूंज नदी में डूबे हरीशंकर का 48 घंटे बाद भी पता नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- थाना कैलिया क्षेत्र के ग्राम सलैया बुजुर्ग के नजदीक से निकली पहूंज नदी में बीते गुरुवार की शाम नहाने उतरा गांव का 28 वर्षीय युवक हरीशंकर कौरव उर्फ हरी पुत्र पहलवान सिंह का तमाम प्रयासों के बाद 48 घंटे बीत जाने पर भी पता नहीं चल सका है। वहीं सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें सलैया बुजुर्ग गांव से करीब 13 किमी दूर यूपी/एमपी बॉर्डर पर नदीगांव थाना क्षेत्र के मऊ मिहौनी के समीप नदी पर बने पुल के नीचे पानी में एक व्यक्ति तेज बहाव में आगे की ओर बहकर जाता हुआ दिखाई दे रहा है। वायरल वीडियो को लेकर कैलिया थानाध्यक्ष अवनीश पटेल ने बताया कि

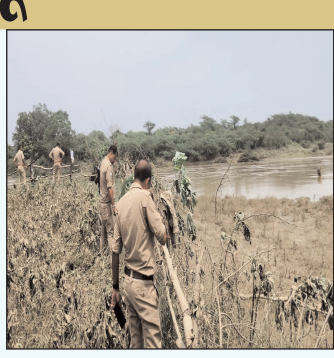

शनिवार की शाम पुल पर खड़े किसी युवक ने वह वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया है, लेकिन वीडियो बनाने वाले युवक ने तत्काल ही इसकी कोई सूचना थाना कैलिया अथवा नदीगांव पुलिस को नहीं दी। वायरल वीडियो के आधार पर रविवार को थानाध्यक्ष नदीगांव राजकुमार

● सर्च ऑपरेशन जारी, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने परिजनों की बढ़ाई चिंता

चौधरी व उन्होंने स्वयं दोनों थानों की पुलिस के साथ मिलकर मऊ मिहौनी पुल से आगे बीहड़ क्षेत्र में करीब 3 किमी तक सर्च ऑपरेशन चलाया लेकिन फिलहाल सफलता हाथ नहीं लग सकी है। थानाध्यक्ष का कहना है कि जो वायरल वीडियो है उसमें पानी के तेज बहाव में बहकर जा रहे व्यक्ति का सिर पानी में नीचे की ओर है जिससे उसकी पहचान न हो पाने पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, फिलहाल सर्च ऑपरेशन जारी है। वहीं , वायरल वीडियो को लेकर हरिकिशोर के परिजन चिंतित हैं। उधर, क्षेत्र से बाहर अन्य घटनाएं घटित होने के चलते यहां सर्च ऑपरेशन में लगी एनडीआरएफ और पीएसी की फ्लड टीम रविवार को यहां से गैर क्षेत्रों में चली गई।

गौरतलब हो कि ग्राम सलैया बुजुर्ग निवासी हरीशंकर कौरव गुरुवार की शाम करीब 6 बजे नहाने के लिए पहूंज नदी के पुल के पास जा पहुंचा था। उस समय मौके पर ही मौजूद गांव की कविता ढीमर और राघवेंद्र कौरव ने पुलिस को दी सूचना में बताया था कि उन्होंने हरीशंकर को नदी में उतरने से रोकने के लिए काफी शोर मचाया लेकिन वह नहीं माना और गुस्सा करता हुआ नहाने के लिए नदी के अंदर चला गया। चंद समय के बाद ही वह पानी में डूब गया।

हाईवे किनारे खड़े 162 वाहनों पर बड़ी कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर नगर के प्रमुख हाई-वे पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संबंधित जोन के यातायात निरीक्षकों एवं सीसी टीम प्रभारियों द्वारा हाईवे के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने, वाहन खराबी की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा संकेतक (रिफ्लेक्टर, ट्रायंगल, पार्किंग लाइट आदि) लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में जागरूक एवं निर्देशित किया गया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 162 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) के अंतर्गत नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन व वाहन चालकों से अपील की जाती है कि यातायात नियमों का पालन करें, हाईवे अथवा मुख्य मार्गों के किनारे अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा न करें तथा सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में यातायात पुलिस का सहयोग करें।

प्लस टू उच्च विद्यालय नारायणपुर में खेल-कूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- रविवार को राजकीय कृत प्लस टू उच्च विद्यालय नारायणपुर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस का साइकिल शोभायात्रा के साथ समापन हुआ। विद्यालय के विद्यार्थियों ने जन जन तक यह जागरूकता फैलाने का काम किया।इस अवसर पर पंसस पवन पोद्दार ने कहा कि खेल और अनुशासन का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ मस्तिष्क के लिए खेल का होना आवश्यक है। तीन दिवसीय विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में 80 विद्यार्थियों ने प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर पुरस्कार के भागे बने। इसके अतिरिक्त विद्यालय में प्रथम एमसी बैठक का भी आवेदन किया गया । जिसमें विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों की उपस्थिति एवं अभिभावकों के द्वारा बच्चों के बीच पुरस्कार एवं मिष्ठान वितरण किए गया। स्कूल के प्रधानाचार्य सौरभ मालवीय ने खेल के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सीएमआईएस पोर्टल पर करोड़ों की परियोजनाओं की डीएम ने की सख्त समीक्षा

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता से नहीं होगा कोई समझौता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर- जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएमआईएस पोर्टल पर प्रदर्शित एक करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली निर्माणाधीन एवं पूर्ण परियोजनाओं, क्रिटिकल गैप्स तथा पूर्वांचल निधि योजना के अंतर्गत कराए जा रहे विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की परियोजनाओं की प्रगति का बिंदुवार मूल्यांकन करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी ढंग से कार्य पूर्ण कराने के कड़े निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली विकास परियोजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विभाग सीएमआईएस पोर्टल पर परियोजनाओं की अद्यतन एवं सही जानकारी नियमित रूप से अपलोड करें, ताकि प्रगति की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सके। बैठक में एक-एक विभाग की परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति, वित्तीय प्रगति, भौतिक प्रगति तथा अवशेष कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जिन परियोजनाओं में कार्य अपेक्षित गति से नहीं चल रहा है, वहां संबंधित अधिकारियों से विलंब के कारण पूछे और उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराने की कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। क्रिटिकल गैप्स के अंतर्गत लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने भूमि उपलब्धता, तकनीकी स्वीकृति, उपयोगिता स्थानांतरण तथा अन्य प्रशासनिक अड़चनों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि परियोजनाओं की गति प्रभावित न हो। पूर्वांचल निधि योजना के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि यह योजना क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप समय से पूरा कराया जाए और प्रत्येक परियोजना की नियमित निगरानी की जाए। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को चेतावनी देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। यदि निरीक्षण के दौरान किसी परियोजना में मानकविहीन कार्य पाया गया तो संबंधित संस्था एवं उत्तरदायी अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, उनका समय से उपयोगिता प्रमाणपत्र एवं अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण की जाएं, ताकि उनका लाभ आमजन को शीघ्र प्राप्त हो सके। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक परियोजना की नियमित फील्ड मॉनिटरिंग की जाए तथा निरीक्षण के दौरान प्राप्त कमियों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की वास्तविक प्रगति धरातल पर दिखाई देनी चाहिए और जनता को योजनाओं का लाभ समय पर मिलना चाहिए। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जिले में विकास परियोजनाओं को गति देना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ करें, ताकि मीरजापुर विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हो सके।

माँ विंध्यवासिनी अवतरण तिथि पर मवैया देवी धाम में उत्सव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़, विकास खण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत मवैया में स्थित माँ विंध्यवासिनी के रूप पूजित माँ मवैया देवी धाम में जगत माता विंध्यवासिनी के अवतरण तिथि भाद्र कृष्ण द्वीतिया रविवार को प्राकट्य उत्सव धूमधाम से मनाया गया।पूरे धाम को विशेष रूप से आकर्षक रूप में सजाया गया था। इस अवसर पर माता रानी का भव्य श्रृंगार पुजारी दिनेश चौबे द्वारा किया गया था। पं बृजेश चतुर्वेदी की अगुवाई में आचार्यो के समूह द्वारा संकल्पित नव चंडी पाठ किया गया तदुपरान्त पूरे विधि विधान से हवन संपन्न हुआ। भागीरथपुर के ब्यास जी व उनके सहयोगियों द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया गया। इस अवसर पर आयोजित भण्डारा में हजारों माता भक्तों ने माता जी का दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। मुख्य यजमान अनूप सिंह पिंटू के द्वारा सभी धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण किये गये। परिसर स्थित महादेव व श्री राम मंदिर के शिखर पर पीतल के शिखर को वैदिक विधान से लगाया गया। श्रीराम लक्ष्मण, माता सीता व बजरंगबली के विग्रह की झांकी पाकर भक्त जन भाव विभोर हो रहे थे। देवी जी की विशेष आरती की गई। इस दौरान मिसिरपुरा व मवैया के युवकों ने ब्रत रख कर धार्मिक अनुष्ठान में अपनी उपस्थिति से पूरे आयोजन को पूर्ण करने में अमूल्य योगदान दिया। इस दौरान हरि निवास पाण्डेय, जिला पंचायत सदस्य के के सिंह,वासुदेव सिंह, एडवोकेट रूपेश कुमार पांडेय, एलासी के विकास अधिकारी राघवेंद्र सिंह, शिवशंकर सिंह, अजीत सिंह, संतोष सिंह, अखिलानन्द तिवारी,दीना सिंह, मनोज पाण्डेय, रुपेश सिंह, चंद्रेश विश्वकर्मा, लालू सिंह, मंगल साहनी सहित हज़ारों की संख्या में माता रानी के श्रद्धालु भक्तो ने मां का दर्शन पूजन कर प्रसाद ग्रहण किया।

अपराधियों पर अंकुश लगाना हमारी होगी पहली प्राथमिकता- नवागत एस एस आई राम किशोर

मिर्जापुर। जनपद की पुलिस अधीक्षक श्रीमती अपर्णा रजत कौशिक ने योग्यता और अनुभव को प्राथमिकता देते हुए उपनिरीक्षक राम किशोर को थाना जिगना का नया वरिष्ठ उप निरीक्षक (SSI) नियुक्त किया है। पदभार ग्रहण करने के बाद नए एसएसआई ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने का संकल्प जताया है। राम किशोर वर्ष 2015 बैच के सीधे भर्ती (डायरेक्ट) सब इंस्पेक्टर हैं। इससे पहले जिले के विभिन्न थानों में हल्का इंचार्ज और चौकी इंचार्ज के रूप में अपनी कुशल सेवाएं दे चुके हैं। उनके इसी बेहतरीन ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने उन्हें इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी है।एसएसआई राम किशोर को मिर्जापुर पुलिस विभाग में तकनीकी सुधार के लिए भी जाना जाता है। थाना राजगढ़ में तैनाती के दौरान उन्होंने ही सबसे पहले लैपटॉप से फर्द टाइप करने की आधुनिक व्यवस्था की शुरुआत की थी, जो बाद में पूरे जिले के लिए एक मिसाल बनी। एस एस आई राम किशोर बताया कि हमारी प्राथमिकता क्षेत्र में पनप रहे अपराधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाना। थाने आने वाले आम नागरिकों की वास्तविक समस्याओं का तत्काल निस्तारण करना। पीड़ित पक्षों की शिकायतों पर बिना देरी किए पारदर्शी कार्रवाई और न्याय सुनिश्चित करना।

संक्षिप्त खबरें

मां मवैया देवी सेवा समिति का वार्षिकोत्सव आयोजित

चुनार, मीरजापुर। मां मवैया देवी के मन्दिर मे प्राकट्य दिवस के अवसर पर विश्व कल्याण हेतु नव चंडी यज्ञ का आयोजन किया गयाद्य ज्योतिषाचार्य बृजेश चतुर्वेदी के नेतृत्व में नौ ब्राह्मणों नीलकमल मिश्रा, लक्ष्मीपति त्रिपाठी, करुणापति त्रिपाठी, अभयानंद त्रिपाठी, रचित शुक्ला, अनुराग मिश्रा, आशीष द्विवेदी, हेमंत उपाध्याय, शतीश दुबे द्वारा नवचंडी पाठ व हवन किया गया। तत्पश्चात संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। साथ ही भंडारे का आयोजन किया गया ,जिसमें बड़ी संख्या में महिला पुरुष व बच्चों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान अजीत सिंह, संतोष सिंह, रूपेश पांडेय, दिनेश चौबे, पिंटू सिंह, शिवशंकर सिंह, चंद्रेश, अजय आदि उपस्थित रहे।

बैंक ऑफ बडौदा में कर्मचारी नदारद,सुबह 10:30बजे तक नहीं कैश काउंटर

मऊ आइमा बैंक ऑफ बड़ौदा में सुबह 10:30 बजे तक कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। कैशियर और चेक पास करने वाले काउंटर खाली पड़े थे, जिससे ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बैंक खुलने का समय सुबह 10 बजे है, लेकिन 10:30 बजे तक भी कोई कर्मचारी अपनी सीट पर नहीं पहुंचा। दूर-दराज से आए ग्राहक सुबह 10 बजे से ही बैंक के बाहर इंतजार कर रहे थे। सुबह 10:30 बजे तक भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया। ग्राहकों ने बैंक कर्मचारियों की इस लापरवाही और मनमानी पर नाराजगी व्यक्त की। उनका कहना था कि जब उन्हें नकदी की आवश्यकता होती है, तो कर्मचारी अक्सर नदारद रहते हैं। ग्राहकों ने आरोप लगाया कि बैंक में केवल कर्मचारियों की कुर्सियां ही देखने को मिलती हैं, जबकि कर्मचारी अक्सर मौके पर अनुपस्थित रहते हैं। इस स्थिति से बैंक की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त को गिरफ्तार भेजा गया जेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। थाना चील्ह, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः28.08.2026 को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादिनी की नाबालिग पुत्री के छेड़खानी करने तथा गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना चील्ह पर मु0 अ0 सं0-193/2026 धारा 75,76,351(3),352 बीएनएस व धारा 7/8 पॉक्सो एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई।

अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा उक्त महिला सम्बन्धित अपराध की घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में घटना से सम्बन्धित अभियुक्त की गिरफ्तारी करने हेतु प्रभारी निरीक्षक चील्ह को निर्देश दिये गये। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना चील्ह पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मुकदमा उपरोक्त में पतारसी-सुरागरसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः30.08.2026 को उपनिरीक्षक मनोज कुमार सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबीर की सूचना के आधार पर चिकवा ग्राउन्ड के पास से नामजद अभियुक्त रविकान्त उर्फ मोनू पुत्र सुद्ध निवासी ग्राम पुरानाबाडा (मझिगवां) जनपद मीरजापुर अन्तर्गत धारा 64 (1),352,351(3) बीएनएस व धारा 3/4 पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय/जेल भेजा गया।

विधायक ने किया 12 लाख का कमरा महाविद्यालय को भेंट

मिर्जापुर। अहरौरा क्षेत्र के वनस्थली महाविद्यालय में रविवार का दिन महोत्सव जैसा रहा। मड़िहान विधायक रमाशंकर पटेल के द्वारा लोकार्पण कर विद्यार्थियों के लिए 12 लाख की लागत से बनी हाल समर्पित किया गया। आभार जताते हुए बनस्थली के प्रबंधक संजय भाई पटेल ने बताया कि पिछले वर्ष पठन-पाठन में छात्रों के लिए आ रही समस्या को विधायक जी से अवगत कराया गया था जिसके परिणाम स्वरूप उन्होंने 12 लाख की राशि विद्यालय के नाम अवमुक्त कराया। इसी राशि के सहयोग से कमरे का निर्माण कराया गया जिसका लोकार्पण आज विधायक जी द्वारा किया गया है। विधायक रमाशंकर पटेल अपने अभिभाषण में बताया कि मेरे द्वारा 2 वर्ष पूर्व विद्यालय के लिए 10 लाख धन अवमुक्त कराया गया था जिसे व्यय ना हो पाने के कारण वापस चला गया था, जिसका ब्याज समेत 12 लख रुपए पुनः अवमुक्त कराकर विद्यालय के विकास में सहयोग प्रदान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त गणमान्य उपस्थित रहे।

बाढ़ को लेकर प्रशासन अलर्ट, जिलाधिकारी ने किया अकोढ़ी और चौकठ का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। जनपद में संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क हो गया है। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने बाढ़ प्रभावित होने वाले संभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया जिलाधिकारी ने सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम अकोढ़ी एवं राजस्व ग्राम चौकठ का दौरा कर निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सबसे पहले दोनों गांवों के संपर्क मार्ग का जायजा लिया।उन्होंने देखा कि बाढ़ की स्थिति में संपर्क मार्ग पर जलभराव की क्या स्थिति हो सकती है। साथ ही उन्होंने गांवों के आसपास गंगा नदी के जलस्तर के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद स्थानीय ग्रामीणों से वार्ता कर जानकारी ली। लोगों ने बताया कि बाढ़ के समय संपर्क मार्ग टूटने से आवागमन में भारी परेशानी होती है। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि प्रशासन हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से पहले ही सभी एहतियाती कदम उठा लिए गए हैं। किसी भी ग्रामीण को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सदर को निर्देश करते हुए कहा कि संभावित बाढ़ को देखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित कर ली जाएं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ चौकियों को तत्काल सक्रिय किया जाए और उन पर कर्मचारियों की तैनाती की जाए। नावों की उपलब्धता, राहत सामग्री और चिकित्सा व्यवस्था पहले से दुरुस्त रखी जाए। उन्होंने कहा कि ऊंचे और सुरक्षित स्थानों को चिन्हित कर वहां अस्थायी शरणालय बनाने की तैयारी पूरी रखें। पशुओं के चारे और पीने के साफ पानी की भी पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राजस्व और बाढ़ खंड के अधिकारियों को लगातार जलस्तर पर नजर रखने को कहा। उन्होंने कहा कि अफवाहों पर ध्यान न दें, प्रशासन द्वारा दी जा रही जानकारी पर ही भरोसा करें। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी सदर महेंद्र सिंह, नायब तहसीलदार, संबंधित लेखपाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भोरी कजरहवा में सजा कुश्ती का अखाड़ा, नामी पहलवानों ने दिखाए दांव-पेंच

नेपाल के बादल थापा ने राजस्थान के कट्टपा पहलवान को चित किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुरियावां। क्षेत्र के भोरी कजरहवा गांव में कुश्ती दंगल का भव्य आयोजन किया गया। दंगल में प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ ही अन्य प्रदेशों और नेपाल से पहुंचे नामी-गिरामी पहलवानों ने अखाड़े में उतरकर अपने दमखम और शानदार दांव-पेंच का प्रदर्शन किया। पहलवानों के बीच हुए रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ कुश्ती प्रेमियों की भीड़ उमड़ी रही। जैसे-जैसे मुकाबले आगे बढ़ते गए, अखाड़े के चारों ओर दर्शकों का उत्साह भी बढ़ता गया। दंगल के दौरान नेपाल से पहुंचे पहलवान बादल थापा और राजस्थान के कट्टपा पहलवान के बीच जोरदार मुकाबला हुआ। दोनों पहलवानों ने एक-दूसरे को पटखनी देने के लिए कई दांव आजमाए, लेकिन बादल थापा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कट्टपा पहलवान को चित कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। वहीं भदोही के राणा पहलवान और हरियाणा के पहलवान के बीच भी जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। राणा पहलवान ने अपने शानदार दांव-पेंच और दमखम का परिचय देते हुए हरियाणा के पहलवान को पटखनी दी।

दंगल में गोरखपुर, अयोध्या, प्रयागराज, जौनपुर समेत प्रदेश के विभिन्न जनपदों से पहुंचे पहलवानों ने भी अखाड़े में अपनी कुश्ती कला का प्रदर्शन किया। कई मुकाबले काफी देर तक चले और पहलवानों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी। किसी मुकाबले में पहलवानों ने ताकत का प्रदर्शन किया तो कहीं उनकी तकनीक और चपलता दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनी रही। अखाड़े में जैसे ही कोई पहलवान अपने प्रतिद्वंद्वी को चित करने के लिए दांव लगाता, दर्शकों में उत्साह की लहर दौड़ जाती। तालियों की गड़गड़ाहट और उत्साहवर्धन से पूरा माहौल कुश्तीमय हो गया। ग्रामीणों ने पारंपरिक कुश्ती के रोमांच का जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य चंद्रभूषण त्रिपाठी समेत पप्पू, रामबली पांडेय, राजमणि पांडेय, बनवारी लाल यादव, शशांक मिश्रा, गोरेलाल पांडेय, रामजीत यादव, संजय दुबे, संतोष पांडेय, सचिन पांडेय, अभिषेक, दीपक सिंह समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। अतिथियों ने पहलवानों का उत्साहवर्धन करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के आयोजनों को खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

भदोही में नई जिला जेल के निर्माण को पहले चरण में 73.21 करोड़ जारी

जल्द शुरू होगी टेंडर प्रक्रिया, पीडब्ल्यूडी कराएगा निर्माण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिले में नई जिला जेल के निर्माण की दिशा में शासन ने बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश सरकार ने निर्माण के लिए प्रथम चरण में 73.21 करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी है। अब लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से जल्द ही निर्माण कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। करीब 209.18 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित नई जिला जेल मुंशीलाटपुर क्षेत्र में 60 एकड़ भूमि पर बनाई जाएगी। जेल अधीक्षक अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि नई जिला जेल के निर्माण के लिए शासन स्तर से प्रथम किस्त के रूप में 73.21 करोड़ रुपये जारी हो चुके हैं। धनराशि मिलने के बाद निर्माण प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है। जल्द ही पीडब्ल्यूडी की ओर से टेंडर जारी कर निर्माण एजेंसी का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित जेल को आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था से लैस किया जाएगा। परिसर में हाईटेक सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, डिजिटल सुरक्षा तंत्र, मजबूत परिधि दीवार, आधुनिक बैरक, प्रशासनिक भवन, चिकित्सा इकाई, रसोईघर सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे जेल परिसर की सुरक्षा और बंदियों की निगरानी व्यवस्था को और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। **574 बंदियों की होगी क्षमता** जेल अधीक्षक के अनुसार नई जिला जेल की क्षमता 574 बंदियों की होगी। वर्तमान में जिले में बंदियों की बढ़ती संख्या और बेहतर व्यवस्थाओं की आवश्यकता को देखते हुए नई जेल का निर्माण महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नई जेल के अस्तित्व में आने के बाद बंदियों के रहने, स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी सुविधाओं में सुधार होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार जेलों के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दे रही है। इसी क्रम में भदोही की नई जिला जेल को आधुनिक मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा। इसमें सुरक्षा व्यवस्था के साथ जेल प्रशासन के संचालन में तकनीक का भी बेहतर उपयोग किया जाएगा।

गंगा नदी के किनारे दोस्तों के साथ पार्टी मनाते समय युवक अचानक गहरे पानी में समाया

मिर्जापुर। जिगना थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मिश्रपुर गांव से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। यहाँ गंगा नदी के किनारे दोस्तों के साथ पार्टी मनाते समय एक युवक अचानक गहरे पानी में समा गया। घटना के बाद से ही इलाके में हड़कंप मचा हुआ है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवक अपने साथियों के साथ मिश्रपुर गांव के पास गंगा तट पर आया हुआ था। पार्टी के दौरान पैर फिसलने या गहरे पानी का अंदाजा न मिल पाने के कारण वह नदी की तेज धारा में बह गया। साथियों के शोर मचाने पर स्थानीय ग्रामीण तुरंत मौके पर इकट्ठा हो गए।प्रशासनिक मुस्तैदीःघटना की सूचना मिलते ही जिगना थाना पुलिस बिना किसी देरी के दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुँच गई। स्थानीय गोताखोरों को तुरंत नदी में उतारा गया है। पुलिस प्रशासन की देखरेख में युवक को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए युद्धस्तर पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। नदी का जलस्तर और बहाव तेज होने के कारण रेस्क्यू टीम को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमी हुई है और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात है।

ट्रैक्टर पर बैठाकर युवक से लूट करने वाले तीन गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। कस्तूरीपुर के पास ट्रैक्टर पर बैठाकर युवक से लूट करने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल, नकदी, पायल, बैग, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी, अंकपत्र व प्रमाणपत्र बरामद हुए हैं। घटना में प्रयुक्त न्यू हॉलैंड ट्रैक्टर संख्या क्70 छ्स्-6749 को भी सीज किया गया है। पुलिस के अनुसार ओडिशा के बालासोर निवासी कमलाकांत बारिक 21 अगस्त को अपनी बहन से मिलने के बाद भदोही रेलवे स्टेशन जा रहा था। कस्तूरीपुर के पास साधन नहीं मिलने पर वह सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान ट्रैक्टर सवार तीन लोगों ने उसे भदोही पहुंचाने के बहाने बैठा लिया। ग्राम रया के पास कच्चे रास्ते पर ले जाकर आरोपियों ने उसका मोबाइल, 700 रुपये नकद, बैग व अन्य सामान छीन लिया। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में सुरागरसी के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी नई बाजार में बोरिंग का काम कर रहे हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर तीनों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों में मिथुन कुमार गौतम (38) निवासी मुस्तफाबाद, थाना बक्सा, जौनपुर, अजीत गौतम (19) और कमलेश जायसवाल (22) निवासी शीतलगंज अहिरौली, थाना मड़ियाहूं, जौनपुर शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से 1,700 रुपये नकद, वीवो कंपनी का मरून रंग का मोबाइल, सफेद धातु की पायल, काला बैग, पैन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर आईडी और चार अंकपत्र/प्रमाणपत्र बरामद किए। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में बीएनएस की धारा 317(2) की बढ़ोतरी की गई। पूछताछ में आरोपी मिथुन ने पुलिस को बताया कि तीनों ने कस्तूरीपुर के पास युवक को ट्रैक्टर पर बैठाया था और ग्राम रया के पास उसका सामान छीन लिया था। नकदी आपस में बांट ली गई थी, जबकि पायल अजीत को बेचने के लिए दी गई थी। कार्रवाई करने वाली टीम में निरीक्षक बुद्धि सागर यादव, उपनिरीक्षक मोती सिंह यादव, हेड कांस्टेबल हरिकेश यादव, कांस्टेबल सेराफुल हसन, शक्तिपाल और भूपेन्द्र यादव शामिल रहे।

लूटा गया मोबाइल, नकदी, पायल, बैग व महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद

भोरी-महजूदा में ऐतिहासिक कजरी मेला आज, महिलाओं के प्रतीकात्मक झगड़े की अनूठी परंपरा

तेरहवीं सदी से चली आ रही परंपरा, सुरक्षा के लिए पुलिस व पीएसी रहेगी तैनात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुरियावां। भोरी-महजूदा गांव में दशकों से चली आ रही ऐतिहासिक कजरी मेले की परंपरा इस वर्ष भी सोमवार को निभाई जाएगी। मेले को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। खास बात यह है कि मेले में नाले के उत्तर और दक्षिण तरफ की महिलाएं आमने-सामने होकर कजरी गीत गाते हुए आपस में झगड़ा करेंगी। कुछ दूरी पर पुरुष मौजूद रहेंगे, लेकिन परंपरा के तहत वे महिलाओं के बीच नहीं जाएंगे। पुलिस, महिला पुलिसकर्मी और पीएसी के जवान भी मौके पर मौजूद रहेंगे, लेकिन इस पारंपरिक आयोजन में महिलाओं के बीच होने वाले प्रतीकात्मक झगड़े में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रविवार को सुरियावां थाने के प्रभारी निरीक्षक अश्वनी त्रिपाठी ने पुलिस बल के साथ मेला स्थल का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि मेले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। चप्पे-चप्पे पर पुलिस और पीएसी के जवान तैनात रहेंगे। भीड़ को देखते हुए पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। गांव के बुजुर्गो के अनुसार भोरी-महजूदा का कजरी मेला तेरहवीं सदी से चला आ रहा है। इस मेले ने समय के साथ कई ऐतिहासिक घटनाओं और लोक परंपराओं को अपने में समेटे रखा है। मेले में महिलाओं द्वारा कजरी गीत गाने और उसके बाद नाले के दोनों ओर से महिलाओं के बीच प्रतीकात्मक रूप से झगड़ा करने की परंपरा आज भी कायम है। इसी अनूठी परंपरा को देखने के लिए पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं।

क्या है कजरी मेले की परंपरा

ग्रामीण बुजुर्गों के मुताबिक काफी पहले एक नाई अपने ससुराल आया था। गांव की लड़कियों ने उससे कजरी गाने का आग्रह किया, लेकिन उसने गाने से इनकार कर दिया। इसके बाद लड़कियां उसे गुदगुदाने लगीं। अत्यधिक गुदगुदी के कारण उसकी मौत हो गई। घटना के बाद प्रायश्चित स्वरूप महिलाओं द्वारा कजरी गाने और प्रतीकात्मक झगड़े की परंपरा शुरू हुई, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही है। इस आयोजन में गांव की महिलाएं सामूहिक रूप से हिस्सा लेती हैं। ऐतिहासिक कजरी मेले को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह है। आसपास के गांवों के साथ ही पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। मेले में आने वाले लोगों की सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सिद्धार्थनगर: हमले में घायल युवक की 2 माह बाद इलाज के दौरान मौत, 11 लोगों पर केस दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जिले के मोहाना थाना क्षेत्र में एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां कथित मारपीट में गंभीर रूप से घायल एक अधेड़ की लगभग दो महीने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने गांव के कुछ लोगों पर हमला करने का आरोप लगाया है और अब न्याय की गुहार लगाई है। यह पूरा मामला मोहाना थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बर्डपुर नंबर-5 के टोला छोटकी बेलहरी का बताया जाता है। स्वजनों के अनुसार, 26 जून 2026 की सुबह दो बच्चों को किसी कार्य से ले जाया जा रहा था। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों ने गोलबंद होकर हमला कर दिया। परिजनों का आरोप है कि हमलावरों ने रॉड, कुल्हाड़ी, डंडे और धारदार हथियारों से हमला किया। घटना में सोनू, इरफान, अकबर अली, जमाल अहमद, कमाल अहमद और कलाम अहमद सहित कई लोग घायल हुए। बताया जा रहा है कि जमाल अहमद को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर और फिर लखनऊ रेफर किए जाने की बात परिजनों ने बताई है। परिजनों के मुताबिक, करीब दो महीने तक इलाज चलने के बाद जमाल अहमद (40) पुत्र अकबर अली की मौत हो गई। लखनऊ में पोस्टमार्टम के बाद शव को घर लाया गया। परिवार का आरोप है कि घटना को लेकर मोहाना थाने में तहरीर दी गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। मृतक के परिजन मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की हैं। इस मामले में पुलिस ने घटना वाले दिन ही 26 जून मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में कलाम अहमद की तहरीर पर मतिबुल्लाह, जुबेर, क्यूम, इमरान, रियाज, महबूद, सफीउल्लाह, आरिफ, हाफू, तौफीक और रुकसाना खातून को नामजद किया गया था। पुलिस के अनुसार आरोपियों के खिलाफ एकजुट होकर रास्ता रोकने, लाठी-डंडों से मारपीट करने, चोट पहुंचाने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। मोहाना थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले में पहले से 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज है।जमाल अहमद की मौत के बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मुकदमे में धाराएं बढ़ाई जाएंगी। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

सिद्धार्थनगर के व्यापारी के बेटे की नेपाल की नदी में डूबने से मौत, शव घर पहुंचते ही मातम में डूबा क्षेत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इटवा (सिद्धार्थनगर)। रक्षाबंधन की खुशियां लेकर नेपाल गए परिवार के लौटने की उम्मीद थी, लेकिन देर रात घर के दरवाजे पर जब 34 वर्षीय प्रभात सोनी का शव पहुंचा तो खुशियों की जगह चीख-पुकार ने ले ली। वरिष्ठ स्वर्ण व्यवसायी अवधेश सोनी के बेटे का शव देखते ही स्वजन बदहवास हो गए। घर पर मौजूद हर आंख नम थी और माहौल ऐसा कि ढांढस बंधाने पहुंचे लोग भी अपने आंसू नहीं रोक सके। कुछ देर बाद शव को अयोध्या ले जाया गया, जहां अंतिम संस्कार किया गया। इटवा निवासी प्रभात सोनी शुक्रवार को रक्षाबंधन के अवसर पर अपनी मां, बहन, छोटे भाई और मामा के परिवार के साथ नेपाल गए थे। शनिवार सुबह बुटवल में मंदिर दर्शन से पहले नदी किनारे नहाने के दौरान अचानक पानी की तेज धारा आई और पत्थर पर बैठे प्रभात को अपने साथ बहा ले गई। परिजनों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव के आगे बेबस रहे। बाद में घटनास्थल से करीब तीन-चार किलोमीटर दूर उनका शव बरामद हुआ। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद रात में शव इटवा स्थित आवास पर पहुंचा। शव देखते ही मां और पिता की आंखों के सामने जैसे दुनिया थम गई। दोनों बेटे को पुकारते हुए बिलख पड़े। पत्नी का भी रो-रोकर बुरा हाल है। कुछ दिन पहले तक रक्षाबंधन की खुशियों में शामिल परिवार अब एक ऐसे दुख के बीच खड़ा था, जिसकी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। प्रभात की चार वर्ष और डेढ़ वर्ष की दो मासूम बेटियां भी घर में थीं। अब कभी लौटकर उन्हें गोद में नहीं उठाएंगे। बच्चियों को गोद में लेकर स्वजन फूट-फूटकर रोते रहे। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें भी छलक उठीं। कुछ देर घर पर अंतिम दर्शन के बाद शव को अयोध्या ले जाया गया। वहां रात में ही अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा में स्वजन और रिश्तेदारों के साथ बड़ी संख्या में व्यापारी व कस्बावासी शामिल हुए। कस्बे में भी घटना को लेकर शोक का माहौल रहा।

आरोग्य मेले में मरीजों की जांच कर दी गई दवाएं

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। रविवार को बिस्कोहर के न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। जिसमें मेले में 106 मरीजों की जांच कर उन्हें निशुल्क दवाएं वितरित की गई। बिस्कोहर न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर सबसे अधिक मरीज सर्दी-जुकाम, खांसी और बुखार से पीड़ित मरीज रहें। न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोहड़ोरा कठौतिया रामनाथ में जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले में डॉ .राहुल कुमार 45 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा दी।इस मौके पर राकेश कुमार चौधरी फार्मासिस्ट, त्रिशुल चतुर्वेदी,धीरज राय राजू आदि रहे।

बिस्कोहर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी मन की बात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इटवा (सिद्धार्थनगर)। रविवार को नगर पंचायत बिस्कोहर में इटवा विधान सभा क्षेत्र 305 के वार्ड नंबर 06 गोविंद नगर (मधवापुर) के बूथ संख्या 35 पर नगर पंचायत के द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 137 वें एपिसोड मन की बात कार्यक्रम में उपस्थित जन समूह को सुनवाया गया। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष अजय गुप्ता, राम नरेश पासवान एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं बूथ समितियों के साथ मिलकर सुना गया। जिसमें सेक्टर संजोयक मिंटू मिश्रा, बूथ अध्यक्ष रमन श्रीवास्तव, सभासद प्रतिनिधि लाल जायसवाल, बच्चाराम पाण्डेय, पुष्पा श्रीवास्तव, बाबा तुलसीराम, अभय श्रीवास्तव, सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में टेबल पर सोते वार्ड बॉय का वीडियो पर वायरल

ऐहार स्वास्थ्य केंद्र में कर्मचारी के आराम फरमाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल-व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन कर रही है, लेकिन रविवार को ऐहार गांव स्थित नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र निकट (रेलकोच फैक्ट्री) से सामने आए एक वीडियो ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले के दौरान लापरवाही का वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में डॉक्टर कक्ष में रखी टेबल पर एक वार्डबॉय के सोने का दावा किया जा रहा है। हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि दैनिक अखबार स्वतंत्र प्रभात नहीं करता है। स्वास्थ्य मेले में मरीजों को उपचार और स्वास्थ्य सेवाएं देने की व्यवस्था की गई थी। इसी दौरान वार्डबॉय के टेबल पर सोने का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने लगा। वीडियो सामने आने के बाद स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं पर सवाल उठ रहे हैं।

इनकी भी सुनिए

डलमऊ सीएचसी अधीक्षक डॉ. नवीन कुमार ने बताया कि उन्हें वीडियो या घटना की जानकारी नहीं है। यदि इस तरह की लापरवाही सामने आती है तो मामले की जांच कराई जाएगी।

1 वर्ष में पूरी होनी थी पेयजल योजना, तीन साल बाद भी टंकी के नाम पर अधूरे पिलर

263.18 लाख की योजना अधर में, पाइपलाइन के लिए उखाड़ा 200 मीटर इंटरलॉकिंग मार्ग भी नहीं हुआ दुरुस्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

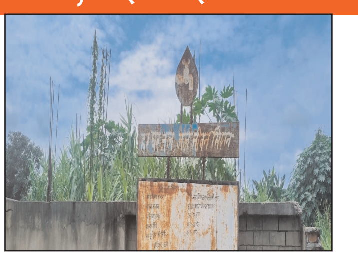

बांसी (सिद्धार्थनगर)। हर घर जल योजना के तहत ग्रामीणों को घर-घर नल से पानी पहुंचाने के लिए शुरू की गई कोटिया पाण्डेय में पेयजल योजना सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच फंसी नजर आ रही है। वर्ष 2023 में शुरू हुई योजना को एक साल में पूरा होना था, लेकिन तीन साल बाद भी गांव में पानी की टंकी के नाम पर सिर्फ अधूरे पिलर और निकली हुई सरिया दिखाई दे रही है। वहीं पाइपलाइन बिछाने के लिए उखाड़ा गया करीब 200 मीटर इंटरलॉकिंग मार्ग भी ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। योजना के मौके पर लगे बोर्ड के अनुसार कार्य 6 जून 2023 को शुरू होकर 5 जून 2024 तक पूरा होना था। योजना की लागत 263.18 लाख रुपये है। इसके तहत दो गांवों की 3034 आबादी को लाभ पहुंचाने, 560 घरों में जल संयोजन देने तथा 8303 मीटर लंबी वितरण प्रणाली बिछाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। साथ ही 200 किलोलीटर क्षमता और 14 मीटर ऊंचाई का उच्च जलाशय बनाया जाना था। लेकिन कोटिया पाण्डेय गांव के पूरब टंकी निर्माण स्थल पर स्थिति अलग कहानी बयां कर रही है। जमीन के बराबर तक ही पिलर खड़े हैं और उनके ऊपर सरिया निकली हुई है। योजना की जानकारी देने वाला बोर्ड भी जर्जर होकर गिरने की कगार पर है। उस पर लिखे महत्वपूर्ण विवरण भी अब धुंधले पड़ चुके हैं।

ट्यूबवेल लगा या नहीं, ग्रामीणों को नहीं मालूम

ग्रामीणों का कहना है कि योजना के तहत ट्यूबवेल लगाने का काम भी हुआ था, लेकिन वह सफल हुआ या नहीं, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। ऐसे में योजना कब पूरी होगी और कब घरों तक पानी पहुंचेगा, इसे लेकर ग्रामीणों में असमंजस बना हुआ है।

पानी की पाइपलाइन के लिए रास्ता खोदा, मरम्मत करना भूल

योजना के तहत कोटिया पाण्डेय की मलिन बस्ती में भूमिगत पाइपलाइन डालने के लिए करीब 200 मीटर ठीक-ठाक इंटरलॉकिंग रास्ते को खोद दिया गया। पाइपलाइन का काम होने के बाद मार्ग को पूर्ववत नहीं किया गया। इससे ग्रामीणों को आवागमन में दिक्कत हो रही है। कुछ ग्रामीणों ने अपने घरों के सामने स्वयं इंटरलॉकिंग लगाकर रास्ते को चलने लायक बनाने का प्रयास किया, लेकिन समस्या पूरी तरह दूर नहीं हो सकी।

2024 की जगह अब 2028 तक बढ़ी कार्य अवधि

जल निगम के जेई ज्योतिष चौधरी ने बताया कि कार्य में आ रहे अवरोधों के चलते योजना की कार्य अवधि वर्ष 2024 से बढ़ाकर वर्ष 2028 कर दी गई है। भुगतान में विलंब होने से भी कार्य की गति प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डालने के बाद इंटरलॉकिंग मार्ग को पूर्ववत नहीं किए जाने की जानकारी उन्हें नहीं थी। भुगतान की स्थिति चाहे जो हो, ठेकेदार से कहकर एक माह के भीतर मार्ग दुरुस्त करा दिया जाएगा।

ग्रामीणों ने उठाई शीघ्र टंकी निर्माण की मांग

ग्रामीण रामकेवल, सुग्रीव, कौलेश्वर, चीथर, भूलन, शंकर, घनश्याम शर्मा, अनिल, गुड्डू, दुर्गा, भकालू, बालकेसर, बहोरी, बगेदू, प्रकाश, अडवानी, दुर्योधन, चीनक और रामदेव आदि ने पेयजल टंकी का निर्माण शीघ्र पूरा कराने तथा पाइपलाइन के लिए बिगाड़े गए इंटरलॉकिंग मार्ग को अविलंब दुरुस्त कराने की मांग की है।

सवाल यह है कि जिस योजना से वर्ष 2024 तक घर-घर पानी पहुंचना था, उसकी मियाद अब 2028 तक क्यों बढ़ानी पड़ी? तीन साल में टंकी का निर्माण जमीन से ऊपर नहीं उठ सका तो अगले दो वर्षों में योजना पूरी होने की गारंटी कौन देगा? ग्रामीणों को नल से पानी और चलने के लिए अपना रास्ता आखिर कब मिलेगा?

फिट इंडिया मूवमेंट के उपलक्ष्य में साइकिल रैली का आयोजन

प्रतापगढ़। फिट इंडिया मूवमेंट के तहत जिला खेल कार्यालय, प्रतापगढ़ के तत्वावधान में संडे ऑन द साइकिल का आयोजन प्रात: 8 बजे किया गया।साइकिल रैली को उप क्रीड़ा अधिकारी रंजीत यादव ने स्पोर्ट्स स्टेडियम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में 'खेलेंगे-कूदेंगे,

स्वस्थ रहेंगे और नशा मुक्त समाज का संदेश दिया गया।रैली में लगभग 110 खिलाड़ियों एवं पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी और प्रशिक्षक आदित्य शुक्ला, एथलेटिक्स प्रशिक्षक शोभनाथ यादव, पूर्व अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी और प्रशिक्षक सचिन शुक्ला,फुटबॉल प्रशिक्षक बुद्ध प्रकाश,कुश्ती प्रशिक्षक अरविंद कुमार, तलवारबाजी प्रशिक्षक लवली मिश्रा,जिला क्रिकेट के आयोजन सचिव दुर्गेश तिवारी उर्फ मुन्ना ,जिम ट्रेनर विक्रम प्रताप सिंह,कंप्यूटर ऑपरेटर निखिल कुमार ने प्रतिभाग किया।इस अवसर पर उप क्रीड़ा अधिकारी रंजीत यादव ने कहा कि साइकिल चलाना सबसे अच्छा व्यायाम है, इससे शरीर स्वस्थ रहता है और पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है। कहा कि सभी युवाओं को प्रतिदिन खेलना चाहिए।

सड़क घेरकर खतरनाक तरीके से वाहन चलाते हुए स्टंटबाजी एवं रील बनाने वाले 2 अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। थाना हथिगवां क्षेत्रान्तर्गत पुरनेमऊ-बेंती मार्ग पर गुरुवार को ग्राम महेवा मोहनपुर निवासी आकाश पासी पुत्र दिनेश पासी के जन्मदिन के अवसर पर उसके भाई विकास पासी एवं अन्य साथियों द्वारा डिजायर VXI कार संख्या DL1CAH3861 एवं कई दोपहिया वाहनों से सड़क को घेरकर लापरवाही एवं खतरनाक तरीके से वाहन चलाते हुए स्टंटबाजी की गई। इस दौरान आकाश पासी एवं विकास पासी द्वारा कार की छत पर खड़े होकर रील बनाए जाने का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर प्रसारित किया गया। उक्त कृत्य से आम राहगीरों की सुरक्षा प्रभावित होने एवं यातायात बाधित होने के संबंध में थाना हथिगवां पर मु0अ0सं0 184/2026, धारा 281, 125, 292, 3(5) बीएनएस के तहत आकाश पासी पुत्र दिनेश पासी, विकास पासी पुत्र दिनेश पासी, निवासीगण महेवा मोहनपुर, थाना हथिगवां, जनपद प्रतापगढ़, डिजायर ड्क्ड्ढ वाहन संख्या ष्ठरुष्ट ॥3861 के चालक नाम-पता अज्ञात एवं अन्य कई अज्ञात दोपहिया वाहन चालक के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया।

पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना हथिगवां प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र सिंह मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र, संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग एवं विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान मुखबिर की सूचना पर दर्ज मुकदमा से संबंधित 02 अभियुक्तों आकाश पासी पुत्र दिनेश पासी एवं विकास पासी पुत्र दिनेश पासी निवासीगण महेवा मोहनपुर थाना हथिगवां जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिसकर्मी पर जानलेवा हमला व वाहन क्षतिग्रस्त करने के अभियोग में 02 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। पुलिस को 29 अगस्त को स्टेशन मोड़ के पास कुछ व्यक्तियों द्वारा मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने की सूचना मिली। सूचना पर पीआरवी कर्मी मौके पर पहुंचे। इसी दौरान अल्टो कार सवार शिवमंगल सिंह एवं राहुल सिंह द्वारा पुलिसकर्मियों से अभद्रता करते हुए राहुल सिंह द्वारा अल्टो कार को तेजी से पुलिसकर्मी को निशाना बनाकर जान से मारने की नीयत से चढ़ाने का प्रयास किया गया।पुलिसकर्मी के बच जाने पर उक्त कार द्वारा सरकारी स्कार्पियो पीआरवी वाहन में टक्कर मार दी गई, जिससे वाहन का अगला बायां दरवाजा क्षतिग्रस्त हो गया। अभियुक्तगण मौके से कार लेकर फरार हो गए। घटना के संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना देल्हूपुर पर धारा 109(1)/352/324(4)/132 बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। थाना देल्हूपुर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियोग से संबंधित अभियुक्त शिवमंगल सिंह एवं राहुल सिंह को मय घटना में प्रयुक्त अल्टो कार संख्या UP72AH3668 के गिरफ्तार किया गया।

धर्मांतरण, दुष्कर्म, धोखाधड़ी एवं धमकी के प्रकरण में अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। प्रार्थिनी की तहरीर के आधार पर आरोप है कि अभियुक्त गुलफान शेख द्वारा शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया, जिससे वह गर्भवती हुई और जबरन गर्भपात कराने, धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने एवं धर्म परिवर्तन कराने, निकाह न करने तथा उसके सोने के आभूषण एवं नकदी हड़पने का आरोप है। साथ ही अभियुक्त द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार कर फर्जी नाम से आधार कार्ड बनवाने तथा विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। प्रकरण में थाना कोहंडौर पर विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम-2021 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया था। संबंधित मुकदमे में वांछित अभियुक्त गुलफान शेख पुत्र गुलाम मोहम्मद निवासी ग्राम पूरे रामदेव नरहरपुर थाना कोहंडौर जनपद प्रतापगढ़ उम्र करीब 27 वर्ष को बरौली नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया।

गैर जमानती वारंट में वांछित वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना पट्टी पुलिस द्वारा मा0 न्यायालय एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज, कोर्ट नं0-02 द्वारा जारी वारंट के अनुपालन में सेशन ट्रायल संख्या 198/2016 संबंधित मुकदमा से संबंधित वारंटी अभियुक्त जीतलाल बनवासी पुत्र स्व0 रघुनाथ बनवासी, उम्र करीब 52 वर्ष, निवासी ग्राम हरिपुर बरदैता, थाना पट्टी, जनपद प्रतापगढ़ को रविवार को उसके घर के बाहर से गिरफ्तार किया गया।

सीएचसी में लगी एआई आधारित डिजिटल एक्सरे मशीन, अब वार्ड और आईसीयू में भी मिलेगी सुविधा

लालगंज (रायबरेली)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में मरीजों की सुविधा के लिए नई मोबाइल डिजिटल एक्सरे यूनिट लगाई गई है। यह अत्याधुनिक और एआई आधारित मशीन है। इससे मरीजों को पहले की तुलना में अधिक स्पष्ट और बेहतर गुणवत्ता की एक्सरे इमेज मिलेगी। सीएचसी में पहले से लगी एक्सरे मशीन सेमी डिजिटल थी। नई मशीन पूरी तरह डिजिटल है। इसमें पहिए लगे हैं। इससे जरूरत पड़ने पर मशीन को वार्ड और आईसीयू तक आसानी से ले जाया जा सकता है। गंभीर रूप से घायल या भर्ती मरीजों को अब एक्सरे के लिए एक्सरे रूम तक ले जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एक्सरे टेक्नीशियन सहायक हर्ष ने बताया कि नई मशीन पूरी तरह सुरक्षित है। इसमें बहुत कम रेडिएशन निकलता है। इससे मरीजों और एक्सरे करने वाले तकनीशियनों दोनों को रेडिएशन के खतरे से काफी हद तक बचाव मिलेगा।सीएचसी अधीक्षक डॉ. अमल पटेल ने बताया कि नई डिजिटल एक्सरे मशीन शुरू होने से अस्पताल में जांच सुविधा और बेहतर होगी। इससे मरीजों को सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाली एक्सरे सेवा मिल सकेगी।

राजकुमार पंथ उर्फ छन्नू हत्याकांड में बड़ी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। चर्चित राजकुमार पंथ उर्फ छन्नू हत्याकांड में कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी एवं कथित गैंगलीडर सम्यक राजनायक उर्फ राही जैन समेत तीन आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाजविरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने गिरोह बनाकर हत्या जैसे गंभीर अपराध को अंजाम दिया और उनके भय एवं आतंक के चलते आम लोगों में असुरक्षा का माहौल बना हुआ था। जिलाधिकारी ललितपुर द्वारा अनुमोदित गैंगचार्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक गैंग में गुरुनानक धर्मशाला के सामने, सिविल लाइन निवासी सम्यक राजनायक उर्फ राही जैन पुत्र राजीव कुमार को गैंगलीडर बताया गया है। इसके अलावा वर्णी कॉलेज के पीछे निवासी गौरव रैकवार पुत्र रामप्रसाद तथा पुराना सूचना केंद्र के पास निवासी गजेन्द्र नरवरिया उर्फ गजेन्द्र सिंह राजपूत पुत्र स्व. सुखदयाल को गिरोह का सक्रिय सदस्य बताया गया है। यह मामला 13 जून 2026 की घटना से जुड़ा है। मृतक राजकुमार पंथ उर्फ छन्नू की मां गजरा पैलेस के पास सिविल लाइन निवासी राधाबाई पत्नी दिनेश पंथ ने घटना के अगले दिन 14 जून 2026 को कोतवाली पुलिस को तहरीर दी थी। तहरीर के अनुसार उनका करीब 25 वर्षीय पुत्र राजकुमार पंथ 13 जून की सुबह करीब 10 बजे घर से निकला था। राजकुमार का सम्यक राजनायक उर्फ राही जैन के यहां आना-जाना बताया गया था। देर रात तक जब राजकुमार घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान परिजनों को जानकारी मिली कि राही जैन ने अपने साथियों गौरव रैकवार और गजेन्द्र राजपूत के साथ मिलकर राजकुमार के साथ मारपीट की है। परिजन जब मौके पर पहुंचे तो राजकुमार राही जैन के घर के पास अचेत अवस्था में पड़ा मिला। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस की विवेचना में सामने आए तथ्यों के अनुसार आरोपियों ने राजकुमार के सिर और शरीर पर स्टील की रॉड से ताबड़तोड़ वार किए थे। आरोप है कि गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार घटना के बाद साक्ष्य मिटाने का प्रयास भी किया गया। शव को सीढ़ियों से घसीटकर बाहर फेंकने तथा फर्श पर लगे खून को साफ करने की बात भी विवेचना में सामने आई। मामले में थाना कोतवाली में मु.अ.सं. 662/2026, धारा 103(1) बीएनएस एवं 3(2)वी एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों नामजद आरोपियों को 14 जून 2026 को ही गिरफ्तार कर लिया था। विवेचना के दौरान मामले में धारा 238 बीएनएस की बढ़ोतरी की गई। पुलिस के अनुसार विवेचना में पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद 4 जुलाई 2026 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया था। पुलिस के अनुसार विवेचना एवं उपलब्ध आपराधिक तथ्यों के आधार पर आरोपियों की गतिविधियां संगठित गिरोह के रूप में सामने आईं। पुलिस का आरोप है कि गिरोह के सदस्य भौतिक एवं आर्थिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से गंभीर अपराध करने के अभ्यस्त हैं। इनके कथित भय और आतंक के कारण आम लोग इनके खिलाफ शिकायत या गवाही देने से डरते हैं। इन्हीं तथ्यों और जिलाधिकारी द्वारा अनुमोदित गैंगचार्ट के आधार पर कोतवाली पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 की धारा 2/3 के तहत नया मुकदमा दर्ज किया है।

एम्बुलेंस में आए चोर, नई तहसील के पीछे से 14 बकरियां चोरी

देर रात सफेद एंबुलेंस में सवार होकर पहुंचे 3-4 अज्ञात लोग

ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र में चोरी की एक अनोखी वारदात सामने आई है। आरोप है कि चोर सफेद रंग की एंबुलेंस लेकर पहुंचे और नई तहसील के पीछे बंधी करीब 14 बकरियां वाहन में लादकर फरार हो गए। घटना की जानकारी सुबह होने पर पशुपालक को हुई। पीड़ित ने थाना कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर आरोपियों की तलाश में जुटी है। आजाद चौक नदीपुरा निवासी तौसीफ रजा पुत्र मु.इरशाद ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह बकरा-बकरी पालन कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। उसकी बकरियां नई तहसील के पीछे एक स्थान पर बंधी रहती थीं। पीड़ित के अनुसार 30 अगस्त 2026 की देर रात करीब 12.04 बजे तीन से चार अज्ञात व्यक्ति एक सफेद रंग की एंबुलेंस लेकर वहां पहुंचे। आरोप है कि इन लोगों ने उसकी करीब 14 बकरियों को एंबुलेंस में लादा और मौके से फरार हो गए। सुबह जब तौसीफ रजा वहां पहुंचा तो बकरियां गायब मिलीं।

स्वास्थ्य केंद्र की जमीन पर बवाल, दो पक्ष आमने-सामने

अधिकारियों के समक्ष हाथापाई की नौबत,दो पक्ष आमने-सामने

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुपौल। प्रखड़ के जदिया में प्रस्तावित स्वास्थ्य केंद्र के लिए जमीन उपलब्ध कराने का मामला विवादों में घिरता जा रहा है। गुरुवार को वार्ड-11 में प्रस्तावित स्थल के निरीक्षण के दौरान जमीन और रास्ते के पुराने विवाद को लेकर मुखिया पक्ष और पूर्व मुखिया पक्ष आमने-सामने आ गए। दोनों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद हाथापाई की नौबत आ गई।हथियार को जुटाने की बात होने लगी। इससे मौके पर कुछ देर अफरातफरी की स्थिति रही। अधिकारियों के हस्तक्षेप और पुलिस के पहुंचने के बादजैसे तैसे मामला शांत हुआ। स्वास्थ्य केंद्र के लिए प्रस्तावित जमीन के स्वामित्व को लेकर अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। वहीं, जमीन पर वर्षों से रह रहे महादलित परिवारों ने भी प्रशासन के समक्ष अपना पक्ष रखा। स्थानीय लोगों का दावा है कि उनके पूर्वज करीब सौ वर्षों से यहां रह रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य केंद्र निर्माण से पहले उनके

पुनर्वास का मुद्दा भी सामने आया है।

25 अगस्त की बैठक में भी गरमा चुका है मामला जमीन उपलब्ध कराने का मुद्दा 25 अगस्त को प्रखंड बीस सूत्री समिति की बैठक में भी गरमा चुका था। बैठक में बीस सूत्री सदस्य संजय अग्रवाल और सीओ प्रियंका सिंह के बीच तीखी बहस हुई थी। इसके बाद गुरुवार को बीडीओ परमानंद प्रसाद, सीओ प्रियंका सिंह, बीपीआरओ मनीष कुमार और अंचल अमीन की टीम स्थल निरीक्षण करने पहुंची थी। **स्वामित्व को लेकर अलग-अलग दावे** स्थानीय निवासी विद्यानंद यादव ने दावा किया कि संबंधित जमीन संजय अग्रवाल के पूर्वजों द्वारा काफी पहले बेची जा चुकी है और उनका परिवार 70-75 वर्षों से वहां खेती करता आ रहा है। वहीं संजय अग्रवाल ने जमीन को अपने पूर्वजों की बताते हुए कहा कि वहां रह रहे लोग उनके रैयत हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र बनने पर वहां रह रहे परिवारों को अन्यत्र बसाने की व्यवस्था की जाएगी।

रास्ते को लेकर भी हुआ विवाद

निरीक्षण के दौरान रास्ते के पुराने विवाद को लेकर पूर्व जिप सदस्य श्याम यादव और उमेश प्रसाद यादव के बीच कहासुनी हो गई। मामला बढ़ने पर हाथापाई की नौबत आ गई। इसी बीच संजय अग्रवाल के पहुंचने पर माहौल फिर तनावपूर्ण हो गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया और पुलिस को बुलाया गया। सीओ प्रियंका सिंह ने बताया कि टीम सभी पक्षों के साथ प्लॉट का निरीक्षण करने गयी थी। जमीन पर करीब सौ वर्षों से भूमिहीन महादलित परिवार रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि रास्ते की सुविधा नहीं होने और पीछे गड्ढा होने के कारण पूर्व में इस जमीन को पशु चिकित्सालय के लिए भी अनुपयुक्त बताया गया था। निरीक्षण के दौरान कहासुनी के बाद पुलिस को बुलाया गया, जिसके बाद स्थिति सामान्य हुई। वहीं, बीडीओ परमानंद प्रसाद ने कहा कि जमीन के वास्तविक स्वामित्व की जांच के बाद ही आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी।

बैठक या हंगामे का मंच त्रिवेणीगंज में बैठकों में लगातार गरम हो रहा माहौल

सावन में बारिश नहीं हुई, लेकिन बैठकों में खुलकर बरसीं अंचलाधिकारी मैडम!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

त्रिवेणीगंज। सावन के महीने में भले ही आसमान से खुलकर बारिश नहीं हुई, लेकिन त्रिवेणीगंज की बैठकों में अंचलाधिकारी मैडम के तेवर जरूर खूब बरसे। अगस्त महीने में आयोजित पंचायत समिति और बीस सूत्री की बैठकों में जनप्रतिनिधियों और अंचलाधिकारी के बीच तीखी बहस और हंगामा चर्चा का विषय बना हुआ है। **5 अगस्त को पंचायत समिति की बैठक में हुआ विवादः** जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के दौरान समिति सदस्य अशोक यादव और कोरियापट्टी पूर्वी पंचायत के मुखिया राजेश यादव के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। मौके पर मौजूद अधिकारियों और थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। बैठक में कुछ सदस्यों ने अंचलाधिकारी प्रियंका सिंह के पदस्थापन के बाद अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार बढ़ने का आरोप लगाया। सदस्यों का आरोप था कि कई हल्का कर्मचारियों के पास निजी मुंशी काम कर रहे हैं और दाखिल-खारिज, परिमार्जन व जमीन मापी जैसे कार्यों में कथित तौर पर बिना नजराने के काम नहीं होता।

25 अगस्त को बीस सूत्री की बैठक में फिर गरमाया माहौलः प्रखंड परिसर स्थित स्वच्छता कार्यालय में मंगलवार को आयोजित बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक भी हंगामेदार रही। बैठक की अध्यक्षता मोहम्मद कमाल खान ने की, जबकि संचालन बीडीओ परमानंद प्रसाद ने किया।

जदिया स्वास्थ्य उपकेंद्र की जमीन को लेकर सीओ से भिड़े सदस्यः बैठक में सदस्य संजय अग्रवाल ने जदिया स्वास्थ्य उपकेंद्र के लिए दान में दी जा रही जमीन की मापी नहीं कराने का आरोप अंचलाधिकारी प्रियंका सिंह पर लगाया। उन्होंने कहा कि मामले को जानबूझकर लंबित रखा जा रहा है। इस पर सीओ ने बताया कि प्रस्तावित जमीन विवादित है और वहां दलित भूमिहीन परिवारों के घर बने हुए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य उपकेंद्र के लिए दूसरी सरकारी जमीन उपलब्ध कराने की बात कही। इसी मुद्दे को लेकर सीओ और सदस्य के बीच तीखी बहस हो गई। मामला बढ़ता देख अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर स्थिति संभाली। कई सदस्यों ने सीओ के कथित तीखे तेवर और शब्दों पर आपत्ति जताते हुए उन्हें वापस लेने की मांग भी की।

बैठकों के हंगामे ने बढ़ाई चर्चा- लगातार दो बैठकों में हुए विवाद के बाद त्रिवेणीगंज में अब यही चर्चा है कि सावन में बारिश भले ही कम हुई हो, लेकिन बैठकों में अंचलाधिकारी के तेवर जरूर खूब बरसे। हालांकि, भ्रष्टाचार से जुड़े लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

आरएसएम स्कूल के प्राचार्य पर अनियमितताओं के आरोप, जांच की मांग

जन सुराज जिलाध्यक्ष ने जिलाधिकारी को सौंपा आवेदन, उच्चस्तरीय जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुपौल। जिला मुख्यालय स्थित आरएसएम पब्लिक स्कूल के प्राचार्य रतीश कुमार पर अनैतिक गतिविधियों, नियुक्तियों में अनियमितता और वित्तीय गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। जन सुराज पार्टी के जिलाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने रविवार को प्रेस वार्ता कर आरोपों को सामने रखा और जिलाधिकारी को आवेदन देकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की। अनिल कुमार सिंह ने आरोप लगाया कि प्राचार्य द्वारा पद का दुरुपयोग कर कई नियुक्तियां की गईं तथा विद्यालय की वित्तीय एवं प्रशासनिक व्यवस्था में अनियमितताएं बरती गईं। उन्होंने दावा किया कि पूर्व में भी शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक अपेक्षित जांच नहीं हुई। उन्होंने प्राचार्य की नियुक्ति प्रक्रिया, शिक्षकों को हटाने, समन्वयक पद पर नियुक्ति, छात्रावास संचालन, सामग्री खरीद, जूता बिक्री तथा विद्यालय के वित्तीय अभिलेखों को लेकर भी सवाल उठाए। साथ ही विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या और सीबीएसई के मानकों के अनुपालन की जांच कराने की मांग की। अनिल सिंह ने कहा कि विद्यालय के बैंक खाते, रोकड़ बही, बहीखाते, भुगतान रसीद, खरीद बिल और अन्य वित्तीय अभिलेखों की स्वतंत्र जांच से वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है। उन्होंने जिलाधिकारी से सरकारी अधिकारियों की विशेष जांच टीम गठित कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 10 दिनों के भीतर प्राचार्य के विरुद्ध कार्रवाई नहीं हुई तो जन सुराज पार्टी आंदोलन करेगी। हालांकि लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और प्राचार्य व विद्यालय प्रबंधन का पक्ष सामने आना बाकी है।

स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस रेटिंग में शंकरदेव एलपी स्कूल राज्य में अव्वल

5- स्टार रेटिंग से बढ़ाया श्रीभूमि का गौरव, प्रधानाध्यापक नसीम उद्दीन सम्मानित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि संवाददाता। स्वतंत्र प्रभातः स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस रेटिंग (SHWR) 2025 में श्रीभूमि के पीएम श्री 1367 नंबर शंकरदेव एलपी स्कूल ने राज्य स्तर पर सर्वोच्च 5-स्टार रेटिंग हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। विद्यालय की इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए प्रधानाध्यापक नसीम उद्दीन को विशेष प्रशस्ति पत्र (Certificate of Appreciation) प्रदान कर सम्मानित किया गया। गत शनिवार, 29 अगस्त को श्रीभूमि के डिप्टी इंस्पेक्टर ऑफ स्कूल्स कार्यालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक नसीम उद्दीन को औपचारिक रूप से यह सम्मान प्रदान किया गया। प्रशस्ति पत्र में विद्यालय द्वारा स्वास्थ्य एवं कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के

साथ-साथ समग्र कार्यप्रणाली में बेहतर उपलब्धि हासिल करने की सराहना की गई है।

विद्यालय की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में प्रधानाध्यापक नसीम उद्दीन के सम्मान में अभिनंदन सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रीभूमि जिला प्राथमिक शिक्षक सम्मिलनी के अध्यक्ष अजमल हुसैन, सह-अध्यक्ष लिपि देब, समरेंदु कुमार पाल, पूर्व सचिव गौरीश राय, सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष अब्दुल बासित, राज्यिक सदस्य प्रशांत कुमार पाल तथा सीआरसीसी चयन बनिक सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने विद्यालय की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता प्रधानाध्यापक, सहायक शिक्षक-शिक्षिकाओं, सीआरसीसी, विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा पूरे विद्यालय परिवार के सामूहिक प्रयास और अथक परिश्रम का परिणाम है।

वक्ताओं ने कहा कि विद्यालय की यह उपलब्धि सभी सदस्यों की निष्ठा, अनुशासन और निरंतर प्रयास को दर्शाती है। डिप्टी इंस्पेक्टर ऑफ स्कूल्स कार्यालय की ओर से भी विद्यालय के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य में इस उपलब्धि की निरंतरता बनाए रखने की शुभकामनाएं दी गईं। शंकरदेव एलपी स्कूल की इस उपलब्धि से पूरे श्रीभूमि जिले में खुशी का माहौल है। क्षेत्र के शिक्षाप्रेमी लोगों सहित विभिन्न वर्गों के लोगों ने प्रधानाध्यापक नसीम उद्दीन, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोल्लासपूर्ण मनाने की हो रही मनोयोगपूर्वक तैयारी

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर प्रखंड मुख्यालय पाकुड़िया सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह दिखने लगा है। 4 सितंबर को जन्माष्टमी महोत्सव आकर्षक ढंग से मनाए जाने के लिए पाकुड़िया के राम-सीता मंदिर की साफ-सफाई व रंग-रोगन किए जा रहे हैं। इसके बाद मंदिर व परिसर की सजावट रंग-बिरंगी बिजली झालरों से की जानी है। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तगण विशेष रूप से कन्याएं एवं महिलाएं उपवास करती हैं। कृष्ण कन्हैया के प्रकट होने के बाद मंगल गीत गाए जाते हैं तथा भगवान की पूजा-अर्चना की जाती है। इसके बाद प्रसाद ग्रहण कर भक्तगण अपने घरों को प्रस्थान करते हैं। जन्माष्टमी को लेकर पाकुड़िया प्रखंड के नूनाडंगाल राधानगर सहित पूरे प्रखंड में उत्साह का माहौल दिख रहा है। जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर पाकुड़िया पुलिस प्रशासन भी सतर्क है।

दनुआ घाटी में एक रात तीन हादसे, खाई में गिरा ट्रक; चालक-खलासी की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- दनुआ घाटी में बीती रात सड़क हादसों का सिलसिला देखने को मिला। एक ही रात में घाटी में एक के बाद एक तीन सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इनमें सबसे भीषण हादसे में एक अनियंत्रित ट्रक करीब 60 फीट गहरी खाई में जा गिरा। दुर्घटना में चालक अरविंद कुमार की मौत हो गई, जबकि घंटों चले राहत-बचाव अभियान के बाद उपचालक का शव भी बरामद किया गया। वहीं दो अन्य हादसों में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। **डस्ट लदा ट्रेलर गड्ढे में पलटा** पहली दुर्घटना दनुआ घाटी के एक तीखे मोड़ के समीप हुई। यहां डस्ट लदा एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में पलट गया। हादसे में वाहन चालक और उपचालक बाल-बाल बच गए। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पोर्टेबल ऑफिस केबिन लदा ट्रेलर दुर्घटनाग्रस्त दूसरी दुर्घटना जोड़राहीह पुल के समीप हुई। रांची से पटना जा रहा पोर्टेबल ऑफिस केबिन लदा ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरा। हादसे में चालक जगदीश दास (42), बरही और उपचालक रामेश्वर

रविदास (25), कोडरमा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को तत्काल चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। तीसरा और सबसे भयावह हादसा रविवार की सुबह करीब 4 बजे हुआ। झारखंड से बिहार की ओर जा रहा एक ट्रक दनुआ घाटी में अनियंत्रित होकर बड़े नाले में करीब 60 फीट नीचे जा गिरा। हादसे की सूचना मिलते ही चोरदाहा पिकेट प्रभारी नीतीश कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। भारी मलबे के बीच फंसे चालक अरविंद कुमार (30), छपरा-भोजपुर को गंभीर हालत में बाहर निकाला गया और इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। हालांकि चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस और राहत दल ने घंटों तक अभियान चलाकर ट्रक के केबिन में दबे उपचालक के शव को बाहर निकाला। मृत उपचालक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। **पांच घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया शव** उपचालक का शव मलबे में बुरी तरह दबा हुआ था। करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला जा सका। क्रेन की मदद से रस्सी बांधकर करीब 60 फीट गहरी खाई से शव को ऊपर लाया गया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के लिए यह दृश्य बेहद झकझोर देने वाला रहा। लगातार हो रहे हादसों ने एक बार फिर दनुआ घाटी की सड़क सुरक्षा व्यवस्था और दुर्घटना रोकने के उपायों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घाटी में तीखे मोड़, गहरी खाइयों और भारी वाहनों की आवाजाही के कारण लगातार दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से घाटी में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, दुर्घटना संभावित स्थानों पर प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था और सड़क निर्माण एवं रखरखाव की निगरानी की मांग की है। एक ही रात में तीन हादसों ने दनुआ घाटी में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह दुर्घटना संभावित मार्ग आगे भी लोगों की जान के लिए खतरा बना रहेगा।

चौपारण में अफीम तस्करों और पुलिस के बीच मुठभेड़, एक घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग जिले के चौपारण थाना क्षेत्र में शनिवार को अफीम की खरीद-बिक्री के लिए पहुंचे तस्करों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दो अन्य आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने करीब 10 किलो 100 ग्राम अफीम एवं अफीम कट, एक देसी कट्टा, एक जिंदा गोली, एक खोखा, एक नीले रंग की स्न्रह्म्श्ठ्ठद्ब× कार, बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

गुप्त सूचना पर पुलिस ने शुरू की निगरानी पुलिस के अनुसार, 29 अगस्त 2026 को हजारीबाग पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि चौपारण थाना क्षेत्र में कुछ लोग अफीम की खरीद-बिक्री के लिए पहुंचने वाले हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने तत्काल सूचना का सत्यापन कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश चौपारण थाना प्रभारी को दिया। निर्देश के बाद चौपारण थाना प्रभारी पुअनि पंकज कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के संभावित स्थानों पर निगरानी शुरू कर दी। इसी दौरान हथियाबाबा मंदिर के आसपास संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी

मिलने पर पुलिस टीम ने छापामारी अभियान चलाया। छापामारी के दौरान पुलिस टीम ने एक नीले रंग की फरोनिक्स कार और बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल के साथ तीन लोगों को संदिग्ध अवस्था में देखा। पुलिस ने घेराबंदी कर कार्रवाई शुरू की, जिसमें दो आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया गया। वहीं, तीसरा आरोपी पुलिस को चकमा देकर जंगल की ओर भागने लगा। पुलिस बल ने उसका पीछा किया। पुलिस के मुताबिक, जंगल की ओर भाग रहे आरोपी ने अचानक पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पेट के बाएं हिस्से में गोली लग गई और वह घायल होकर मौके पर गिर पड़ा।

घायल आरोपी को रिम्स भेजा गया घायल आरोपी की पहचान अजय कुमार सिंह, पिता मुनेश सिंह साव, निवासी चांपी, थाना बाराचट्टी, जिला गया (बिहार) के रूप में हुई है। पुलिस अभिरक्षा में उसे प्राथमिक उपचार कराया गया। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए उसे रांची स्थित रिम्स भेज दिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की हुई पहचान मौके से गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों की पहचान आकाश हर्ष राज उर्फ ऋतिक कुमार, पिता राजकुमार दांगी, निवासी उटा मोड़, थाना सदर, जिला चतरा तथा सोनू कुमार, पिता संजय कुमार, निवासी पाली काहूदाग, थाना बाराचट्टी, जिला गया (बिहार) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 10 किलो 100 ग्राम अफीम एवं अफीम कट बरामद किया। इसके अलावा एक देसी कट्टा, एक जिंदा गोली और एक खोखा भी मिला है। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही फरोनिक्स कार और बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल को भी पुलिस ने जब्त कर लिया। तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बरामद अफीम कहां से लाई गई थी और इसकी सप्लाई कहां की जानी थी। साथ ही इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों और पूरे तस्करी नेटवर्क में उनकी भूमिका की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पूरी कार्रवाई में चौपारण थाना प्रभारी पुअनि पंकज कुमार, पुअनि कुणाल किशोर, सअनि बदल महतो सहित चौपारण थाना के सशस्त्र बल शामिल रहे। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

पुलिस का क्रिकेट मुकाबला, एसडीपीओ बड़कागांव की टीम ने 33 रन से दर्ज की जीत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर खेलेगा भारत, जीतेगा भारत अभियान के तहत हजारीबाग पुलिस की ओर से टेनिस बॉल क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग के निर्देश पर आयोजित इस मुकाबले में पुलिस विभाग के वरीय पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों की संयुक्त दो टीमों ने हिस्सा लिया। मैच का आयोजन रविवार को सुबह 9 बजे न्यू संत कोलम्बस कॉलेज ग्राउंड, हजारीबाग में किया गया। मुकाबले में एक टीम की कप्तानी अपर पुलिस अधीक्षक हजारीबाग तथा दूसरी टीम की कप्तानी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी

बड़कागांव ने की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी एसडीपीओ बड़कागांव की टीम ने निर्धारित 15 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 147 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। बड़कागांव टीम की ओर से इकरामुल ने महज 13 गेंदों में शानदार 35 रन बनाए। वहीं पवन सिंह ने 12 गेंदों में 24 रन और संजीव ने 22 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। गेंदबाजी में जीतेन्द्र विश्वकर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 3 ओवर में मात्र 13 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। 147 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अपर पुलिस अधीक्षक हजारीबाग की टीम निर्धारित 15 ओवर में 9 विकेट खोकर 114 रन ही बना सकी। टीम की ओर से आशुतोष ने सर्वाधिक 47 रन बनाए, जबकि जीतू ने 23 रन और कप्तान अमित कुमार ने नाबाद 11 रनों का योगदान दिया। बड़कागांव टीम की ओर से गेंदबाजी करते हुए पवन सिंह, राजीव और अरुण ने 2-2 विकेट हासिल किए। इस तरह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बड़कागांव की टीम ने अपर पुलिस अधीक्षक हजारीबाग की टीम को 33 रनों के बड़े अंतर से हराकर मुकाबला अपने नाम किया और विजेता बनने का गौरव हासिल किया। मैच के दौरान न्यू संत कोलम्बस कॉलेज ग्राउंड में बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे। पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों के बीच हुए इस रोमांचक मुकाबले ने खेल भावना और आपसी सौहार्द का संदेश दिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में हजारीबाग जिला क्रिकेट एसोसिएशन का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित इस आयोजन का उद्देश्य पुलिसकर्मियों में खेल के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और टीम भावना को प्रोत्साहित करना रहा।

जेएसएससी-सीजीएल मामले में सीआईडी की बड़ी कार्रवाई, दो सगे भाई गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली और अनियमितताओं की जांच कर रही सीआईडी की कार्रवाई लगातार तेज हो रही है। इसी क्रम में सीआईडी की टीम ने दूसरी बार हजारीबाग के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत पौता गांव में छापेमारी कर प्रदीप कुमार यादव और उसके सगे भाई लल्लू यादव को गिरफ्तार किया। दोनों को पूछताछ के लिए टीम अपने साथ रांची ले गई। बताया जाता है कि इससे पहले 3 अगस्त को जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में कथित गड़बड़ी की जांच के दौरान सीआईडी ने पौता निवासी राजेंद्र यादव के घर पर छापेमारी की थी। उस दौरान प्रदीप कुमार यादव और लल्लू यादव से करीब पांच घंटे तक पूछताछ की गई

थी। छापेमारी में जांच टीम को कई महत्वपूर्ण दस्तावेज मिलने की बात सामने आई थी। इनमें सफल अभ्यर्थियों से संबंधित नाम, चेकबुक और जमीन से जुड़े दस्तावेज शामिल बताए जा रहे हैं। सीआईडी इन दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों का मिलान कर जांच आगे बढ़ा रही है। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद दोनों भाइयों की गिरफ्तारी की गई है। मामले में हजारीबाग के एक कोचिंग संस्थान की भूमिका भी जांच के दायरे में बताई जा रही है। कुछ दिन पूर्व सीआईडी ने संस्थान में छापेमारी कर दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए थे। इनसे मिले तथ्यों की अन्य साक्ष्यों के साथ जांच की जा रही है।बपौता में कार्रवाई से एक दिन पहले सीआईडी ने धनबाद से सफल अभ्यर्थी दीपक कुमार साव, विजय कुमार तिवारी और आनंद कुमार सिंह को गिरफ्तार किया था। वहीं बिहार के आरा से उमेश कुमार राय को भी गिरफ्तार किया गया। सीआईडी अब तक रांची, हजारीबाग, पलामू, बोकारो, धनबाद और बिहार के आरा समेत कई स्थानों पर करीब 25 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है। टीम दस्तावेजों, बैंकिंग रिकॉर्ड और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच कर कथित परीक्षा गड़बड़ी के नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। जांच जारी है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां व खुलासे होने की संभावना है।

जंतर-मंतर जनचेतना का आधुनिक प्रतीक, समाज मुद्दों के आधार पर करता है समर्थन : सुरेंद्र कुमार गुप्ता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद के इंद्रप्रस्थ प्रांत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि भारतीय समाज की विशेषता रही है कि वह किसी व्यक्ति या संगठन के बजाय मुद्दे और उद्देश्य के आधार पर अपना समर्थन तय करता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली का जंतर-मंतर इस सामाजिक चेतना का आधुनिक प्रतीक बनकर उभरा है, जहां समय-समय पर भ्रष्टाचार, पेपर लीक, सामाजिक न्याय और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर लोग अपनी आवाज उठाते रहे हैं। एक विचार लेख में गुप्ता ने कहा कि भारतीय इतिहास में भी समाज ने आवश्यकता के समय उभरने वाले नेतृत्व को समर्थन दिया है। उन्होंने महाराणा प्रताप, विजयनगर साम्राज्य और छत्रपति शिवाजी महाराज का उदाहरण देते हुए कहा कि इन प्रयासों को व्यापक सामाजिक समर्थन इसलिए मिला, क्योंकि वे किसी बड़े उद्देश्य और सामूहिक आकांक्षा का प्रतिनिधित्व करते थे। उनके अनुसार, शिवाजी महाराज ने सीमित संसाधनों के बीच हिंदवी स्वराज्य का संकल्प सामने रखा और समाज ने उस विचार को स्वीकार कर समर्थन दिया।

गुप्ता ने गुरु तेग बहादुर और गुरु गोबिंद सिंह के संघर्ष तथा भक्ति आंदोलन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर का बलिदान और गुरु गोबिंद सिंह द्वारा खालसा की स्थापना धार्मिक स्वतंत्रता और व्यापक सामाजिक मूल्यों की रक्षा से जुड़े उदाहरण हैं। इसी तरह तुलसीदास, चैतन्य महाप्रभु, मीराबाई, कबीर और रविदास जैसे संतों ने बिना किसी राजनीतिक शक्ति के समाज पर व्यापक प्रभाव डाला।उन्होंने कहा कि आज भी समाज किसी नाम या पद के पीछे चलने के बजाय ऐसे विचार और उद्देश्यों का समर्थन करता है, जो राष्ट्रहित, समाजहित और सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप हों। जंतर-मंतर पर होने वाले आंदोलनों में भी कई बार मुद्दे की विश्वसनीयता नेतृत्व की प्रसिद्धि से अधिक प्रभावी साबित होती है।

गुप्ता के अनुसार, लोकतंत्र में जागरूक और स्वतंत्र सोच रखने वाला समाज महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि, जनचेतना को सकारात्मक दिशा देना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक भागीदारी का उद्देश्य केवल असंतोष व्यक्त करना नहीं, बल्कि समस्याओं के समाधान और संस्थाओं को मजबूत करने में योगदान देना होना चाहिए।उन्होंने कहा कि नेतृत्व और संगठन समय के साथ बदल सकते हैं, लेकिन राष्ट्रहित और समाजहित को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उनके मुताबिक, जब समाज किसी उद्देश्य को उचित और आवश्यक मानता है तो सामान्य व्यक्ति भी प्रभावी नेतृत्व के रूप में उभर सकता है। यही स्वतंत्र सामाजिक चेतना भारतीय लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक जीवन की महत्वपूर्ण शक्ति है।यह मूल सामग्री के विचार-लेख वाले स्वरूप को समाचार शैली में बदलकर तैयार किया गया है। इसमें लेखक के दावों को तथ्य के रूप में स्थापित करने के बजाय उनके विचार के रूप में रखा गया है, ताकि खबर अधिक संतुलित और प्रकाशित योग्य रहे।

खाते में पूरा वेतन डालकर नकद वापस लेने का आरोप, भारतीय मजदूर संघ ने श्रम मंत्री को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्रों और विभिन्न सरकारी विभागों में ठेके पर काम करने वाले कर्मचारियों के वेतन से कथित तौर पर एक नए तरीके से राशि वापस लेने का मामला सामने आया है। भारतीय मजदूर संघ, दिल्ली प्रदेश ने इस संबंध में दिल्ली सरकार के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा को ज्ञापन सौंपकर जांच और कार्रवाई की मांग की है।संघ के महामंत्री डॉ. दीपेन्द्र चाहर ने आरोप लगाया कि कुछ फैक्ट्री और ठेकेदार मजदूरों के बैंक खातों में न्यूनतम मजदूरी के अनुसार पूरी रकम जमा कराते हैं, लेकिन बाद में कर्मचारियों को बुलाकर उसका एक हिस्सा नकद वापस लेने का दबाव बनाया जाता है। उनके अनुसार, कई मामलों में खाते में करीब 18 हजार रुपये जमा करने के बाद चार से छह हजार रुपये तक वापस लिए जाने की शिकायतें सामने आई हैं।संघ का कहना है कि इस तरह कागजों में मजदूर को पूरी न्यूनतम मजदूरी मिलने का रिकॉर्ड तैयार हो जाता है, जबकि वास्तविक रूप से उसके हाथ में कम राशि पहुंचती है। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि इससे भविष्य निधि समेत अन्य श्रम संबंधी लाभों पर भी असर पड़ सकता है।भारतीय मजदूर संघ ने बवाना, नरेला, ओखला, मायापुरी और झिलमिल सहित दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्रों के साथ-साथ विभिन्न सरकारी विभागों में ठेके पर काम करने वाले कर्मचारियों से जुड़ी शिकायतों की जांच की मांग की है। संघ ने श्रम विभाग की जांच प्रक्रिया में बदलाव का सुझाव देते हुए केवल वेतन रजिस्टर के बजाय कर्मचारियों के पिछले तीन महीने के बैंक खातों का विवरण और वेतन मिलने के तुरंत बाद की गई निकासी के पैटर्न की जांच करने की मांग की है। संगठन ने एक से अधिक कर्मचारियों के खातों में समान तरीके से राशि वापस लिए जाने को भी जांच का आधार बनाने का सुझाव दिया है।इसके अलावा संघ ने शिकायतकर्ताओं की पहचान गोपनीय रखने, डिजिटल माध्यमों से उपलब्ध साक्ष्यों की जांच करने और दोषी पाए जाने वाले नियोक्ताओं से वापस ली गई राशि की वसूली के साथ भविष्य निधि और कर्मचारी राज्य बीमा से संबंधित बकाया राशि ब्याज सहित जमा कराने की मांग की है। संघ ने गंभीर मामलों में संबंधित प्रतिष्ठानों को दिल्ली सरकार के ठेकों और सरकारी ई-खरीद व्यवस्था से कुछ समय के लिए बाहर रखने का भी सुझाव दिया है।संघ ने श्रम विभाग से इस मामले में औद्योगिक क्षेत्रों और ठेका कर्मचारियों के बीच शिकायतों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाने तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

मेहराज से राजनीतिक संदेश भेजने की तैयारी में सीएम भगवंत मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रामपुरा फूल। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान 7 सितंबर को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण गांव मेहराज का दौरा करने वाले हैं। यहां वे रामपुरा फूल विधानसभा क्षेत्र के निवासियों के साथ जन संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह है और इस विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज होने के बीच इस कार्यक्रम ने राजनीतिक हलकों का ध्यान भी आकर्षित किया है। मेहराज को कार्यक्रम स्थल के रूप में चुनने का महत्व मेहराज सिद्धू भाईचारे का पैतृक गांव होने के कारण मुख्यमंत्री के लिए राजनीतिक महत्व रखता है। ऐसे में यहां जन संवाद आयोजित करने का निर्णय भगवंत मान के दौरे को और महत्वपूर्ण बनाता है तथा गांव की ऐतिहासिक एवं राजनीतिक प्रासंगिकता को सामने लाता है। मेहराज पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह का भी पैतृक गांव है। वर्तमान में रामपुरा फूल विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व बलकार सिंह सिद्धू कर रहे हैं, जो इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। हालांकि जन संवाद मेहराज में आयोजित होगा, लेकिन इसका उद्देश्य पूरे रामपुरा फूल विधानसभा क्षेत्र के लोगों से संवाद करना है। विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों और कस्बों से आए लोगों को मुख्यमंत्री से सीधे मिलने तथा अपनी समस्याएं, मांगें और सुझाव रखने का अवसर मिलेगा। इस मंच पर स्थानीय लोग विकास कार्यों, सार्वजनिक सेवाओं और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को सीधे मुख्यमंत्री के समक्ष उठा सकेंगे।

2027 से पहले राजनीतिक रणनीति?

राजनीतिक दृष्टि से भगवंत मान का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पंजाब में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए राजनीतिक गतिविधियां धीरे-धीरे तेज हो रही हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री का जनता के बीच सीधे पहुंचना जमीनी स्तर पर अपने जुड़ाव को मजबूत करने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है।

लुधियाना नगर निगम की वित्त एवं ठेका कमेटी चुनाव:आम आदमी पार्टी को झटका

लुधियाना। चुनाव के मुख्य बिंदुः कुल वोटः 101 पड़े वोटः 7 वैध वोटः 94 कुलवंत सिंह सिद्धू के पुत्र 32 वोटों के साथ जीतें गौरव भट्टी (कांग्रेस) भी चुनाव जीत गए अमन बग्गा (AAP) को हार का सामना कांग्रेस-भाजपा का निशाना चुनाव नतीजों से साफ कांग्रेस और भाजपा ने इस आम आदमी पार्टी के लिए बड़ा सियासी झटका करार दिया।

दलजीत सिंह ग्रेवाल 'भोला' का बयान कांग्रेस और भाजपा इकट्ठे होकर चुनाव लड़ी हैं, जबकि AAP ने चुनाव पाबंदी और कानूनी दांव के साथ करवायी है। सभी डिप्टी मेयर और लूट विरोधी आगे भी डटकर लड़ेंगे। कुलवंत सिंह सिद्धू का बयान यह जीत लोगों के भरोसे और प्यार की जीत है। भले अमन बग्गा चुनाव हार गए हैं, पर लोकतंत्र में लोगों का फैसला सबसे बड़ा होता है।

असम विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। भारत के हर राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के तहत असम के सिलचर स्थित असम विश्वविद्यालय में 30 अगस्त, रविवार को साइकिल रैली का आयोजन किया गया। शारीरिक स्वास्थ्य, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित इस रैली में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसी के साथ विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह का भी समापन हुआ। समारोह के पहले दिन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव मोहन पंत ने महान भारतीय हॉकी खिलाड़ी और 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित एवं नमन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह के दूसरे दिन विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से विश्वविद्यालय परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल रहा। दिन की शुरुआत शपथ ग्रहण समारोह से हुई, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से शारीरिक क्षमता, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली को विश्वविद्यालय जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। विश्वविद्यालय के खेल परिसर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में अलग-अलग विभागों के करीब 120 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिताओं में छात्र एवं छात्राओं के लिए 100 मीटर दौड़ आयोजित की गई। छात्रों की रिले दौड़ में तेज गति और सटीक बैटन हस्तांतरण ने दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। वहीं, छात्राओं के लिए आयोजित चम्मच में गेंद रखकर दौड़ प्रतियोगिता भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। दिन का मुख्य आकर्षण स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की संयुक्त टीम तथा शोधार्थियों की टीम के बीच फुटबॉल मुकाबला रहा। अनुकूल मौसम में खेले गए इस मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। मैदान के बाहर सहपाठियों के उत्साहपूर्ण समर्थन ने माहौल को और जीवंत बना दिया। अंततः स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की संयुक्त टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शोधार्थियों की टीम को 4-0 से पराजित किया। कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर स्पोर्ट्स बोर्ड की निदेशक प्रो. एम. तिनेश्वरी देवी, उपनिदेशक डॉ. तपोधीर आचार्य, सहायक निदेशक डॉ. सिद्धार्थ शर्मा तथा सदस्य एवं नेटवर्किंग इंजीनियर के. आनंद कुमार सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

'मिशन क्लीन पंजाब' के तहत कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने खन्ना से शुरू किया विशेष सफाई अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खन्ना, लुधियाना। पंजाब सरकार द्वारा प्रदेश को साफ-सुथरा बनाने के उद्देश्य से 29 अगस्त से 7 सितंबर तक 'मिशन क्लीन पंजाब' के तहत विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने आज नगर परिषद खन्ना कार्यालय से सफाई अभियान की शुरुआत की। कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा राज्य के शहरों को देश के सबसे स्वच्छ और सुंदर शहरों में बदलने के लिए बड़े स्तर पर सफाई अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पंजाब के हर छोटे-बड़े शहर को स्वच्छता का मॉडल बनाना है, ताकि प्रदेश के नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके। इस पहल के माध्यम से पंजाब को देश के स्वच्छता मॉडल के रूप में प्रस्तुत करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि पंजाब की सभी नगर निगमों और नगर परिषदों के अधीन आने वाले क्षेत्रों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी के तहत इस अभियान की शुरुआत खन्ना शहर से की गई है। यह सफाई अभियान कुल 10 दिनों तक चलेगा। इस दौरान कूड़ा-कचरा फेंके जाने वाले स्थानों का विशेष रूप से निरीक्षण किया जाएगा। अभियान के बाद भी यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इन स्थानों पर दोबारा कूड़ा न फेंका जाए। तरुणप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि प्रशासन द्वारा इन 10 दिनों के सफाई अभियान के दौरान प्रत्येक कार्य की बारीकी से निगरानी की जाएगी। विशेष रूप से अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (शहरी विकास) लुधियाना अमित बैंबमी ने स्वयं जिम्मेदारी ली है कि वह खन्ना शहर की साफ-सफाई के कार्य की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करेंगे। इसके बाद खन्ना शहर की सुंदरता में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी इस अभियान का केंद्रीय हिस्सा हैं और उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। मंत्री सौंद के अनुसार मशीनें भारी काम संभालेंगी, जबकि सफाई कर्मचारी बारीकी से किए जाने वाले कार्यों को पूरा करेंगे। इससे न केवल सफाई कार्य की गति तेज होगी, बल्कि कर्मचारियों की मेहनत भी कम होगी और उनकी कार्यक्षमता मजबूत होगी। सड़कें और आसपास के क्षेत्र साफ होने के साथ ही डीप क्लीनिंग की जरूरत भी कम होती जाएगी। कैबिनेट मंत्री सौंद ने कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल के दौरान खन्ना शहर के चौकों में कूड़े के ढेर लगे रहते थे। वर्ष 2022 में पंजाब में हमारी सरकार बनने के बाद खन्ना शहर के चौकों से इन कूड़े के ढेरों को उठवाकर सफाई करवाई गई थी। उन्होंने कहा कि खन्ना शहर की साफ-सफाई का काम पहले से ही शुरू करवा दिया गया था और अब शहर को स्वच्छता के साथ-साथ सुंदरता की दिशा में आगे ले जाया जा रहा है। इस अवसर पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (शहरी विकास) लुधियाना अमित बैंबमी, उप मंडल मजिस्ट्रेट खन्ना स्वाति टिवाणा, कार्यसाधक अधिकारी चरनजीत सिंह, नगर परिषद खन्ना के प्रधान जतिंदर पाठक, वरिष्ठ उपप्रधान हरीश गुप्ता, उपप्रधान करमजीत सिंह सिफ्ती, जिला परिषद सदस्य मास्टर अवतार सिंह दैहिड़ू, नगर परिषद खन्ना के पार्षद, नेता और शहरवासी उपस्थित रहे।

श्रीभूमि जिला के दुल्लभछड़ा में 'मन की बात' कार्यक्रम सफल।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को सुनने के लिए देशभर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के बीच श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा में भी लोगों में खासा उत्साह और बड़ी संख्या में उपस्थिति देखने को मिली। दुल्लभछड़ा मंडल अल्पसंख्यक मोर्चा के से पाटियाला जीपी के अंतर्गत 117 नंबर पोलिंग स्टेशन पर 'मन की बात' सुनने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यकर्ता तथा 117 नंबर पी.एस. इंचार्ज के रूप में दुल्लभछड़ा मंडल अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष अलीम उद्दीन उपस्थित रहे। अल्पसंख्यक बहुल इस क्षेत्र में कार्यक्रम को लेकर सुबह से ही उत्सव जैसा माहौल बना रहा। अलीम उद्दीन के संगठनात्मक नेतृत्व और स्थानीय मोर्चा कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों से यह कार्यक्रम बड़े आयोजन में बदल गया। प्रधानमंत्री का संबोधन सुनने के लिए क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग, बुजुर्ग नागरिक और युवा वर्ग के साथ-साथ काफी संख्या में अल्पसंख्यक महिलाएं भी उपस्थित हुईं। दूरदराज के क्षेत्रों के लोगों तक कार्यक्रम का संदेश आसानी से पहुंचाने के लिए सभा स्थल पर साउंड सिस्टम और बैठने की समुचित व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए अलीम उद्दीन ने कहा कि प्रधानमंत्री का 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और सामाजिक परिवर्तन का संदेश लोगों तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि 117 नंबर अल्पसंख्यक बहुल बूथ पर लोगों की स्वैच्छिक और उत्साहपूर्ण उपस्थिति क्षेत्र के लोगों की रुचि एवं उत्साह को दर्शाती है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उपस्थित आम जनता, महिलाओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि, अल्पसंख्यक मोर्चा के विभिन्न स्तरों के पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, शिक्षाविद और समाजसेवी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया गया।

श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी दोहालिया स्थित 16वीं बटालियन BSF मुख्यालय में सीमा चेतना मंच ने मनाया राखी बंधन उत्सव।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। पवित्र राखी बंधन उत्सव के अवसर पर श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी दोहालिया स्थित 16वीं बटालियन BSF मुख्यालय में सीमा चेतना मंच, पूर्वोत्तर साउथ श्रीभूमि जिला के तत्वावधान में भावपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने BSF अधिकारियों और जवानों की कलाई पर राखी बांधकर उनके प्रति सम्मान, स्नेह एवं कृतज्ञता व्यक्त की। देश की सीमाओं की सुरक्षा में दिन-रात तत्पर रहने वाले BSF जवानों के प्रति आभार प्रकट करने के साथ ही कार्यक्रम के माध्यम से भाईचारे, सामाजिक सौहार्द एवं आपसी सद्भाव का संदेश दिया गया। राखी बांधने के बाद उपस्थित BSF अधिकारियों एवं जवानों को मिठाई खिलाकर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीमा चेतना मंच की ओर से चिन्मय चक्रवर्ती तथा संगठन के साउथ श्रीभूमि जिला अध्यक्ष देवाशीष चक्रवर्ती ने BSF जवानों के त्याग, कर्तव्यनिष्ठा एवं वीरता की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि देश की सीमाओं की सुरक्षा में BSF के जवानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने राष्ट्रहित की रक्षा एवं सीमा सुरक्षा के क्षेत्र में सीमा चेतना मंच द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों तथा संगठन की सामाजिक भूमिका पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर सीमा चेतना मंच की ओर से श्री सुरजीत भौमिक, भरत चालिहा, रजत चक्रवर्ती, गौतम दास, दिग्विजय चक्रवर्ती, रूपम गोस्वामी, सुस्मिता दास, सबिता दास सहित संगठन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। वहीं, BSF के उपस्थित अधिकारियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीमा चेतना मंच की इस पहल की सराहना की। राखी बंधन के इस आयोजन में BSF जवानों एवं सीमा चेतना मंच के सदस्यों के बीच आत्मीयता और सौहार्द का सुंदर वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम ने देशभक्ति, राष्ट्ररक्षा, सीमा सुरक्षा, भाईचारे एवं सामाजिक सद्भाव का सकारात्मक और मजबूत संदेश समाज तक पहुंचाया। यदि चाहें तो इसे मैं और अधिक प्रभावशाली अखबारी रिपोर्ट, प्रेस रिलीज़, या छोटे सोशल मीडिया न्यूज़ पोस्ट के रूप में भी तैयार कर सकता हूँ।

जालंधर में 'हमारे राम' नाटकीय एवं संगीत प्रस्तुति को मिला भरपूर जनसमर्थन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

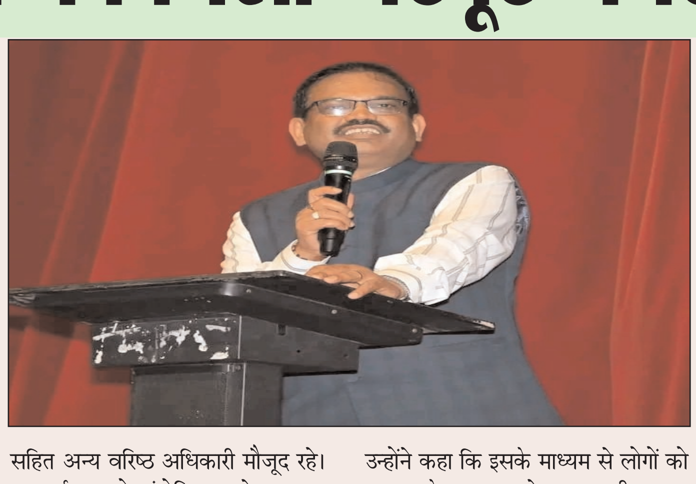

जालंधर। पंजाब सरकार की पहल पर आयोजित शानदार नाटकीय एवं संगीत प्रस्तुति 'हमारे राम' को जालंधर में दर्शकों का भरपूर समर्थन मिला। सी.टी. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, शाहपुर कैंपस में आयोजित इस प्रस्तुति को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। पंजाब के मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा ने जालंधर में आयोजित 'हमारे राम' नाटक के दूसरे दिन दर्शकों के बीच शामिल होकर शो का आनंद लिया। इस अवसर पर डिवीजनल कमिश्नर रामवीर, अमित कुमार आईएएस, डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया, डीआईजी जालंधर रेंज नवीन सिंगला, पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह, चेयरमैन पंजाब एग्री एक्सपोर्ट कॉरपोरेशन मंगल सिंह बसी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा ने पंजाब सरकार द्वारा प्रदेशभर में इस तरह के शानदार शो आयोजित करने की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से लोगों को नाटक के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत से रूबरू होने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जालंधर में 'हमारे राम' का मंचन लोगों के लिए जीवनभर याद रहने वाला अवसर है। प्रसिद्ध अभिनेता आशुतोष राणा, राहुल आर. भुच्चर तथा अन्य प्रतिभाशाली कलाकारों की टीम द्वारा शानदार प्रस्तुति दी जा रही है। यह नाटक रामायण में वर्णित भगवान राम के जीवन, चरित्र, आदर्शों और दर्शन को बेहद सुंदर ढंग से जीवंत करता है। मुख्य सचिव ने कहा कि रामायण केवल एक महाकाव्य नहीं, बल्कि ज्ञान और जीवन जीने की कला का स्रोत है। यह मनुष्य को सत्य, धर्म, दया, त्याग, कर्तव्य और नैतिक मूल्यों पर आधारित जीवन जीने की प्रेरणा देती है। उन्होंने लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी से अपील की कि वे रामायण के गहरे संदेश को समझें और इसमें दर्शाए गए उच्च जीवन मूल्यों को अपनाकर अपने जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास करें।

नैनी में 273 करोड़ के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में धीमी प्रगति पर मंडलायुक्त नाराज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम. ने नैनी के विस्तारित क्षेत्र के 10 नए वार्डों में पेयजल आपूर्ति के लिए ?273 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और ?186 करोड़ की लागत से बन रहे 50 एमएलडी एसटीपी का निरीक्षण किया। जल निगम (नगरीय) के अधिकारियों के साथ निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परियोजना का लेआउट प्रस्तुत करते हुए बताया कि यमुना से प्रस्तावित इनटेक वेल्स के माध्यम से पानी पाइपलाइन द्वारा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तक लाया जाएगा, जहां उपचार के बाद नैनी के 10 नए वार्डों में आपूर्ति की जाएगी। निरीक्षण के दौरान साइट पर एक भी श्रमिक उपस्थित नहीं मिला और अटेंडेंस रजिस्टर भी प्रस्तुत नहीं किया जा सका। संबंधित एई रबन गंगवार अवकाश पर बताए गए और उनके स्थान पर मौजूद एई भी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। पूछताछ में रक्षाबंधन अवकाश के कारण श्रमिकों के घर जाने की बात कही गई।समीक्षा में पाया गया कि परियोजना 18 जुलाई 2024 को अवार्ड हुई थी और जुलाई 2027 तक पूर्ण होनी है, लेकिन 60 प्रतिशत प्रगति के सापेक्ष अब तक मात्र 20-25 प्रतिशत कार्य ही हुआ है। एक्सईएन अमित राज ने बताया कि धीमी प्रगति के कारण कार्यदायी संस्था विष्णु प्रकाश आर पुगलिया लिमिटेड, राजस्थान को जल निगम (नगरीय) के मुख्य अभियंता (परचेज) स्तर से 17 जून 2026 को डिबार किया जा चुका है। इस पर नाराजगी जताते हुए मंडलायुक्त ने अनुपस्थित एई रबन गंगवार के विरुद्ध प्रतिकूल प्रविष्टि एवं स्थानांतरण की संस्तुति शासन को भेजने के निर्देश दिए।यमुना से पानी लेने के लिए प्रस्तावित इनटेक वेल्स का निर्माण अभी शुरू नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) की अनुमति लंबित है, जबकि सिंचाई विभाग से अनुमति मिल चुकी है। मंडलायुक्त ने जिलाधिकारी प्रयागराज को समन्वय कर लंबित अनुमति शीघ्र प्राप्त कराने और कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। इसके बाद मंडलायुक्त ने प्रयागराज सीवरेज डिस्ट्रिक्ट-ए, नैनी परियोजना के तहत ?186 करोड़ की लागत से बन रहे 50 एमएलडी क्षमता के नए एसटीपी का निरीक्षण किया। यहां 77 प्रतिशत कार्य पूर्ण पाया गया। परियोजना को 3 जुलाई 2026 तक पूरा होना था, लेकिन अब दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना प्रबंधक सुरेंद्र सिंह परमार ने बताया कि पिछले वर्ष बाढ़ से पूरा क्षेत्र जलमग्न होने से कार्य प्रभावित हुआ था। इस एसटीपी में स्लज वाटर का उपचार कर 30 बीओडी से कम मानक वाला उपचारित जल एनजीटी मानकों के अनुरूप डिस्चार्ज किया जाएगा, जिससे जनपद के अन्य एसटीपी पर पड़ रहे अतिरिक्त भार को कम करने में मदद मिलेगी। मंडलायुक्त ने दोनों परियोजनाओं में नियमित मॉनिटरिंग और गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूर्णता के निर्देश दिए।

भागवत न्यूयॉर्क में बोले- 'मुसलमानों को देश से निकालने की बात करने वाले हिंदू नहीं रह सकते'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। भारत में हिंदू-मुसलमान नैरेटिव के लिए लगातार आलोचना झेलने वाले आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने अमेरिका के न्यूयॉर्क में अब कहा है कि जो हिंदू मुसलमानों को देश से बाहर करना चाहते हैं, वे हिंदू नहीं रह सकते हैं। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर कई दक्षिणपंथी सोशल मीडिया यूज़रों ने नाराजगी जताई, जबकि कई लोगों ने इसे हिंदुत्व की समावेशी व्याख्या बताया। मोहन भागवत न्यूयॉर्क में AHEAD फोरम द्वारा आयोजित Faith Leaders Conference को संबोधित कर रहे थे। इस सम्मेलन में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और यहूदी धर्म के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि वर्ष 2018 में उनके व्याख्यान के दौरान कुछ मुस्लिम प्रतिनिधियों ने उनसे पूछा था कि 'क्या हिंदू राष्ट्र का मतलब मुसलमानों को भारत से निकाल देना है?' इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने तब भी कहा था और आज भी कहता हूं कि यह हिंदुत्व नहीं है। यदि कोई हिंदू सोचता है कि भारत में मुसलमान नहीं होने चाहिए तो वह हिंदू नहीं रह सकता।' भागवत ने कहा कि हिंदू होने का अर्थ है यह मानना कि सभी धर्म अंततः एक ही परम सत्य या ईश्वर तक पहुँचने के अलग-अलग रास्ते हैं और हर इंसान समान सम्मान का अधिकारी है। आरएसएस की राजनैतिक ईकाई मानी जाने वाली बीजेपी रोहिंग्या, बांग्लादेशी मुसलमान, 'अवैध घुसपैठिए', सीएए, एनआरसी को लगातार मुद्दा बनाती रही है लेकिनअब न्यूयॉर्क में भागवत ने कहा कि भारत की परंपरा हमेशा से विविधता को स्वीकार करने की रही है। उन्होंने कहा कि इतिहास में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जब लोगों को अपने धर्म के कारण उत्पीड़न का सामना करना पड़ा तब भारत ने उन्हें शरण दी। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान 'एकता में विविधता' है और यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि अलग-अलग भाषाएं, संस्कृतियां और धर्म समाज की सुंदरता हैं। भागवत ने कहा, 'विविधता प्रकृति का नियम है, लेकिन उसके पीछे एकता का सत्य छिपा है। जैसे मैं अपनी पहचान की रक्षा करता हूं, वैसे ही मुझे दूसरे की पहचान की भी रक्षा करनी चाहिए।' उनके अनुसार समाज में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन उनका समाधान संवाद और परस्पर सम्मान से ही निकल सकता है। मोहन भागवत न्यूयॉर्क में कुछ भी बोले हों, लेकिन बीजेपी लंबे समय से रोहिंग्या शरणार्थियों, बांग्लादेशी मुसलमानों और अवैध घुसपैठियों के मुद्दे को प्रमुखता से उठाती रही है। इस मुद्दे को देश के गृहमंत्री अमित शाह से लेकर पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी, असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा तक लगातार उठाते रहे हैं। वे खुलेआम इन्हें देश से बाहर निकालने की बात करते रहे हैं। लेकिन ऐसे मौक़ों पर मोहन भागवत के ऐसे बयान नहीं दिखे। न्यूयॉर्क में भागवत ने कहा कि आरएसएस समाज के माध्यम से बदलाव लाने में विश्वास करता है। उन्होंने कहा कि राजनीति पर प्रभाव डालना जरूरी है, लेकिन इसकी शुरुआत सीधे राजनीति से नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, 'आज राजनीति काफी हद तक स्वार्थ का खेल बन गई है। जहां केवल 'मैं' और 'मेरा' होता है, वहां समाधान नहीं निकलता।

संक्षिप्त खबरें

अधिवक्ता पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला, 10-15 लोगों पर केस दर्ज।

नैनी प्रयागराज । नैनी कोतवाली क्षेत्र के अरैल इलाके में एक अधिवक्ता पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। 10-15 लोगों की भीड़ ने अधिवक्ता पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर 6 नामजद और 7-8 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी अमन पाण्डेय पुत्र रविन्द्र पाण्डेय निवासी चक हीरा नंद, अरैल, नैनी प्रयागराज जनपद न्यायालय में अधिवक्ता हैं।शानिवार को रात करीब 9 बजे वह गंगोत्री नगर में साम रेस्टोरेंट के बगल वाली गली में स्थित अन्नू की चाय की दुकान के बाहर चाय पीने के लिए खड़े थे, तभी 10-15 की संख्या में लोग एक राय होकर जान से मारने की नियत से उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में अमन के सिर पर गंभीर चोट आई और वह बेहोश होकर गिर पड़े। भीड़ के आने पर उनकी जान बच सकी।होश में आने पर वहां मौजूद लोगों ने बताया कि शाम 6 बजे के करीब इन्हीं लोगों ने वैभव सिंह पुत्र भूपेन्द्र प्रताप सिंह, अदनान अली पुत्र महफूज अली और मो0 इमरान पुत्र इसरार अहमद को भी मारा है।पीड़ित ने तहरीर में बताया कि हमलावरों के नाम सुमित कुमार पुत्र बाबू जी, आदित्य कुमार पुत्र सच्चा लाल, रिशु पुत्र बाबू जी उर्फ राम विलास, अयान पुत्र मो0 साजिद, विशाल भारतीय पुत्र कैलाश भारतीय व कल्लू भारतीय पुत्र रामकैलाश एवं 7-8 अज्ञात लोग हैं, जो मारपीट और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पीड़ित अधिवक्ता की तहरीर पर नैनी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। ।

महफिले समां कव्वाली में क़व्वालों ने पेश की नज़्म

फूलपुर प्रयागराज। सूफी संत चिश्ती हजरत मौलाना सैयद शाह सिकन्दर अली रहमतुल्लाह अलय की मजार पर तीन दिवसीय लगने वाले उर्स मेले में शनिवार को कव्वालों ने बाबा की शान में अपनी नज्में पेश कर सभी का मन मोह लिया। शनिवार शाम को बाद नमाज असर गुस्ल

का कार्यक्रम सज्जादा नसीन सैयद हाफिज सदरूल हसन के दरवाजे से हजारों की तादात में आये अकीदतमंदो ने फतीहा पढते हुए बाबा की मजार पर रात्रि बारह बजे चादरपोशी किया गया। शनिवार सुबह फजर नमाज बाद कुरानखानी व दोपहर महफिल समां कौव्वाली के बाद कुलशरीफ का फतीहा हुआ। कव्वालों ने बाबा की याद में कलामें पढ़कर मंत्र मुग्ध कर दिया। मेले में गृहस्थी का सामान खरीदने के लिए महिलाओं की भीड़ उमड़ी वही बच्चों ने बेबी झूले का आनंद लिया। मेले में आए सभी श्रद्धालु व प्रशासन के प्रति मेला कमेटी के किबला नयाबे सज्जादा सैफुल हसन,मुजम्मिल हसन,जियाउल हसन, मोहम्मद इकराम, कमलेश कुमार यादव,गुलाब सिंह यादव,शहीद हसन,एडवोकेट मोहम्मद अरफान, वकार ईशा, सहाब ,कलीम, सरताज, फरीदुद्दीन, सहरोज अख्तर,मसूद अहमद सरफराज,एहतेशाम ने आभार व्यक्त किया।

हण्डिया पुलिस द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, कब्ज से घटना में प्रयुक्त 01 लोहे की रॉड, 01 चाकू, बरामद।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। थाना हण्डिया क्षेत्रांतर्गत ग्राम बनपुरवा (सरायपीथा) निवासिनी ज्ञान देवी पत्नी स्व0 सुशील कुमार द्वारा थाना हण्डिया पर सूचना दी गई कि दिनांक-03.07.2026 को उनके पति सुशील कुमार की मृत्यु होने के बाद से ही उनके जेठ दारा सिंह उर्फ सुनील कुमार द्वारा लगातार उन्हें प्रताड़ित कर मारपीट किया जा रहा था, तथा दिनांक-29.08.2026 को दारा सिंह उर्फ सुनील कुमार द्वारा मुकदमा वादिनी का गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया गया। बीच-बचाव करने आयी मुकदमा वादिनी की जेठानी को भी दारा सिंह उर्फ सुनील कुमार द्वारा जान से मारने की नियत से लोहे की रॉड़ से हमला करते हुए गला दबाया गया जिससे वह बेहोश हो गई । पत्नी को मृत समझकर अभियुक्त ने घर में रखे चाकू से स्वयं को चोटिल कर लिया । पीड़िता के अनुसार अभियुक्त ने परिजनों को नुकसान पहुँचाने की नियत से घर में जहरीला पदार्थ भी छिपाकर रखा है। प्रकरण के सम्बन्ध में मुकदमा वादिनी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर दिनांक 29.08.2026 को थाना हण्डिया पर मु0अ0सं0-461/2026 धारा-115(2)/109(2) पंजीकृत किया गया। थाना हण्डिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0-461/26 धारा-115(2)/109(1) भा0न्या0सं0 से सम्बंधित वांछित अभियुक्त सुनील कुमार गौतम उर्फ दारा पुत्र स्व0 इन्द्रजीत गौतम निवासी ग्राम बनपुरवा सरायपीथा थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-30.08.2026 थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत धनूपुर ब्लाक के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त सुनील कुमार गौतम उर्फ दारा उपरोक्त के कब्जे/निशांदेही से घटना में प्रयुक्त 01 लोहे की रॉड, 01 चाकू तथा सफेद पाउडर व काला पदार्थ बरामद करते हुए नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी

नैनी स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार का नाम-पट अधूरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

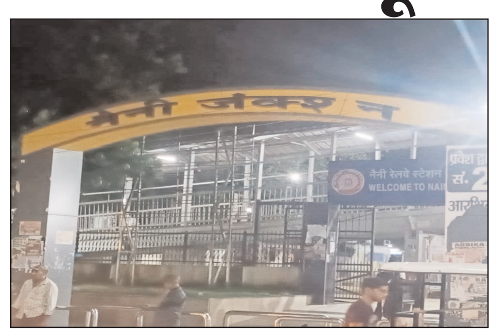

नैनी, प्रयागराज। नैनी जंक्शन की पहचान बताने वाला मुख्य प्रवेश द्वार इन दिनों रेलवे की अनदेखी का शिकार नजर आ रहा है। स्टेशन के प्रवेश द्वार पर लगा बड़ा नाम-पट क्षतिग्रस्त होने के कारण अधूरा दिखाई दे रहा है। 'नैनी स्टेशन' लिखे नाम-पट से एक मात्रा गायब होने के कारण स्टेशन की पहचान ही सही तरीके से प्रदर्शित नहीं हो पा रही है।नैनी रेलवे स्टेशन यमुनापार के प्रमुख रेलवे केंद्रों में शामिल है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है तथा देश के विभिन्न प्रमुख शहरों को जोड़ने वाली ट्रेनों का संचालन होता है। ऐसे महत्वपूर्ण स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर लगा नाम-पट लंबे समय से अधूरा दिखाई देना रेलवे की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है।विकास के दावों के बीच छोटी-सी मरम्मत भी भारी?प्रवेश द्वार के नाम-पट की तस्वीर में साफ दिखाई दे रहा है कि 'नैनी स्टेशन' का नाम पूरा नहीं है। बताया जा रहा है कि नाम-पट से गायब हुई मात्रा संभवतः गिर गई है, लेकिन अब तक उसे ठीक नहीं कराया गया। रोजाना हजारों यात्रियों की आवाजाही वाले स्टेशन पर अधिकारियों और कर्मचारियों की नजर इस खामी पर क्यों नहीं पड़ी, यह सवाल स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।रेलवे की ओर से लगातार स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य किए जाने का दावा किया जाता है। ऐसे में स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर नाम-पट का टूटा और अधूरा दिखाई देना रेलवे की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।तत्काल मरम्मत की मांग स्थानीय यात्रियों और क्षेत्रवासियों ने रेलवे अधिकारियों से मांग की है कि प्रवेश के नाम-पट का तत्काल निरीक्षण कराया जाए और गायब मात्रा को लगवाकर इसे व्यवस्थित किया जाए। नैनी स्टेशन की पहचान को दोबारा सही रूप में प्रदर्शित किया जाए।

शादी के 19 साल बाद विवाहिता की संदिग्ध मौत, पति समेत चार पर हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। शादी के करीब 19 वर्ष बाद एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई। मृतका के मायके पक्ष ने उसके पति समेत चार लोगों पर हत्या का गंभीर आरोप लगाते हुए नामजद तहरीर दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सड़वा कलां, टीएसएल नैनी निवासी मृतका के भाई अनुज कुमार तिवारी पुत्र सुशील कुमार तिवारी ने पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के मनौरी रोड, मनौरी चौराहा निवासी मृतका के पति हरिशंकर पांडेय, उसके पिता अवध नारायण पांडेय, अनिल पांडेय और विपिन पांडेय के खिलाफ नामजद शिकायत दी है। एफआईआर में अनुज कुमार तिवारी ने आरोप लगाया है कि उसकी बहन माया पांडेय का विवाह करीब 19 वर्ष पूर्व हरिशंकर पांडेय के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के कुछ वर्षों बाद से ही माया को ससुराल में मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा था। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि करीब दस वर्ष पूर्व माया को कथित रूप से जहर देकर जान से मारने का प्रयास किया गया था। हालत बिगड़ने पर उसे जीवन ज्योति अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों के मुताबिक, उस समय चिकित्सकों ने सल्फास खिलाए जाने की आशंका जताई थी।मृतका के भाई का आरोप है कि घटना के बाद माया ने थाने में शिकायत भी की थी, लेकिन उसके पति के पुलिस विभाग में होने के प्रभाव के कारण अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो सकी। आरोप है कि इसके बाद भी माया को लगातार धमकाया जाता रहा और उसे मायके पक्ष के लोगों से शिकायत करने से रोकने का प्रयास किया गया। एफआईआर के मुताबिक, 27 अगस्त की रात करीब 9:27 बजे माया ने अपने भाई की पत्नी को फोन किया था। आरोप है कि फोन पर वह रोते हुए ससुराल पक्ष द्वारा मानसिक एवं शारीरिक रूप से परेशान किए जाने की बात बता रही थी। उसने कथित तौर पर यह भी कहा कि उसे किसी भी समय जान से मारा जा सकता है। इसी दौरान फोन कट गया।इसके बाद 29 अगस्त की सुबह करीब 10:30 बजे परिजनों को माया की मौत की सूचना मिली। घटना की जानकारी मिलते ही मायके पक्ष में कोहराम मच गया। भाई ने अपनी तहरीर में आशंका जताई है कि उसकी बहन की हत्या की गई है।मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच की जिम्मेदारी उपनिरीक्षक रश्मि निर्मल को सौंपी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विवेचना के आधार पर ही माया की मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।रविवार शाम पोस्टमार्टम के बाद मायके पक्ष के लोगों ने माया के शव का अंतिम संस्कार दारागंज घाट पर कर दिया। घटना के बाद नैनी स्थित मायके में मातम पसरा हुआ है।

थाना सरायइनायत पुलिस टीम द्वारा 02 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी के 02 मोबाइल फोन बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। थाना सरायइनायत क्षेत्रांतर्गत रिंग रोड के पास से मोबाइल चोरी होने के सम्बन्ध में मुकदमा वादी अमित यादव पुत्र अनिल कुमार यादव निवासी कटका थाना झूंसी द्वारा ई-थाना पोर्टल पर Lost Article Report दर्ज करायी गयी थी, जिसके आधार पर थाना सरायइनायत पर मु0अ0सं0-258/26 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 पंजीकृत कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी कर चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया था। थाना सरायइनायत पर पंजीकृत मु0अ0सं0-258/26 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 से सम्बंधित 02 अभियुक्त 1. अफसर अली उर्फ कुल्लु पुत्र असरान खान निवासी ग्राम चैनपुर तेन्दुई थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज 2. रोहित भारतीया पुत्र शोभनाथ निवासी ग्राम हबुसा मोड़ थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सरायइनायत पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-30.08.2026 थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत नसीरापुर स्थित रिंग रोड रेलवे लाइन के पास से मुकदमा उपरोक्त से सम्बंधित चोरी के 01 मोबाइल फोन तथा चोरी की 01 अन्य मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा-317(2) भा0न्या0सं0 की बढ़ोत्तरी कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी ।

जाँच पूरी होने तक स्टेट बार काउंसिल NALSAR के 2026 बैच के ग्रेजुएट का एनरोलमेंट न करें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। काफ़ी विरोध के बाद, BCI ने वह पत्र वापस ले लिया। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने BCI की कार्रवाई पर सवाल उठाए और निर्देश दिया कि छात्रों या फैकल्टी के खिलाफ़ कोई दंडात्मक कदम न उठाया जाए। इसके बाद यह विवाद बेंगलुरु की नेशनल लॉ स्कूल ऑफ़ इंडिया यूनिवर्सिटी तक पहुँच गया, जब वहाँ से पास होने वाले छात्रों ने यूनिवर्सिटी के 2026 के दीक्षांत समारोह में CJI और BCI चेयरमैन के शामिल होने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई। इसके बाद, NLSIU ने 'अनिवार्य परिस्थितियों' का हवाला देते हुए अपना दीक्षांत समारोह रद्द कर दिया और कहा कि छात्रों को डिग्री 'गैर-मौजूदगी' में दी जाएगी। इस माहौल में, जस्टिस भुइयां ने ज़ोर देकर कहा कि संवैधानिक लोकतंत्र में विचारों की सहमति या एकरूपता ज़रूरी नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमारा संविधान विचारों की एकरूपता नहीं चाहता। यह एक ऐसा ढांचा बनाता है जिसमें अलग-अलग विश्वास, राय और सोच रखने वाले लोग समान सम्मान के साथ रह सकें और एक साझा लोकतांत्रिक जीवन में हिस्सा ले सकें। असहमति को सहन करने के महत्व पर ज़ोर देते हुए जस्टिस भुइयां ने कहा: 'एक लोकतांत्रिक समाज इस बुनियाद पर नहीं बन सकता कि हर कोई एक जैसा सोचेगा। यह इस समझ पर बनता है कि मतभेद होंगे और उन मतभेदों को व्यापक संवैधानिक ढांचे के भीतर जगह दी जानी चाहिए। हमारा संविधान सहिष्णुता के इस विचार को गहरा अर्थ देता है। यह हमसे अपनी अलग पहचान छोड़ने के लिए नहीं कहता। यह मानता है कि एक आज़ाद समाज में अलग-अलग राय, विश्वास और दुनिया को देखने के अलग-अलग नज़रिए होंगे। अपनी राय ज़ाहिर करने, प्रचलित सोच से असहमत होने और सार्वजनिक जीवन में हिस्सा लेने की आज़ादी तभी सार्थक होगी जब असहमति के लिए जगह हो।' जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने कहा कि असहिष्णु सोच मूल रूप से संविधान की भावना के खिलाफ है और असहिष्णुता खुद 'हिंसा का एक और रूप' बन सकती है। उन्होंने ज़ोर दिया कि असहमति या अलग राय को छात्रों को चुप कराने या सज़ा देने का आधार नहीं बनाया जा सकता। 'असहिष्णु सोच, अपनी प्रकृति से ही, संविधान की भावना के खिलाफ है। यह हिंसा के एक और रूप का प्रदर्शन है। भारत बुद्ध और गांधी की धरती है। भारत शांति और सहिष्णुता की धरती है। हमारे समाज में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। हमारा संविधान बोलने, सोचने और अलग तरह से विश्वास करने की आज़ादी की रक्षा करता है। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने कहा कि अगर हम एक ऐसा लोकतांत्रिक समाज चाहते हैं जो आज़ादी और अलग-अलग विचारों का सम्मान करे, तो इस संस्कृति की शुरुआत विश्वविद्यालयों से होनी चाहिए। उन्होंने ज़ोर दिया कि उच्च शिक्षा के संस्थानों को ऐसी जगह होनी चाहिए जहाँ छात्रों को आज़ादी से सोचने, स्थापित मान्यताओं पर सवाल उठाने और मुश्किल विचारों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। 'अगर हम एक ऐसा लोकतांत्रिक समाज चाहते हैं जो आज़ादी और अलग-अलग विचारों का सम्मान करे, तो इस संस्कृति की शुरुआत विश्वविद्यालयों से होनी चाहिए। मेरी नज़र में, विश्वविद्यालय उन पहली जगहों में से एक होना चाहिए जहाँ आज़ादी से सोचने की आदत शुरू होती है। यह एक ऐसी जगह होनी चाहिए जहाँ किसी विचार को सिर्फ़ इसलिए स्वीकार न किया जाए क्योंकि वह जाना-पहचाना है, और जहाँ छात्र मुश्किल सवाल पूछने से न हिचकिचाएँ, भले ही उनका जवाब असहज करने वाला हो... कानून हमें लगातार ऐसी स्थितियों में डालता है जहाँ एक व्यक्ति की आज़ादी दूसरे की आज़ादी से टकराती हुई लग सकती है, जहाँ सत्ता के इस्तेमाल और व्यक्तिगत अधिकारों के बीच संतुलन बनाना ज़रूरी होता है, और जहाँ किसी स्थापित मान्यता की संवैधानिक सिद्धांतों के आधार पर समीक्षा करनी पड़ सकती है।

सुभाष चंद्रा रिपेमेंट सेटलमेंट मामले में घिरे, विवाद बढ़ा, NCLAT के फैसले को चुनौती देंगे बैंक

ब्यूरो। ज़ी ग्रुप और एस्सेल ग्रुप के संस्थापक सुभाष चंद्रा की व्यक्तिगत दिवालिया कार्यवाही से जुड़ा विवाद अब और बढ़ गया है। LIC Housing Finance, Canara Bank और Union Bank of India ने NCLT के उस फैसले को चुनौती देने का फैसला किया है, जिसमें चंद्रा के रिपेमेंट प्लान को मंजूरी दी गई थी। इस प्लान के तहत करीब ?22,006.57 करोड़ के स्वीकार किए गए दावों के मुकाबले महज ?6.25 करोड़ का भुगतान प्रस्तावित है। तीनों वित्तीय संस्थानों ने कहा है कि उन्होंने NCLT में चंद्रा के रिपेमेंट प्लान का विरोध किया था और इसके खिलाफ वोट भी दिया था। इन तीनों की संयुक्त वोटिंग हिस्सेदारी महज 8.45 फीसदी थी। इसमें Canara Bank की हिस्सेदारी 1.60 फीसदी, nion Bank की 0.76 फीसदी और LIC Housing Finance की 6.09 फीसदी है। LIC Housing Finance ने कहा है कि वह अन्य सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों के साथ मिलकर National Company Law Appellate Tribunal (NCLAT) में तत्काल अपील दाखिल करेगी। उसका कहना है कि दूसरे वित्तीय कर्जदाताओं के 80.81 फीसदी वोट प्लान के पक्ष में जाने के कारण इसे मंजूरी मिल गई। Canara Bank ने भी कहा है कि उसने प्लान का विरोध किया था और NCLT के आदेश को NCLAT में चुनौती देगा। बैंक ने मामले की फॉरेंसिक ऑडिट कराने की मांग भी की थी, लेकिन उसकी अल्पमत वोटिंग हिस्सेदारी के कारण यह प्रस्ताव मंजूर नहीं हो सका। Union Bank ने भी कहा कि उसने दूसरे सरकारी संस्थानों के साथ प्लान को खारिज किया था और NCLT में इसका विरोध किया था। बैंक के मुताबिक, कुछ निजी कर्जदाताओं के बहुमत के कारण योजना को मंजूरी मिल गई और अब वह इस फैसले को NCLAT में चुनौती देगा। इस मामले में सिर्फ सरकारी वित्तीय संस्थान ही असहमत नहीं हैं। HDFC Bank भी NCLT के आदेश के खिलाफ NCLAT जाने पर विचार कर रहा है। बैंक ने कहा था कि उसने भी रिपेमेंट प्लान के खिलाफ वोट दिया था, लेकिन बहुमत के कारण योजना मंजूर हो गई। HDFC Bank के मुताबिक, NCLT के आदेश में उसके कुल दावे का केवल 3.2 फीसदी हिस्सा स्वीकार किया गया है। बैंक ने यह भी बताया कि संबंधित लोन सुविधा उसे HDFC से विलय से पहले मिली थी। दिलचस्प बात यह है कि जिस Indiabulls Housing Finance की याचिका से चंद्रा की व्यक्तिगत दिवालिया प्रक्रिया शुरू हुई थी, उसने NCLT के फैसले को चुनौती नहीं देने का फैसला किया है। कंपनी अब Samaan Capital के नाम से जानी जाती है। Samaan Capital का कहना है कि चंद्रा से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं को दिए गए लोन सिक्योर्ड नेचर के थे और कंपनी ने अपनी वसूली तथा प्रवर्तन कार्रवाई के जरिए मूल रूप से वितरित रकम से अधिक राशि हासिल कर ली है। Indiabulls Housing Finance ने 2022 में करीब ?170 करोड़ के Vivek Infracon लोन के मामले में चंद्रा के खिलाफ व्यक्तिगत दिवालिया प्रक्रिया शुरू की थी। इस लोन की व्यक्तिगत गारंटी चंद्रा ने दी थी। NCLT ने अप्रैल 2024 में उनके खिलाफ व्यक्तिगत insolvency proceedings स्वीकार की थीं। NCLT ने 25 अगस्त को सुभाष चंद्रा के रिपेमेंट प्लान को मंजूरी दी थी।

कई दशक किराएदार के रूप में रहने विजयपाल विक्की ने मकान स्वामी को सौंपी चाबी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। आज के दौर में जहां जमीन-मकान को लेकर रिश्तों तक में विवाद खड़े हो जाते हैं, वहीं पूरनपुर में समाजसेवी एवं व्यापार मंडल के प्रांतीय मंत्री विजय पाल सिंह 'विक्की' ने ईमानदारी और साफ नीयत की ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी चर्चा लंबे समय तक होती रहेगी। उनका परिवार करीब 70 वर्षों तक किराये के मकान में रहा, लेकिन जब अपना आशियाना बन गया तो उन्होंने उस मकान पर किसी तरह का दावा या अधिकार जताने के बजाय उसे सम्मानपूर्वक खाली कर चाबी वापस सौंप दी। बताया गया कि विजय पाल सिंह 'विक्की' के पिता स्वर्गीय बूटा सिंह ने नवाब शमसुल हसन की भांजी कैसर जहां के रजागंज स्थित बैंड वाली गली के मकान को किराये पर लिया था इसी मकान में विजय पाल सिंह 'विक्की' और उनकी बहनों का जन्म हुआ तथा परिवार की परवरिश भी इसी घर में हुई लगभग सात दशक तक परिवार की जिंदगी की अनेक यादें इस मकान से जुड़ी रहीं समय बदला और विजय पाल सिंह 'विक्की' ने प्रदीप कॉलोनी में अपना मकान बना लिया अपना घर बनने के बाद उन्होंने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया कि जिस मकान ने उनके परिवार को वर्षों तक आश्रय दिया, उसे बिना एक रुपया लिए खाली कर सम्मानपूर्वक वापस किया जाएगा इसी निर्णय को उन्होंने अमल में भी उतारा समाज के सम्मानित लोगों की मौजूदगी में अशोक खंडेलवाल के आवास पर नवाब शमसुल हसन के भांजे खुशनुद मियां एवं उनके साथी बब्बू खां को मकान की चाबी वापस सौंपी गई खास बात यह रही कि चाबी को चांदी की प्लेट में रखकर सम्मानपूर्वक सौंपा गया इस अवसर पर अशोक खंडेलवाल, शैलेंद्र गुप्ता, नवीन अग्रवाल, जाहिद खान, बलजीत सिंह खैरा, सचिन गुप्ता 'चोटी वाले', सरफराज अहमद, सरफराज खान, रौनक बाबा सहित कई सम्मानित लोग मौजूद रहे यह घटना महज एक मकान खाली करने की कहानी नहीं है, बल्कि नीयत, ईमानदारी और इंसानियत का संदेश है सात दशक तक जिस मकान में परिवार की पीढ़ी पली-बढ़ी, उसे अपना समझकर कब्जा बनाए रखने के बजाय विजय पाल सिंह 'विक्की' ने यह साबित किया कि रिश्ते और भरोसे की कीमत किसी संपत्ति से कहीं बड़ी होती है समाज के लिए यह घटना एक महत्वपूर्ण संदेश भी देती है कि जब नीयत साफ हो तो वर्षों का किरायेदारी का रिश्ता भी सम्मान के साथ निभाया जा सकता है और संपत्ति के मामले में भी इंसानियत को सबसे ऊपर रखा जा सकता है विजय पाल सिंह 'विक्की' का यह कदम पूरनपुर में एक ऐसी सकारात्मक मिसाल बनकर सामने आया है, जो आने वाली पीढ़ियों को यह सीख देता है कि हक से ज्यादा महत्वपूर्ण ईमानदारी है और संपत्ति से ज्यादा महत्वपूर्ण साफ नीयत है।

मंदिर की पांच एकड़ जमीन पर कथित अबैध कब्ज़े का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। मंदिर की पांच एकड़ जमीन पर कथित अवैध कब्जे के आरोप लगाते हुए समाजसेवी ने मुख्यमंत्री, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी को शिकायती पत्र भेजा है। शिकायत में जमीन के अभिलेखों में हेर-फेर कर बैंक से लोन लेने की भी बात कही गई है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है।

तहसील कलीनगर क्षेत्र के गांव बराही स्थित देवी स्थान मंदिर की पांच एकड़ से अधिक जमीन पर कथित अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि मंदिर की देखरेख से जुड़े कुछ लोगों के परिजनों और प्रभावशाली लोगों ने मंदिर की जमीन पर कब्जा कर रखा है। मामले में जमीन के अभिलेखों में कथित हेरफेर कर बैंक से लोन लेने की शिकायत भी अधिकारियों से की गई है। क्षेत्र के समाजसेवी खुशप्रीत सिंह उर्फ केपी संधू ने मामले की शिकायत सीएम, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी से की है। शिकायत में कहा गया है कि मंदिर की भूमि राजस्व अभिलेखों में माता देवी बराही के नाम दर्ज है। इसके बावजूद जमीन पर प्रभावशाली लोगों का कब्जा बताया जा रहा है।शिकायतकर्ता का आरोप है कि कुछ वर्ष पूर्व कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मंदिर की जमीन को बैंक में दर्शाकर लोन भी लिया गया। उन्होंने इस पूरे मामले में तहसील स्तर के राजस्व कर्मचारियों की मिलीभगत की आशंका जताते हुए अभिलेखों की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।केपी संधू ने कहा कि मंदिर की जमीन को कब्जामुक्त कराकर उसे देवी स्थान के विकास और जीर्णोद्धार में लगाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जमीन विवाद के कारण मंदिर का अपेक्षित विकास नहीं हो पा रहा है। जमीन मुक्त होने से मंदिर का जीर्णोद्धार कराया जा सकेगा और क्षेत्रवासियों को भी इसका लाभ मिलेगा।उन्होंने अधिकारियों से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर मंदिर की भूमि को कब्जामुक्त कराने की मांग की है।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख ने पत्नी व हजारों समर्थकों के साथ थामा सपा का दामन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी ने संगठन विस्तार की दिशा में एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख रत्नेश गंगवार ने अपनी पत्नी एवं जिला पंचायत सदस्य प्रियंका गंगवार तथा हजारों समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। राजधानी लखनऊ में हुए इस राजनीतिक जुड़ाव को क्षेत्र की राजनीति में महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व और नीतियों से प्रभावित होकर रत्नेश गंगवार ने समर्थकों के साथ सपा का दामन थामा।सदस्यता ग्रहण के दौरान बड़ी संख्या में समर्थकों की मौजूदगी ने इस कार्यक्रम को खास बना दिया। उनके पार्टी में शामिल होने से सपा को जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने रत्नेश गंगवार, उनकी पत्नी प्रियंका गंगवार और उनके साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हुए सभी समर्थकों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि नए साथियों के जुड़ने से पार्टी संगठन को मजबूती मिलेगी। साथ ही समाजवादी विचारधारा और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में भी सहयोग मिलेगा। सपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद रत्नेश गंगवार ने कहा कि वह अखिलेश यादव के नेतृत्व और समाजवादी पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों के सम्मान, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती के लिए वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने अपने समर्थकों से भी पार्टी को मजबूत करने के लिए पूरी सक्रियता के साथ जुटने का आह्वान किया।रत्नेश गंगवार के साथ बड़ी संख्या में समर्थकों के सपा में शामिल होने से पार्टी कार्यकर्ताओं में भी उत्साह दिखाई दिया। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने इसे संगठन के लिए सकारात्मक संकेत बताया। हजारों समर्थकों के साथ हुआ यह राजनीतिक जुड़ाव आने वाले समय में क्षेत्र की सियासत में नए समीकरणों को जन्म दे सकता है।

गौशाला से लौट रहे गौसेवक पर तेंदुए ने किया हमला, गौसेवक ने भागकर बचाई जान

राष्ट्रीय बजरंग दल ने गौशाला की सुरक्षा व्यवस्था और रास्ते को लेकर प्रशासन पर उठाए सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। गौशाला से सेवा कर घर लौट रहे गौसेवक पर तेंदुए के झपट्टा मारने की घटना से क्षेत्र में दहशत फैल गई। राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारियों ने गौशाला में तेंदुए की लगातार आवाजाही को लेकर चिंता जताते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और गौशाला तक सुरक्षित रास्ता बनवाने की मांग की है।

राष्ट्रीय बजरंग दल के गौ सेवा जिला प्रमुख एवं श्री बालाजी दरबार के सेवादार के अनुसार शनिवार 11 बजे पिपरिया मझरा गौशाला में सेवा करने के बाद गौ सेवा अध्यक्ष पंडित गगन मिश्रा अपने घर लौट रहे थे। आरोप है कि गौशाला से बाहर निकलते ही दीवार पर बैठे तेंदुए ने उन पर झपट्टा मार दिया। बताया गया कि गगन मिश्रा ने तत्परता दिखाते हुए गार्ड रूम की ओर दौड़कर अपनी जान बचाई। इसके बाद तेंदुआ काफी देर तक गौशाला परिसर में गौवंश और नंदी के बीच घूमता रहा तथा बाद में दीवार पर बैठा दिखाई दिया। राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारियों का दावा है कि घटना का वीडियो भी कैमरे में कैद हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि गौशाला में तेंदुए की यह चौथी बार सक्रियता देखी गई है। उनका कहना है कि पर्याप्त तारबाड़ और सुरक्षा व्यवस्था न होने के कारण तेंदुआ अक्सर गौशाला परिसर में प्रवेश कर जाता है और पूर्व में गौवंश को भी नुकसान पहुंचा चुका है।उन्होंने बताया कि गौशाला संचालकों की ओर से इस संबंध में कई बार प्रशासन को अवगत कराया गया है। उनके अनुसार जिलाधिकारी स्तर से आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाने के बावजूद गौशाला तक पहुंचने के लिए सुरक्षित रास्ते की व्यवस्था नहीं हो सकी है। आरोप है कि संचालकों और कर्मचारियों को खेतों के रास्ते होकर गौशाला पहुंचना पड़ता है, जिससे उन्हें वन्यजीवों के हमले का खतरा बना रहता है।राष्ट्रीय बजरंग दल ने प्रशासन से सवाल उठाया कि गौशाला की सुरक्षा और आवागमन की व्यवस्था को लेकर अब तक ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

संगठन ने गौशाला तक सड़क निर्माण, मजबूत तारबाड़ और वन्यजीवों की रोकथाम के लिए प्रभावी इंतजाम किए जाने की मांग की है।ठाकुर शिवम सिंह भदौरिया ने कहा कि यदि समय रहते सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई और किसी व्यक्ति के साथ गंभीर घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से लापरवाही छोड़कर गौशाला, गौवंश और वहां कार्यरत लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की है।

वायरल वीडियो ने खोली दबंगई की पोल, हरकत में आई पुलिस; 15 से अधिक अज्ञात पर मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के सिसेंडी स्थित इमलियाखेड़ा में कार और स्कूटी की टक्कर के बाद सड़क पर हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए आनन-फानन में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात करीब आठ बजे स्कूटी संख्या क्क32 ष्ठश्च 2966 रॉन्ग साइड से आकर कैलाश सिंह की कार संख्या क्क32 त्तक्त6517 से टकरा गई। हादसे में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। इसके बाद कार मालिक के चालक विजय और उसके दोस्त सोनू ने बातचीत के जरिए मामला सुलझाने का प्रयास किया। आरोप है कि इसी दौरान स्कूटी चालक और उसके साथ मौजूद एक व्यक्ति ने अपने अन्य साथियों को बुला लिया। कुछ ही देर में करीब 10 से 15 लोग मौके पर पहुंच गए और एकराय होकर विजय व सोनू के साथ गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर दोनों के साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी भी दी गई। मारपीट की पूरी घटना किसी ने कैमरे में कैद कर ली। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 281, 191(2), 324(4), 115(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मुकदमे में स्कूटी चालक, उसके साथ सवार एक अन्य व्यक्ति और करीब 10 से 15 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस अब वायरल वीडियो, वाहन नंबर और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

मरम्मत के दौरान दो बार गुल हुई बिजली, भीषण गर्मी में 200 गांवों के लोग बेहाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नगराम। समेसी पावर हाउस में रविवार को मरम्मत कार्य के दौरान बिजली आपूर्ति दो बार बाधित होने से करीब 200 गांवों के हजारों उपभोक्ता भीषण गर्मी में बेहाल रहे। समेसी टाउन, बहरौली, मीरखनगर और नगराम समेत चारों 11 केवी फीडरों की बिजली आपूर्ति करीब ढाई घंटे तक ठप रही। लंबे समय तक बिजली न रहने से पंखे और कूलर बंद रहे, वहीं पेयजल संकट के कारण लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। बिजली विभाग की ओर से रविवार को समेसी पावर हाउस के 33/11 केवी सिस्टम में आवश्यक मरम्मत कार्य कराया जा रहा था। इसके लिए नगराम और समेसी टाउन फीडर के वीसीबी पैनल की सीटी बदलने को शटडाउन लिया गया। शटडाउन के कारण दोनों फीडरों के साथ ही अन्य संबंधित क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति भी प्रभावित रही। उपभोक्ताओं के मुताबिक, मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद जब फीडरों को चालू किया गया तो कुछ ही देर बाद लाइन में फाल्ट आ गया। इससे बिजली आपूर्ति एक बार फिर ठप हो गई। पहले से बिजली कटौती झेल रहे उपभोक्ताओं को दोबारा बिजली गुल होने से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्धारित शटडाउन के दौरान ही मरम्मत कार्य पूरी तरह करने के साथ लाइन की जांच कर ली जाती तो दोबारा बिजली बंद करने की नौबत नहीं आती। भीषण गर्मी के बीच बिजली गुल रहने से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी हुई। पानी की मोटरें न चलने से पेयजल संकट भी खड़ा हो गया। वहीं दुकानदारों और छोटे कारोबारियों को भी बिजली आपूर्ति बाधित रहने से नुकसान उठाना पड़ा। अवर अभियंता आशीष कुमार ने बताया कि 33 केवी इनकमिंग पैनल में मरम्मत कार्य कराया जा रहा था। इसके लिए 132 केवी खुजेहटा पावर हाउस से शटडाउन लिया गया था। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया गया, लेकिन लाइन में फाल्ट आने से कुछ समय के लिए दोबारा बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। फाल्ट दूर करने के बाद शाम करीब चार बजे आपूर्ति सामान्य कर दी गई।

प्रयागराज में राज्य स्तरीय पठन संस्कृति महोत्सव, 'स्क्रीन से पन्नों तक' का संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। पठन संस्कृति को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को मोबाइल एवं डिजिटल स्क्रीन के अत्यधिक इस्तेमाल से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार को शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश के सिविल लाइंस परिसर में राज्य स्तरीय पठन संस्कृति महोत्सव 'स्क्रीन से पन्नों तक' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन माध्यमिक शिक्षा विभाग के पुस्तकालय प्रकोष्ठ की ओर से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर मुख्य सचिव, माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने शिक्षा निदेशालय परिसर में सार्वजनिक पुस्तकालय का शुभारंभ किया और पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि आज के स्क्रीन युग में बच्चों के साथ बड़ों में भी पठन संस्कृति को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'बच्चे केवल अंकों के लिए नहीं, आनंद के लिए पढ़ें। हर घर और हर विद्यालय में किताबों के लिए एक जगह तथा हर दिन पढ़ने के लिए एक समय निर्धारित होना चाहिए।' उन्होंने कहा कि पुस्तकों से जुड़ाव विद्यार्थियों के ज्ञान, चिंतन, कल्पनाशक्ति और व्यक्तित्व विकास को समृद्ध करता है। आधुनिक तकनीक के साथ पुस्तकों और समाचार-पत्रों का नियमित पठन भी जीवन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। कार्यक्रम के सांस्कृतिक सत्र में सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों को दर्शाते हुए लघु नाटिका प्रस्तुत की और पुस्तकों के नियमित पठन का संदेश दिया। कार्यक्रम की रूपरेखा विशेष कार्याधिकारी, पुस्तकालय प्रकोष्ठ शान्तवना तिवारी ने प्रस्तुत की। तीन सत्रों में आयोजित कार्यक्रम के पहले सत्र में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी हुई, जिसका संचालन महेश चंद्र देवा ने किया। मिथिलेश लखनवी ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। दूसरे सत्र में समाचार-पत्र पढ़ने की उपयोगिता पर चर्चा हुई। तीसरे सत्र में 'लेखक से संवाद' कार्यक्रम के तहत अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा और लेखिका प्रो. नीलम शरण गौर के बीच संवाद हुआ। इसका संचालन चंद्र प्रकाश ने किया। कार्यक्रम में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों और पुस्तकालयाध्यक्षों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन, कोलकाता के पूर्व महानिदेशक के.के. बनर्जी को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रभाकर त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर सचिव बेसिक शिक्षा परिषद सुरेंद्र कुमार तिवारी, अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक कामता राम पाल, यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह सहित बड़ी संख्या में प्रधानाचार्य, शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

मलिहाबाद के भुलसी गांव में राखी बंधवाकर घर से निकले युवक की तालाब में मिली लाश, परिवार में मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद थाना क्षेत्र के भुलसी गांव में रक्षाबंधन के दिन बहनों से राखी बंधवाकर घर से निकले युवक का शव दो दिन बाद गांव से करीब 500 मीटर दूर तालाब में मिलने से हड़कंप मच गया। शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। घटना की जानकारी मिलते ही मलिहाबाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान विकास रावत के रूप में हुई है। विकास अपने परिवार में दो भाइयों में छोटा था। बताया जा रहा है कि उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। परिजनों के अनुसार, 28 अगस्त की शाम करीब 4 बजे विकास अपनी बहनों से राखी बंधवाने के बाद घर से निकला था। इसके बाद वह वापस घर नहीं पहुंचा। देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की और रिश्तेदारों तथा परिचितों से भी जानकारी की, लेकिन विकास का कोई सुराग नहीं मिल सका। लगातार तलाश के बीच 30 अगस्त की सुबह करीब 7 बजे भुलसी गांव से लगभग 500 मीटर दूर एक तालाब में विकास का शव पड़ा मिला। शव मिलने की खबर गांव में तेजी से फैल गई और मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। परिवार के लोगों ने शव की पहचान विकास रावत के रूप में की, जिसके बाद घर में चीख-पुकार मच गई। विकास के पिता का नाम कृष्ण कुमार रावत और मां का नाम रामकली है। उसकी बहनों के नाम ममता देवी और अर्चना देवी बताए गए हैं। बेटे की मौत की खबर के बाद माता-पिता और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस घर में रक्षाबंधन के मौके पर खुशियों का माहौल था, वहीं दो दिन बाद मातम छा गया। परिजनों का कहना है कि विकास की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। अचानक घर से निकलने के बाद उसका शव तालाब में मिलने से परिवार के लोग भी हैरान और परेशान हैं। घटना को लेकर परिजनों ने मलिहाबाद थाने में अज्ञात के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया है और मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। सूचना पर पहुंची मलिहाबाद पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया और आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि विकास की मौत किन परिस्थितियों में हुई और वह तालाब तक कैसे पहुंचा। फिलहाल मौत की असली वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारणों का खुलासा होने की उम्मीद है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। युवक के घर से निकलने से लेकर तालाब में शव मिलने तक की पूरी घटनाक्रम की जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं परिजन इस घटना से सदमे में हैं और उन्हें पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा पुलिस जांच से मौत की सही वजह सामने आने की उम्मीद है।

वन विभाग के एनओसी को लेकर किसानों ने गांव-गांव चलाया जनसंपर्क अभियान

.........एक सितंबर को मोहनलालगंज वन विभाग कार्यालय के घेराव की तैयारी, माताओं-बहनों समेत बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन ने वन विभाग से एनओसी जारी कराने की मांग को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। रविवार को कुबहरा सामुदायिक मिलन केंद्र पर धरना देने के बाद संगठन के पदाधिकारियों ने गांव-गांव जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान ग्रामीणों और किसानों के घर पहुंचकर उन्हें एक सितंबर को मोहनलालगंज स्थित वन विभाग कार्यालय के घेराव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई। संगठन के पदाधिकारियों ने ग्रामीणों से कहा कि एक सितंबर को सुबह 10 बजे सभी लोग कुबहरा सामुदायिक मिलन केंद्र पर एकत्र हों। यहां से किसान और ग्रामीण सामूहिक रूप से मोहनलालगंज वन विभाग कार्यालय के लिए रवाना होंगे। संगठन ने आंदोलन में माताओं और बहनों की भी अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष किया जा रहा है। आरोप लगाया कि संबंधित मामलों में वन विभाग की ओर से आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) जारी नहीं किया जा रहा है, जिससे किसानों और ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि जब तक विभाग की ओर से एनओसी जारी नहीं की जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। पदाधिकारियों ने बताया कि एक सितंबर को वन विभाग कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों के सामने किसानों की मांगों को रखा जाएगा। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द एनओसी जारी नहीं किया गया तो किसान वन विभाग कार्यालय पर अपना जमावड़ा बनाए रखेंगे। जरूरत पड़ने पर गांव सभा की सड़कों पर वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के आवागमन का विरोध भी किया जाएगा। संगठन की ओर से बताया गया कि कुबहरा सामुदायिक मिलन केंद्र पर किसानों का धरना लगातार जारी रहेगा। रविवार को जनसंपर्क अभियान के दौरान पदाधिकारियों ने ग्रामीणों से आंदोलन को मजबूत करने और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने की अपील की। जनसंपर्क अभियान में प्रदेश महासचिव दिनेश यादव, मंडल उपाध्यक्ष राजेंद्र यादव, मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह, जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार, जिला महामंत्री राम सिंह, जिला उपाध्यक्ष राकेश कुमार उर्फ साहबदीन फौजी, तहसील अध्यक्ष रामकुमार, युवा ब्लॉक अध्यक्ष योगेंद्र, जंगबहादुरगंज, केशव राम लोधी, रामकुमार प्रधान पति समेत संगठन के दर्जनों पदाधिकारी और ग्रामीण शामिल रहे।

खेत से सहखातेदार ने चोरी से काटे सागौन के कई पेड़, शिकायत

पूरनपुर (पीलीभीत)। सहखातेदार ने चोरी से खेत मे खड़े सागौन के कई पेड़ काट लिये। जिसको लेकर युवक ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के गांव शेरपुर कलां निवासीक रेहान पुत्र इबादत नूर खान ने अपने सहखातेदार पर बिना सहमति खेत में खड़े सागौन के चार पेड़ काटकर लकड़ी ले जाने का आरोप लगाया है। मामले की तहरीर कोतवाली पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की गई है।

रेहान के अनुसार, गांव शेरपुर कलां में उनके परिवार को पिता-दादा की विरासत से भूमि मिली हुई है। उक्त भूमि में सागौन के चार पेड़ खड़े थे। आरोप है कि 29 अगस्त की सुबह सहखातेदार इशारत नूर खां पुत्र शहादत नूर खां निवासी ग्राम शेरपुर कलां ने प्रार्थी एवं अन्य सहखातेदारों की सहमति के बिना खेत में खड़े सागौन के चारों पेड़ों को कटवा दिया और उनकी लकड़ी भी उठाकर ले गए।पीड़ित का कहना है कि घटना की जानकारी होने पर उन्होंने आरोपी से इस संबंध में बात की, लेकिन वह कथित रूप से लड़ाई-झगड़े पर आमादा हो गया और कार्रवाई करने पर देख लेने की बात कही। पेड़ों के कटने से उन्हें आर्थिक नुकसान होने की बात भी कही गई है।पीड़ित रेहान ने मामले की तहरीर पूरनपुर कोतवाली पुलिस को देकर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्टार्ट करते ही बाइक में उठने लगी आग की लपटें देखते ही देखते कुछ ही देर में जलकर राख हुई बाइक

पूरनपुर (पीलीभीत)। बाइक स्टार्ट करते ही उसमें आग की लपटे उठने लगी। देखते ही देखते कुछ ही देर में बाइक राख के ढेर में तब्दील हो गयी। जिससे बाइक स्वामी को आर्थिक क्षति हुई है। तहसील कलीनगर क्षेत्र के एक गांव निवासी दीपचंद राठौर पुत्र गयादीन रिश्तेदारी में जाने के लिए अपनी बाइक स्टार्ट कर रहे थे। इसी दौरान अचानक बाइक में स्पार्किंग होने लगी और देखते ही देखते उसमें से धुआं निकलने लगा। मामला समझते ही दीपचंद बाइक छोड़कर भागकर घर पहुंच गए।इसी बीच बाइक में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। बाइक में आग लगने की जानकारी मिलते ही मौके पर खलबली मच गई। आस-पास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन कुछ ही देर में बाइक पूरी तरह जलकर राख हो गई। अचानक हुई घटना से परिजन काफी परेशान हैं। बाइक में आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है।